युद्ध में आर्थिकी भी प्रभावी हथियार 4

'श्रीलीला' के हाथ लगी एक और हिंदी फिल्म 7

योगी से नेपाल के मुख्यमंत्री कमल बहादुर शाह ने की शिष्टाचार भेंट 8

तिथि-बैशाख, शुक्ल, नवमी

सोना - 98,015

शेयर मार्केट- 80,796

चांदी- 97,000

निफ्टी- 24,461

अधिकतम -36 °c
न्यूनतम -27 °c

लखनऊ से प्रकाशित एवं उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों से एक साथ प्रचारित

चर्चित राजनीति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

-: सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र :-

ww.charchitrajnit.com | वर्ष - 21 अंक-162 आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2004/14385 | लखनऊ, मंगलवार 6 मई, 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य : दो रुपये

गन्ना मिलों पर सीएम योगी का कड़ा रुख

चर्चित राजनीति। ब्यूरो

- गन्ना मूल्य भुगतान में न करें देरी : मुख्यमंत्री

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने समय से भुगतान न करने वाली गन्ना मिलों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है।

उन्होंने कहा है कि चीनी मिलों को गन्ना खरीद के लिए कमांड एरिया का निर्धारण उनके गन्ना मूल्य भुगतान के रिकॉर्ड के आधार पर किया जाए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जो मिलें भुगतान में देरी या हीलाहवाली करें, उनके खिलाफ सख्ती होगी। मुख्यमंत्री सोमवार को चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग की समीक्षा बैठक कर रहे थे। विभागीय अधिकारियों ने प्रस्तुतीकरण के जरिये गन्ना मूल्य भुगतान, उत्पादकता, आधारभूत संरचना, रोजगार और भावी योजनाओं की जानकारी दी गई। सीएम ने कहा कि बेहतर गन्ना पैदावार के लिए किसानों को उन्नत किस्म के बीज समय पर उपलब्ध कराए जाएं। इसके लिए कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके), चीनी मिलों और गन्ना समितियों को मिलकर कार्य करना होगा। खेतों का दौरा कर फसल को देखें। किसान गोष्ठियों में मंत्रियों की भागीदारी भी सुनिश्चित की (शेष पृष्ठ 7 पर)

केंद्रीय गृह मंत्रालय का सभी राज्यों को मॉक ड्रिल का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) के लिए देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) को 7 मई को मॉक ड्रिल कराने को कहा है, ताकि किसी आपात स्थिति में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। गृह मंत्रालय की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि मॉक ड्रिल के दौरान हवाई हमले के सायरन, आम जनता को सिविल डिफेंस (नागरिक सुरक्षा) से जुड़ी ट्रेनिंग देना, ब्लैकआउट उपाय, जरूरी ठिकानों की कैमोफ्लाज (छिपाने की व्यवस्था) और एवैक्यूएशन (निकासी) प्लान का अभ्यास किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि मौजूदा भूराजनीतिक हालात में देश को कई नए और जटिल खतरों का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को हर समय पूरी तैयारी रखनी चाहिए। इसके मुताबिक, 7 मई को देश के 244 चिन्हित जिलों में यह मॉक ड्रिल होगी, जो गांवों में तक की जाएगी। इसका मकसद सिविल डिफेंस की तैयारी की जांच करना और बेहतर बनाना है। इस अभ्यास में जिला अधिकारी, सिविल डिफेंस वार्डन, होम गार्ड, एनसीसी, एनएसएस, एनवाईकेएस, कॉलेज और स्कूल के छात्र भी भाग लेंगे। सरकार का कहना है कि यह मॉक ड्रिल विभिन्न एजेंसियों की तैयारियों और आपसी तालमेल की जांच के लिए जरूरी है। आम नागरिकों, छात्रों आदि को प्रशिक्षित किया जाएगा कि अगर किसी तरह (शेष पृष्ठ 7 पर)

प्रधानमन्त्री मोदी ने की हाई लेवल मीटिंग

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने की मोदी से बात, पाकिस्तान की बढ़ी धड़कनें

चर्चित राजनीति। एजेंसी

- प्रधानमन्त्री कार्यालय में हुई कई उच्चस्तरीय बैठकें

नई दिल्ली। पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान में बढ़ रहे तनाव के बीच सोमवार का दिन नई दिल्ली और इस्लामाबाद में काफी गतिविधियों वाला रहा। हमला करने वालों और उनको पनाह देने के वालों को दंडित करने का पहले ही ऐलान कर चुके पीएम नरेन्द्र मोदी के कार्यालय में कई कई उच्चस्तरीय बैठकें हुईं।

पहले उन्होंने एनएसए अजीत डोभाल के साथ मंत्रणा की फिर गृह सचिव की अगुवाई में एक टीम पीएम मोदी से खास तौर पर मिला। इसके बाद गृह मंत्रालय ने राज्यों को आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिक सुरक्षा को देखते हुए मॉक ड्रिल करने का निर्देश दिया। नागरिकों और छात्रों को खास तौर पर प्रशिक्षित करने का निर्देश दिया गया है ताकि किसी लड़ाई की स्थिति में वह अपने आपको सुरक्षित रख सकें। इसी दौरान रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह भी पीएमओ पहुंचे। इससे पहले पीएम मोदी की रूस की राष्ट्रपति पुतिन से टेलीफोन पर बात हुई। राष्ट्रपति पुतिन ने आतंकवाद के खिलाफ भारत को पूरी मदद करने का आश्वासन दिया है। पहलगाम हमले (22 अप्रैल) के बाद पीएम मोदी की भी तक 16 देशों के प्रमुखों के साथ बात हो चुकी है। उधर, इस्लामाबाद की गतिविधियां साफ बता रही हैं कि भारत के तेवर देख पाकिस्तान में घबड़ाहट किस कदर से बढ़ी हुई है। पाकिस्तान के अभिन्न मित्र चीन के राजदूत की राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से मुलाकात हुई। मुलाकात के बारे में चीन ने तो कुछ नहीं कहा, लेकिन पाकिस्तान मीडिया में यह चलाया गया कि चीनी राजदूत ने आश्वासन दिया है कि दक्षिण एशिया में शांति स्थापित करने के लिए चीन पाकिस्तान की मदद करता रहेगा। वहीं पाकिस्तान सरकार ने पहलगाम मामले पर अपना पक्ष रखने के लिए पूरी दुनिया में राजदूतों को भेजने का फैसला किया है। सोमवार शाम को एक बार फिर पाकिस्तानी संसद की विशेष बैठक बुलाई गई है।

इसी बीच सोमवार को दोपहर ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अघारची इस्लामाबाद पहुंचे जहां उनकी पाकिस्तान के विदेश मंत्री मुहम्मद ईशाक दार से मुलाकात हुई। अघारची इसी हफ्ते गुरूवार को भारत आने वाले हैं। ईरान के संबंध भारत व पाक के साथ अच्छे हैं। ऐसे में ईरान की तरफ से कोशिश हो रही है कि भारत व पाक के बीच मौजूदा तनाव को दूर किया जा सके। यह भी उल्लेखनीय तथ्य है कि पहलगाम हमले के बाद भारत के शीर्ष नेतृत्व ने अभी तक चीन के साथ कोई संपर्क नहीं साधा है। प्रधानमन्त्री मोदी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के पांच स्थाई सदस्य देशों में से चीन को छोड़ कर चार (अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस व रूस) के प्रमुखों के साथ बात कर चुके हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर यूएनएससी के 10 अस्थाई सदस्य देशों में से नौ देशों के विदेश मंत्रियों से बात कर चुके हैं।

दसवां अस्थाई सदस्य पाकिस्तान है जिसके साथ भारत का कोई संपर्क नहीं हुआ है। यह भी उल्लेखनीय तथ्य है कि सोमवार को देर रात या मंगलवार तड़के पाकिस्तान के आग्रह पर यूएनएससी की एक बंद कमरे में बैठक बुलाई गई है। वैसे इस तरह की बैठकों का भारत के लिए कोई बहुत कूटनीतिक महत्व नहीं है।भारत व पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देख अंतरराष्ट्रीय जगत में भी काफी चिंता है।

सीबीआई के नए निदेशक के नाम पर मंथन, राहुल गांधी और सीजेआई रहे मौजूद

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सीबीआई निदेशक की नियुक्ति के लिए समिति की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना भी शामिल हुए। यह बैठक मौजूदा सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद के दो साल के कार्यकाल के 25 मई को समाप्त होने से पहले हुई है।

सीबीआई निदेशक की नियुक्ति केंद्र सरकार की तरफ से तीन सदस्यीय नियुक्ति समिति की सिफारिश पर की जाती है, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं और इसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश शामिल होते हैं। बता दें कि, सीबीआई (शेष पृष्ठ 7 पर)

रक्षा सचिव से मिले मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच के रिश्तों में तनाव है। इस आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ कई बड़ी कार्रवाई की गई। भारत के एक्शन के बाद से पाकिस्तान को युद्ध का डर सता रहा है। इस बीच भारत में बैठक पर बैठकें हो रही हैं। इस कड़ी में आज पीएम मोदी ने आज रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि पीएम मोदी और रक्षा सचिव के बीच ये बैठक करीब आधे घंटे तक चली। यह मुलाकात प्रधानमंत्री द्वारा एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह से मुलाकात के एक दिन बाद हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चेतावनी दी है कि आंतकियों को करारा जवाब मिलेगा। पीएम ने कहा (शेष पृष्ठ 7 पर)

अवैध पार्किंग पर लगेगा प्रतिबंध, प्रमुख स्थलों पर अधिक शुल्क वसूलने की तैयारी

लखनऊ, चसं। प्रदेश में अवैध पार्किंग के धंधे पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की नियमावली तैयार कर ली गई है। नियमावली में प्राइम टाइम जैसे सुबह 7 से 12 और शाम 5 से 8 बजे तक अधिक शुल्क वसूलने की भी व्यवस्था की जा रही है। नई नियमावली में शहर के प्रमुख स्थलों पर भी अधिक पार्किंग शुल्क लिया जाएगा। इस नियमावली को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को होने वाली कैबिनेट में मंजूरी दी जाएगी । इसके अलावा कैबिनेट में आठ अन्य प्रस्तावों को विचार के लिए रखा जाएगा। बता दें कि नगर विकास विभाग ने उत्तर प्रदेश नगर निगम (पार्किंग स्थान का (शेष पृष्ठ 7 पर)

दिल्ली मेट्रो में जांच के दौरान 61 कारतूस बरामद छह पिस्टल भी पकड़े गए

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो में जांच के दौरान पिछले ढाई साल में मेट्रो स्टेशनों पर जांच में 61 कारतूस बरामद किए हैं। इतना ही नहीं, इस दौरान छह पिस्टल भी पकड़े गए, जिनमें से पांच कट्टे शामिल थे, जो दिल्ली मेट्रो की सुरक्षा व्यवस्था पर कई सवाल खड़े करता है। पुलिस के मेट्रो यूनिट के मुताबिक, इस साल 15 मार्च तक सात कारतूस और एक कट्टा बरामद किया गया। पिछले साल 2024 में 24 कारतूस और चार पिस्टल (जिनमें तीन कट्टे) पकड़े गए थे। वहीं 2023 में एक कट्टे के साथ 33 कारतूस बरामद किए गए थे। इन आंकड़ों के मुताबिक 2023 से 2024 में हथियारों की संख्या बढ़ी है, लेकिन कारतूस की संख्या में कमी आई है। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, यह बरामदगी मेट्रो स्टेशनों पर बढ़ाई गई सुरक्षा का नतीजा है। दिल्ली मेट्रो देश के सबसे व्यस्त सार्वजनिक परिवहन साधनों में से एक है, और इसे सुरक्षित रखना उनकी प्राथमिकता है। हमने सभी स्टेशनों पर सुरक्षा को और सख्त किया है ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। हमारा मकसद हर यात्री को सुरक्षित माहौल देना है। पुलिस की टीमें लगातार जांच कर रही हैं ताकि मेट्रो में किसी भी तरह (शेष पृष्ठ 7 पर)

पाकिस्तान की कमर तोड़ने के लिए भारत ने की घेराबंदी

चर्चित राजनीति। एजेंसी

- इटली और एडीबी से फंडिंग रोकने की मांग

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।

भारत ने अब इटली और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से पाकिस्तान को दी जाने वाली फंडिंग रोकने की मांग की है। बता दें कि, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इटली के मिलान में आयोजित 58वीं एडीबी सालाना बैठक के दौरान इटली के वित्त मंत्री जियानकार्लो जियोर्जेटी से मुलाकात की। इस बैठक में भारत ने साफ तौर पर कहा कि इटली को पाकिस्तान में अपने वित्तीय सहयोग और परियोजनाओं पर रोक लगानी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की वेबसाइट के अनुसार, इटली की डेवेलपमेंट कोऑपरेशन पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर सक्रिय है और वहां कई परियोजनाओं में निवेश कर रहा है।

इसके अलावा, निर्मला सीतारमण ने एडीबी के अध्यक्ष मासातो कांडा से भी मुलाकात की और उनसे भी पाकिस्तान को दी जाने वाली फंडिंग पर रोक लगाने की मांग की। सूत्रों ने बताया कि यह मुद्दा बैठक के मुख्य एजेंडों में शामिल था। भारत ने यह कदम उस आतंकी हमले के बाद उठाया है जिसमें 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हमला हुआ था। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी और कई अन्य घायल हुए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। इस हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ अपने राजनयिक रिश्ते भी घटा दिए हैं। भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को भी सस्पेंड कर दिया है, जिससे आने वाले समय में पाकिस्तान को मिलने वाली पानी की आपूर्ति में भारी कमी आएगी। सूत्रों ने यह भी बताया कि भारत अब फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) से भी संपर्क करेगा ताकि पाकिस्तान को फिर से 'ग्रे लिस्ट' में डाला जा सके।

वित्त मंत्री सीतारमण इस समय एडीबी की सालाना बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही हैं। यह बैठक 4 से 7 मई तक मिलान में चल रही है। इस दौरान सीतारमण कई महत्वपूर्ण सत्रों में हिस्सा लेंगी और 'भविष्य के लिए सीमा पार सहयोग' पर होने वाले पैनल चर्चा में भी भाग लेंगी। एक्स पर एक पोस्ट में वित्त मंत्रालय ने बताया कि वित्त मंत्री ने भारत में निजी क्षेत्र के नेतृत्व वाले आर्थिक विकास की दिशा में किए गए सुधारों को उजागर किया। उन्होंने भारत में कारोबार को आसान बनाने के लिए उठाए गए कदमों की भी चर्चा की, जिनमें इनसॉल्वेंसी और बैंकरप्सी कोड, कॉरपोरेट (शेष पृष्ठ 7 पर)

वक्फ कानून पर अब नई बेंच में होगी सुनवाई

नयी दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधन कानून को लेकर दाखिल याचिकाओं पर अब 15 मई को सुनवाई होगी। सोमवार 5 मई को चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि इस मामले में गहराई से सुनवाई की आवश्यकता है। चूंकि 13 मई को सीजेआई खन्ना रिटायर हो रहे हैं इसलिए अब यह मामला नए चीफ जस्टिस भूषण रामाकृष्ण गवई की बेंच के सामने पेश किया जाएगा। सीजेआई खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा दाखिल हलफनामे में वक्फ बाय यूजर जैसी संपत्तियों के पंजीकरण को लेकर कुछ अहम बिंदु सामने आए हैं। लेकिन हलफनामे में सभी पहलुओं पर विस्तार से स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। सीजेआई ने कहा, मैं कोई अंतरिम आदेश सुरक्षित नहीं रखना चाहता, लेकिन कुछ मुद्दों पर और साफ जवाब चाहिए। सुनवाई के दौरान एक भावनात्मक पल भी आया जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वह सीजेआई संजीव खन्ना के रिटायरमेंट से दुखी हैं। उन्होंने कहा कि खन्ना साहब की अदालत में पेश होना हमेशा एक सकारात्मक अनुभव रहा है। इस पर सीजेआई खन्ना ने हल्के फुल्के अंदाज (शेष पृष्ठ 7 पर)

आतंकवाद के खिलाफ भारत को मिला जापान का समर्थन

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को अपने जापानी समकक्ष जनरल नकातानी के साथ व्यापक वार्ता की। इस दौरान आतंकवाद की समस्या और हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की सैन्य गतिविधियों के मद्देनजर द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को बढ़ाने के तौर-तरीकों पर चर्चा हुई।

जनरल नकातानी की भारत यात्रा पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़े तनाव के बीच हुई है। उन्होंने आतंकवादी हमले की निंदा की तथा आतंकवाद के खिलाफलड़ाई में भारत के प्रति एकजुटता व्यक्त की। प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में अपने प्रारंभिक वक्तव्य में सिंह ने कहा, मैं पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर भारत के साथ एकजुटता की मजबूत अभिव्यक्ति के लिए जापान सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं। सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, भारत की जापान के साथ विशेष, रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी है। द्विपक्षीय बैठक के दौरान हमने रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा की। उन्होंने कहा, दोनों पक्षों ने सभी प्रकार के आतंकवाद की निंदा की तथा सीमा पार खतरों से निपटने के लिए बेहतर सहयोग एवं संयुक्त प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया। सिंह ने कहा कि नकातानी ने पहलगाम हमले के मद्देनजर भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की तथा भारत को पूर्ण समर्थन देने की पेशकश की। बताया जाता है कि दोनों पक्षों ने भारत-जापान रक्षा औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देने के तौर-तरीकों पर भी विचार-विमर्श किया। दोनों मंत्रियों ने वर्तमान क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा स्थिति पर भी विचारों का (शेष पृष्ठ 7 पर)

संक्षिप्त समाचार

कानपुर में एक ही परिवार के 5 सदस्यों की झुलसकर मौत

लखनऊ, चसं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानपुर के चमनगंज स्थित पांच मंजिला इमारत में लगी आग में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत पर दुख जताया है। मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए राहत और बचाव के कार्यों में तेजी लाने और घायलों के समुचित उपचार का प्रशासन को निर्देश भी दिया है। कानपुर के चमनगंज इलाके के गांधी नगर स्थित एक पांच मंजिला इमारत में रविवार रात भीषण आग लग गई थी। इस इमारत में रहने वाले एक परिवार के पांच लोग फंस गए थे, जिनमें पति-पत्नी और उनकी तीन बच्चियां शामिल थीं। 8 घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद पांचों के झुलसे शव बरामद कर लिए गए। कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। इमारत में लगी आग को बुझाने की कोशिशों में दमकल की एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियां रात को ही मौके पर पहुंची थीं। सेंट्रल कानपुर के एडीसीपी राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि मौके पर दमकल विभाग, पुलिस और एसडीआरएफ पहुंचा। रात 8 बजे से सुबह साढ़े पांच बजे तक बचाव कार्य चला। पांच लोगों को झुलसी हालत में उर्सुला अस्पताल (शेष पृष्ठ 7 पर)

राहुल गांधी की नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

लखनऊ, चसं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने लोकसभा में विपक्ष के नेता कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका का सोमवार को निपटारा कर दिया। अदालत ने याचिकाकर्ता कर्नाटक के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर को अन्य कानूनी वैकल्पिक उपाय अपनाने की छूट दी है। न्यायमूर्ति ए. आर. मसूदी और न्यायमूर्ति राजीव सिंह की खंडपीठ ने कहा कि केंद्र सरकार याचिकाकर्ता की शिकायत के समाधान के लिए कोई समय सीमा नहीं दे पा रही है, ऐसे में इस याचिका को लंबित रखने का कोई औचित्य नहीं है। अदालत ने याचिकाकर्ता से (शेष पृष्ठ 7 पर)

सरोजनीनगर से उठी नई राजनीति की ध्वनि, अब बूथ नहीं, राष्ट्र दृष्टि से सोचेंगे कार्यकर्ता

डॉ. राजेश्वर सिंह का संकल्प : कार्यकर्ता बनें विकास के संवाहक

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। जनसेवा के साथ पार्टी के कार्यों को प्रभावी रूप से आगे बढ़ा रहे सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा सोमवार को 'सरोजनीनगर मंडल पदाधिकारी सम्मेलन' का भव्य आयोजन होटल पारस आर इन, कानपुर रोड, बंथरा में किया गया। इस सम्मेलन में सरोजनीनगर मंडल के बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित रहे। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के साथ कार्यक्रम को भाजपा लखनऊ जिलाध्यक्ष विजय मौर्या, पूर्व सांसद रीना चौधरी, ब्लॉक प्रमुख सुनील रावत, मंडल अध्यक्ष विवेक राजपूत सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने संबोधित किया। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने सम्मेलन की भूमिका स्पष्ट करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को केवल बूथ स्तर तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि प्रदेश व केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों को समग्र दृष्टिकोण से समझकर जनता तक पहुँचाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षा मंत्री एवं स्थानीय सांसद राजनाथ सिंह सहित सभी जन प्रतिनिधियों द्वारा कराये जा रहे व्यापक विकास कार्यों और सरकार की नीतियों की जानकारी सभी कार्यकर्ताओं को होनी चाहिए ताकि जनता को योजनाओं का लाभ समुचित रूप से मिल सके। विपक्ष द्वारा किये जाने वाले दुष्प्रचार को भी रोका जा सके। सम्मेलन की संबोधित करते हुए डॉ. सिंह ने बताया कि अशोक लीलैंड ईवी प्लांट, अमौसी एयरपोर्ट टर्मिनल का विस्तार, नेवल वॉर मेमोरियल, राज्य आपदा प्रबंधन भवन, फोरेंसिक इंस्टिट्यूट और वृंदावन योजना में प्रस्तावित देश का सबसे बड़ा कन्वेंशन सेंटर जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट सरोजनीनगर को राष्ट्रीय पहचान दिला रहे हैं। डॉ. सिंह ने बताया कि आज के समय में सरोजनी नगर और शहीद पथ के आस पास आ रहे हैं, ऐसे सिटी की कल्पना साकर हो रही है जो सरोजनीनगर को को नयी ऊँचाइयों पर लेकर जायेगी।

समग्र दृष्टिकोण से कार्यकर्ता करें विकास कार्यों का आकलन : विधायक ने अपने संबोधन में कहा कार्यकर्ता केवल बूथ स्तर पर कार्यों का आंकलन न करें कार्यकर्ता, समग्र दृष्टिकोण से करें विकास कार्यों का आंकलन करें। प्रधानमंत्री (शेष पृष्ठ 7 पर)

अस्थमा से नहीं होनी चाहिए एक भी मौत

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। अस्थमा को लेकर लोगों में जागरूकता की भारी कमी है, जिसके चलते पूरी दुनिया में 4 लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। मरने वालों में 50 फीसदी लोग भारत के होते हैं। यानी कि करीब दो लाख लोग प्रतिवर्ष भारत में अस्थमा से अपनी जान गंवा देते हैं। जबकि अस्थमा से एक भी मौत नहीं होनी चाहिए, फिर भी लोग मर रहे हैं। इतना ही नहीं, अस्थमा के चलते जीवन की गुणवत्ता पर गंभीर असर पड़ रहा है।

अस्थमा पीड़ित बच्चों को स्कूल और बड़े लोगों को अपना काम तक छोड़ना पड़ता है। इस बीमारी से सबसे अधिक समस्या महिलाओं को उठानी पड़ती है, इससे आप समस्या का अंदाजा स्वतरू लगा सकते हैं। यह कहना है किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय स्थित पल्मोनरी एवं क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. वेद प्रकाश का। उन्होंने यह बातें विश्व अस्थमा दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि इस बीमारी का निदान समय रहते बीमारी की जानकारी होना है। उन्होंने बताया कि दुनियाभर में इस बीमारी से पीड़ित लोगों की संख्या इसकी गंभीरता बताने के लिए काफी है। पूरी दुनिया में 26.2 करोड़ लोग अस्थमा से प्रभावित हैं, वहीं पूरी दुनिया में प्रतिवर्ष लगभग 4.55 लाख लोगों की इस बीमारी से मौत हो जाती है। वहीं भारत में करीब 2 लाख लोगों की मौत इस बीमारी से होती है। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि इस बीमारी की रोकथाम को लेकर किए जा रहे प्रयासों में और तेजी लाने की जरूरत है। यूपी में करीब 50 लाख लोग अस्थमा से पीड़ित हैं, इस बीमारी की चपेट में करीब 10 प्रतिशत बच्चे भी हैं। डॉ. वेद के मुताबिक इनहेलेशन उपचार तक पहुंच सभी अस्थमा रोगियों की आवश्यकता है, तो आइए हम सभी मिलकर प्रत्येक अस्थमा रोगी को खुलकर सांस लेने में मदद करें। उन्होंने बताया कि दमा को अगर हराना है, सांसों को बचाना है, तो इन्हेलर अपनाना है। डॉ. वेद प्रकाश ने बताया कि अस्थमा एलर्जी की वजह से अधिक होता है, जनसंख्या में एक तिहाई लोग जीवन में कभी न कभी एलर्जी का शिकार होते हैं। बड़े शहरों में हवा की गुणवत्ता खराब होते ही इसका सबसे बुरा असर अस्थमा पीड़ितों पर ही पड़ता है। ऐसे में हमें पर्यावरण की स्वच्छता बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने बताया कि बहुत से लोगों में अस्थमा का अटैक धूम्रपान, परफ्यूम से भी होता है। इसके अलावा कुछ मौकों पर कसरत के दौरान भी लोगों को अस्थमा का अटैक हो सकता है। ऐसे में अस्थमा के कारणों और लक्षणों की पहचान और विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह इस बीमारी से बचा सकती है। इस अवसर पर डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि एलर्जी, संक्रमण, वायु.प्रदूषण, ठंडी हवा, शारीरिक व्यायाम, मानसिक तनाव आदि अस्थमा के ट्रिगर (बढ़ाने वाले तत्व) का कार्य करते हैं। अस्थमा लाइलाज बीमारी नहीं है, उचित उपचार व जीवन.शैली में बदलाव से इसे पूरी तरह नियंत्रित कर सामान्य जीवन जिया जा सकता है। केजीएमयू स्थित बाल रोग विभाग के प्रो. राजेश कुमार यादव

● हर साल मर रहे दो लाख लोग

ने बताया कि यदि किसी बच्चे में निमोनिया के लक्षण साल में तीन बार से अधिक बार दिखाई पड़ते हैं। यदि बच्चा बड़ा है और बोलने में भी यदि वह हांफता है, ऐसी किसी भी स्थिति में माता-पिता को सावधान हो जाना चाहिए और डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। उन्होंने बताया कि ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर अस्थमा ने इस बार विश्व अस्थमा दिवस 2025 की थीम इनहेलेशन उपचार सभी के लिए सुलभ बनाएं निर्धारित की है। यह थीम विशेष रूप से इनहेलेड कॉर्टिको.स्टेरॉयड्स (आईसीएस) जैसी प्रभावी औषधियों को सुनिश्चित करने के महत्व को रेखांकित करती है।

भारत में, यद्यपि (आईसीएस को आवश्यक औषधि सूची में शामिल किया गया है, फिर भी जागरूकता की कमी, अधिक व्यय और आपूर्ति, श्रृंखला समस्याओं के कारण इनका उपयोग अपेक्षाकृत कम है। इन चुनौतियों का समाधान अस्थमा संबंधित समस्याओं और मृत्यु दर को घटाने के लिए जरूरी है।

बेकाबू टेम्पो पलटा युवक की मौत

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ में सोमवार सुबह एक टेंपो बेकाबू होकर पलट गया। हादसे में टेंपो में सवार गोंडा निवासी कन्हैया लाल की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि टैंपो चालक सोमवार सुबह करीब 6 बजे चारबाग से सवारी लेकर पीजीआई आ रहा था। रायबरेली रोड पर शीतल खेड़ा के सामने तेज रफ्तार टैंपो बेकाबू होकर पलट गया, जिससे चालक के बगल में बैठी सवारी टैंपो के नीचे दब गई। मौके पर जुटे राहगीरों ने तत्काल टैंपो को सीधा किया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पीजीआई कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसकी तलाशी ली जेब में मिले मोबाइल फोन से उसकी पहचान कन्हैया के रूप में हुई। पुलिस ने परिजनों को सूचना देने के बाद शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि टेंपो चालक कैंट निवासी विनोद कुमार (42) को हिरासत में लिया गया है।

कृषि निदेशक ने किसानों को दी मृदा परीक्षण की जानकारी, प्रयोगशाला का भी निरीक्षण

चर्चित राजनीति। संवाददाता

रायबरेली। जनपद में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत मृदा नमूना एकत्रीकरण अभियान संपन्न हुआ। इस मौके पर कृषि निदेशक उत्तर प्रदेश डॉ. जितेंद्र कुमार तोमर ने विकासखंड बछरावां के दोस्तपुर गांव में

● मृदा नमूना संग्रह अभियान का आखिरी दिन

मृदा नमूना एकत्रीकरण की प्रक्रिया का निरीक्षण किया। कार्यक्रम में किसानों को मृदा परीक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान लखनऊ मंडल के संयुक्त कृषि निदेशक दिग्विजय सिंह, जिला कृषि अधिकारी अखिलेश पांडे और भूमि संरक्षण अधिकारी जगदीश प्रसाद यादव मौजूद रहे।

मृदा परीक्षण प्रयोगशाला से जुड़े कई अधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इनमें प्रयोगशाला प्रभारी आदर्श भूषण, डॉ. गोविंद सिंह और वरिष्ठ प्राविधिक सहायक शामिल थे। ग्राम प्रधान परशुराम पटेल और महिला कृषक राजेश्वरी देवी समेत बड़ी संख्या में किसान भी मौजूद रहे। बाद में संयुक्त कृषि निदेशक ने हरचंदपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत कंदोरा और हिडेन में भी मृदा नमूना एकत्रीकरण करवाया। उन्होंने रायबरेली स्थित मृदा परीक्षण प्रयोगशाला का निरीक्षण भी किया।

युवक, युवतियों व किसानों को खाद्य प्रसंस्करण का दिया जायेगा प्रशिक्षण

लखनऊ, चसं। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा जिलों में स्थापित राजकीय खाद्य विज्ञान प्रशिक्षण केन्द्रों एवं सामुदायिक फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में विभाग द्वारा जिलों के लिए लक्ष्य का निर्धारण कर दिया गया है। केन्द्रो पर युवक युवतियों व कृषकों खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र प्रशिक्षण दिया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह प्रभावी कार्ययोजना व रूपरेखा तैयार कर इच्छित नवयुवकों, नवयुवतियों व किसानों को बेहतर प्रशिक्षण दिलाया जाय। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षण कार्यों की लगातार निगरानी भी जाय और प्रशिक्षण प्राप्त करने पर प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार से जोड़ने के प्रभावी प्रयास किए जाएं। प्रशिक्षण प्राप्त कर प्रशिक्षणार्थी फूड प्रोसेसिंग कार्यकर आमदनी बढ़ा सकेंगे।प्रशिक्षित लोग यूनिट लगाकर अनुदान व अन्य सुविधाओं का लाभ भी ले सकेंगे।

विभाग द्वारा आगरा,अलीगढ़,मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, कानपुर, झांसी, प्रयागराज ,वाराणसी, अयोध्या व गोरखपुर के राजकीय खाद्य विज्ञान प्रशिक्षण केंद्रो के प्रधानाचार्यो, मिर्जापुर, देवीपाटन,बस्ती, आजमगढ़, सहारनपुर व चित्रकूट धाम के खाद्य प्रसंस्करण अधिकारियों तथा फल संरक्षण अधिकारी लखनऊ को निर्देश दिए गए हैं कि निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रशिक्षण दिलाना सुनिश्चित करें। नियमानुसार प्रवेश प्रक्रिया अपनाकर प्रशिक्षण दिलाया जाए। वित्तीय वर्ष 2025-26 में खाद्य प्रसंस्करण में 150 लोगों ,बेकरी एवं कन्फेक्शनरीमे 150 लोगों और कुकरी पाक-कला में 150 लोगों को एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स कराया जायेगा। बेकरी एवं कन्फेक्शनरी में 250 लोगों, कुकरी पाक- कला में 250 लोगों व सम्मिलित कोर्स में 500 लोगों को एक मासीय अंशकालीन प्रशिक्षण दिया जाएगा। मण्डल,जनपद स्तर पर स्थापित राजकीय सामुदायिक फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्रों पर फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में 15402 प्रशिक्षणार्थियों को 15 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा।

ऊर्जा मंत्री पहुंचे मऊ, अल्पसंख्यक संवाद सभा में लिया भाग

लखनऊ, चसं। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा मऊ के मंगलम बहुउद्देशीय भवन, बड़ागांव में वक्फसुधार जन अभियान के तहत आयोजित अल्पसंख्यक संवाद सभा को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा श्सबका साथ, सबका विकासश् की भावना के तहत वक्त संपत्तियों के प्रबंधन को और अधिक पारदर्शी, जवाबदेही और न्याय संगत बनाने के लिए तथा इसके संवैधानिक अधिकारों को सुनिश्चित करने की दिशा में एक नए अध्याय का शुभारंभ किया गया है। संविधान द्वारा भारत के प्रत्येक नागरिक को अपनी संपत्ति को संरक्षित करने का अधिकार प्राप्त है, जिसे कोई छीन नही सकता है। भारत में 12 लाख से अधिक वक्फसंपत्तियां है, भारतीय रेलवे के बाद वक्फबोर्ड के पास सबसे ज्यादा संपत्ति है। वक्फबिल लाने से अब यह संपत्ति संरक्षित हो गई है, इसे अब कोई बेंच नहीं सकेगा न ही भू माफिया कब्जा सकेंगे। वक्फसंपत्ति का प्रयोग अब गरीब मुस्लिम भाई बहनों को सुविधाए देने में किया जाएगा। संपत्तियों पर स्कूल, अस्पताल, खेल के मैदान, बाजार, मॉल बनाए जाएंगे, जिससे गरीब मुसलमान भाइयों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। मुसलमानो को गुमराह करने के लिए आसामाजिक तत्वों द्वारा कहा जा रहा है कि वक्फबोर्ड की संपत्ति हिंदुओं को दे दी जाएगी, जबकि वक्फबोर्ड के नाम पर दुरुपयोग भी हो रहा है। तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश जैसे राज्यो में पूरा गांव का गांव वक्फकी संपत्ति घोषित कर दी जा रही है, जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। वक्फसंपत्ति के बेहतर प्रबंधन, पारदर्शी और सही से प्रयोग करने के लिए केंद्र सरकार ने वक्फबिल पास किया है, जिससे संपत्तियों का सही से उपयोग कर अल्पसंख्यकों की आर्थिक स्थिति में सुधार किया जा सकेगा। इसमें मुस्लिम भाई बहनों का हक मारने की बात कहीं पर भी नहीं की गई है बल्कि इन संपत्तियों के पारदर्शी ढंग से प्रबंधन करने की व्यवस्था इसमें की गई है। वक्फ बोर्ड में जो भी कमियां रही है, उसे दूर किया गया है। उन्होंने कहा कि सुधार की प्रक्रिया निरंतर चलती रहती है। हिंदू धर्म में भी बहुत से सुधार किए जा चुके है। पहले भारत में सती प्रथा, बाल विवाह, विधवा विवाह, अप्रश्यता की स्थिति रही, अब इन सभी को समाप्त किया जा चुका है। मुस्लिम धर्म में भी तीन तलाक की बुराई को समाप्त कर मुस्लिम बहनों को राहत प्रदान की गई है। विगत 75 सालों में किसी सरकार ने भी मुस्लिम हित की बात नहीं की न ही उनके लिए किसी प्रकार का विकास कार्य किया। प्रदेश में सपा की चार बार सरकार रही, उनका एकमात्र उद्देश्य श्समाजवाद का नारा है, खाली प्लाट हमारा हैश् रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के बिना किसी भेदभाव के श्सबका साथ सबका विकासश् के मूल मंत्र पर कार्य हो रहा है। मुस्लिम हितों के दृष्टिगत वक्फसंशोधन बिल लाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।

चचेरी बहन से बातचीत को लेकर पति ने गला घोंटकर पत्नी को मार डाला

लखनऊ, चसं। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के दड़ईन सरथुआ गांव में पति ने पत्नी की हत्या कर दी। मृतका की पहचान सविता देवी के रूप में हुई। आरोपी पति संजय घटना के बाद मौके से फरार हो गया। गुस्साए परिजनों ने हंगामा किया। पुलिस को शव नहीं उठाने दिया। पुलिस अधिकारियों के समझाने के बाद वह शांत हुए, तो पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। आरोपी शटरिंग का काम करता है। उनके दो बच्चे अर्पित और कार्तिक हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी पति की पुलिस तलाश कर रही है। मृतका का शव सोमवार शाम करीब 6.30 बजे मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में पूरन गांव के समीप किसान पथ के पास मिला। उसके गले पर निशान था। सिर में गहरा चोट था। पुलिस की प्रारंभिक जांच में आया है कि सिर पर ईंट से वार किया गया है। उसका गला घोंटा गया है। एडीसीपी साउथ अमित कुमावत ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने भी परिजनों से बातचीत की। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए हैं। मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया कि संजय पत्नी की चचेरी बहन से बातचीत करता था। इसका विरोध किया गया था। इससे नाराज होकर वह आए दिन सविता से विवाद करता था। उसकी पिटाई करता था। परिजनों ने संजय के खिलाफकड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने शव को नहीं उठने दिया। पुलिस अधिकारियों के समझाने बुझाने के बाद वह शांत हुए। उसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। किसान पथ के पास सविता के शव पड़े होने की जानकारी पुलिस को मिली, तो पीजीआई थाना पुलिस पहले पहुंची। उसने देखा कि मामला मोहनलालगंज थाना क्षेत्र का है, तो वहां सूचना दी।

दबाव में टूटा गतिरोध, पावर कार्पोरेशन ने वार्ता के लिए बुलाया

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों और पावर कारपोरेशन के चेयरमैन व शीर्ष प्रबंधन के बीच आज पांच महीने के गतिरोध के बाद निजीकरण के मामले को लेकर पहली बार वार्ता हुई। संघर्ष समिति ने चेयरमैन से साफशब्दों में कहा कि सार्थक वार्ता का वातावरण बनाने हेतु उत्पीड़न की समस्त कार्यवाहियां वापस ली जाए। आज चौथे दिन भी बिजली कर्मियों का क्रमिक अनशन जारी रहा।

बिजली कर्मचारियों ने आज अपने घरों पर एक घंटा बिजली बंद कर निजीकरण के बाद आम जनता को लालटेन युग आने का संदेश दिया। क्रमिक अनशन के तीसरे दिन 4 मई की रात 10 बजे संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे का शुगर लेवल बहुत ज्यादा गिर गया और उनका बीपी बहुत अधिक बढ़ गया और उनकी हालत निरंतर खराब होने लगी। शैलेन्द्र दुबे ने अपना अनशन जारी रखा। रात 12 बजे से 2 बजे तक पॉवर कॉरपोरेशन प्रबन्धन ने पुलिस और मेडिकल टीम का दबाव बनाकर उनका अनशन समाप्त कराने की कोशिश की किन्तु समाचार मिलते ही आधी रात को शक्ति भवन पर सैकड़ों बिजली कर्मी आ गए और विरोध में जोरदार नारे लगाने लगे जिससे अनशन जबरदस्ती समाप्त कराने की प्रबन्धन की चाल कामयाब न हो सकी। 05 मई को संघर्ष समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने ऐलान कर दिया कि जब तक चेयरमैन संघर्ष समिति से वार्ता नहीं करते तब तक उनका अनशन जारी रहेगा। उनके इस अनिश्चितकालीन अनशन के ऐलान से प्रबन्धन के हाथ पैर फूल गए और अंततः पांच महीने का गतिरोध टूटा और चेयरमैन को निजीकरण के मामले में संघर्ष समिति को वार्ता हेतु बुलाना पड़ा।

चेयरमैन ने शीघ्र विस्तृत वार्ता करने के लिए कहा। संघर्ष समिति ने साफशब्दों में कहा कि वार्ता के पहले वार्ता का वातावरण बनाया जाना बहुत जरूरी है और वार्ता का वातावरण बनाने हेतु निजीकरण के संघर्ष के दौरान मनमाने ढंग से की गई उत्पीड़न की सभी कार्यवाहियां वापस लिया जाना जरूरी है। संघर्ष समिति ने कहा कि 25000 से अधिक संविदा कर्मी निजीकरण के नाम पर निकाल दिए गए हैं। उन्हें नौकरी में तुरंत वापस लिया जाए और हटाए जाने की प्रक्रिया बंद की जाए। इसके साथ ही फेशियल अटेंडेंस के नाम पर एकतरफा आर्डर करके बड़े पैमाने पर हजारों की संख्या में बिजली कर्मचारियों का काटा गया वेतन तत्काल दिया जाए। उत्पीड़न के नाम पर एक बिजली कर्मी का किया गया स्थानांतरण निरस्त किया जाए।आज बिजली कर्मचारियों ने अपने घरों की रात 8:00 बजे से रात 9:00 बजे तक एक घंटा तक बिजली बंद कर आम उपभोक्ताओं को यह संदेश दिया कि यदि बिजली का निजीकरण ना रोका गया तो बिजली इतनी महंगी हो जाएगी कि आम जनता उसे खरीद नहीं सकेगी और

● बजली कर्मियों ने अपने घरों की बिजली बन्द कर निजीकरण का किया विरोध

उत्तर प्रदेश लालटेन युग में पहुंच जाएगा।आज उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मचारियों के समर्थन में पंजाब के पांच बिजली कर्मचारी और उड़ीसा के दो बिजली अभियंता क्रमिक अनशन में सम्मिलित हुए। 06 मई को हरियाणा के पांच बिजली कर्मचारी उत्तर प्रदेश के क्रमिक अनशन में सम्मिलित होंगे।क्रमिक अनशन के चौथे दिन आज 200 से अधिक बिजली कर्मी अनशन पर बैठे। आज वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर, आजमगढ़, बस्ती, और मिर्जापुर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जनपदों के बिजली कर्मी और लखनऊ नगर के बिजली कर्मी अनशन पर बैठे। 06 मई को ओबरा, पिपरी, अनपरा, हरदुआगंज, जवाहरपुर, परीक्षा, पनकी और लखनऊ नगर के बिजली कर्मी बड़ी संख्या में अनशन पर बैठेंगे।

ग्रांट थॉर्नटन की धुमाई जा रही फाईल, जीरो टॉलरेंस को ठेंगा : 42 जनपदों के निजीकरण का मसौदा तैयार करने वाली ग्रांट थॉर्नटन को झूठा शपथ पत्र के मामले में आज लगभग 24 दिन हो जाने के बाद भी उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। दूसरी तरफरोज उसके साथ पावर कॉरपोरेशन बैठक करके उसी से उसके बचने की उपाय पूछता है। जबकि यह निजीकरण का मसौदा ही असंवैधानिक है। क्योंकि ग्रांट थ्रोनटन कंपनी असंवैधानिक साबित हो चुकी है।

इंजीनियर ऑफ कॉन्ट्रैक्ट ने उसके खिलाफ कार्यवाही का मसौदा पेश किया था और कहा था कि वह पूरी तरह दोषी है। उसके द्वारा झूठा शपथ पत्र दिया गया उसे पर कार्यवाही कानून के तहत होनी चाहिए। लेकिन निदेशक वित्त जिनके द्वारा पहले विधिक राय की बात कही गई फिर टेंडर मूल्यांकन कमेटी की बैठक बुलाने की बात कही गई और अब उसको बचाने के लिए उसी से राय मांगी जा रही है कि आप बताएं कैसे आपको बचाया जाए। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा आज उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन में नए निदेशक वित्त को कार्यभार ग्रहण करना था। लेकिन ग्रांट थ्रोनटोन के मामले में इस प्रकार से विधिक विवाद पैदा हो गया कि अभी उन्हें चार्ज भार ग्रहण करने के लिए रोक दिया गया है। यह ऊर्जा क्षेत्र का पहला मामला है जब भ्रष्टाचार सिद्ध हो जाने के बाद एक कंपनी को बचाने के लिए पूरा पावर कॉरपोरेशन लगा है। जो अपने आप में उत्तर प्रदेश सरकार की भ्रष्टाचार की जीरो टॉलरेंस की नीति को ठेका दिखा रहा है। उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने कहा पूरा पावर कॉरपोरेशन उसको बचाने के लिए विद्युत नियामक आयोग के साथ मीटिंग करना चाहता था लेकिन उसमें भी उसकी असफलता मिली और सबसे बड़ी बात यह है कि इस कंपनी को बचाने का जिम्मा निदेशक वित्त निधि कुमार नारंग को दिया गया है। आज की तारीख में उनकी वैधानिकता पर अपने आप सवाल उठना लाजिमी है कि कोई भी व्यक्ति जो रोज उसको बचाने के लिए पत्रावली पर अलग-अलग टिप्पणी कर रहा है। उसकी विश्वसनीयता क्या है ऐसे में निदेशक वित्त के खिलाफ भी कार्यवाही होना चाहिए। क्योकि अब यह सिद्ध हो गया है कि उसको बचाने में मुख्य भूमिका उन्हीं की है।

निजीकरण के खिलाफबिजली कर्मियों की शक्ति भवन के अंदर भूख हड़ताल : राजधानी लखनऊ में बिजली विभाग के कर्मचारियों का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा है। शक्ति भवन के अंदर दर्जनों कर्मचारी बीते कई दिनों से अनशन पर बैठे हैं। इनका साफकहना है कि बिजली विभाग का निजीकरण किसी भी हाल में मंजूर नहीं है।

धरने पर बैठे कर्मचारियों ने सरकार पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि जब तक निजीकरण की प्रक्रिया पर रोक नहीं लगेगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे का कहना है कि निजी हाथों में बिजली देने से उपभोक्ताओं की जेब पर सीधा असर पड़ेगा और कर्मचारियों की नौकरियां खतरे में पड़ जाएंगी। बिजली कर्मियों के इस आंदोलन से विभागीय कामकाज पर असर पड़ रहा है। हालांकि शासन की ओर से अब तक कोई सीधी बातचीत नहीं की गई है, जिससे नाराजगी और बढ़ती जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा सरकार का नया कारनामा 'गोबरनामा' अखिलेश यादव ने योगी पर कसा तंज

लखनऊ, चसं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को सरकारी भवनों में गाय के गोबर से बने प्राकृतिक पेंट के इस्तेमाल की वकालत करने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि 'गोबरनामा' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार का नया कारनामा है। यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'गोबरनामा' भाजपा सरकार का नया कारनामा। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीर भी पोस्ट की, जिसमें सरकारी भवनों में गाय के गोबर से बने प्राकृतिक पेंट के इस्तेमाल की खबर छपी हुई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अधिकारियों को गौ संरक्षण केंद्रों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया था और सरकारी भवनों में गाय के गोबर से बने प्राकृतिक पेंट के इस्तेमाल की वकालत की थी। मुख्यमंत्री ने रविवार को पशुपालन एवं दुग्ध विकास विभाग की समीक्षा बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए थे कि निराश्रित गोवंश संरक्षण केंद्रों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि गोबर से निर्मित प्राकृतिक पेंट का प्रयोग सरकारी भवनों में भी किया जाए और इन पेंट संयंत्रों की संख्या बढ़ाई जाए। योगी ने कहा था कि पशुपालन और दुग्ध विकास प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार है तथा यह क्षेत्र केवल दुग्ध उत्पादन तक सीमित नहीं, बल्कि इसमें आजीविका, पोषण सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण की भी व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा था कि तकनीक, निवेश और नवाचार को बढ़ावा देते हुए इस क्षेत्र को और सशक्त किया जाना चाहिए।

महिला का नहाते वक्त बनाया वीडियो, वायरल करने पर विरोध किया, एफआईआर

लखनऊ, चसं। राजधानी के बीबीडी इलाके में रहने वाले एक युवक ने पड़ोस में रहने वाली महिला का नहाते वक्त वीडियो बना लिया। पीड़िता का आरोप है कि वीडियो वायरल करने का विरोध करने पर मारपीट की। पुलिस मामला दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पीड़िता का कहना है कि वह घर में आंगन में नहाती है। जिसका फायदा उठाकर इलाके के सुमित ने धोखे से उसका नहाते वक्त का वीडियो बना लिया। इसकी जानकारी एक रिश्तेदार ने दी। इस पर उसके घर जाकर विरोध दर्ज कराया। इस पर सुमित और उसके पिता कंधई लाल ने मारपीट की। इंस्पेक्टर राम सिंह के मुताबिक पीड़िता की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

नवविवाहिता का फंदे से लटका मिला शव

रायबरेली, चसं। जिले के सरेनी क्षेत्र में एक नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान स्वाति के रूप में हुई है। स्वाति कल शाम को अपने पति सुरेश के साथ ससुराल आई थी। सुबह तक सब कुछ सामान्य था। स्वाति ने परिवार के साथ चाय भी पी थी। इसके बाद उसके पति सुरेश दवा लेने पास के दुकान पर गए थे। सास-ससुर घर के बाहर चाय पी रहे थे। परिवार ने जब स्वाति को पानी के लिए आवाज लगाई, तो कोई जवाब नहीं मिला। घर में खोजने पर एक कमरा बंद मिला। खिड़की का कांच तोड़कर देखा गया, तो स्वाति साड़ी से बने फंदे पर लटकी मिली। थानाध्यक्ष सरेनी शिवाकांत पांडे ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बिजली चोरी में 12 दुकानों के कनेक्शन काटे, दुकानदारों के खिलाफ केस दर्ज

रायबरेली, चसं। नगर में बिजली विभाग ने बिजली चोरी के खिलाफबड़ी कार्रवाई की है। विभाग की विजिलेंस टीम ने शहर की गल्ला मंडी परिषद में छापेमारी की। इस दौरान एक दर्जन से अधिक दुकानों के बिजली कनेक्शन काटे गए। विजिलेंस टीम को देखते ही कई दुकानदार अपनी दुकानें छोड़कर भाग गए। बिजली विभाग के एसडीओ सौरभ जायसवाल के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में बिजली चोरी के प्रमाण मिले। विभाग ने सभी दोषी दुकानदारों के खिलाफबिजली थाने में मुकदमा दर्ज करा दिया है। यह कार्रवाई बिजली चोरी रोकने और राजस्व की नुकसान को रोकने के लिए की गई है। विभाग की ओर से चेतावनी दी गई है कि बिजली चोरी करने वालों के खिलाफकड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। इस पूरे मामले को लेकर बिजली विभाग के एसडीओ सौरभ जायसवाल ने बताया है कि शहर के गल्ला मंडी में स्थित दुकानदारों द्वारा बिना कनेक्शन के बिजली का उपयोग किया जा रहा था कई बार इस पूरे मामले को लेकर दुकानदारों को नोटिस से भी जारी की गई थी लेकिन दुकानदारों द्वारा अपना कनेक्शन नहीं कराया गया है जिसके चलते आज विजिलेंस टीम और बिजली आपूर्ति विभाग की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर जाकर जांच करते हुए तकरीबन एक दर्जन दुकानदारों के अवैध रूप से चल रहे बिजली कनेक्शन को काट दिया गया है और उनके खिलाफअभियोग पंजीकृत किया गया है।

प्रधान और सचिव पर सरकारी धन के गबन का आरोप

रायबरेली, चसं। जिले की सरेनी विधानसभा क्षेत्र में स्थित गहरौली ग्राम सभा में सरकारी धन के दुरुपयोग का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि ग्राम प्रधान और सचिव ने विकास कार्यों के लिए आवंटित धन का गलत इस्तेमाल किया है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी को इस मामले की शिकायत की है। शिकायत के बाद जब क्न्त्व् ने ग्राम सभा का निरीक्षण किया, तो न तो ग्राम प्रधान और न ही सचिव मौजूद थे। मामले में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। स्वास्थ्य केंद्र का कोई पता नहीं है, लेकिन वहां तक पाइपलाइन बिछाने के नाम पर धन निकाल लिया गया। रिबोर के नाम पर भी धन का दुरुपयोग किया गया है।मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज होने के बावजूद अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय की जांच पूरी हो चुकी है। जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। यह मामला मुख्यमंत्री की जीरो टॉलरेंस नीति के विपरीत है। मुख्यमंत्री चाहते हैं कि विकास कार्यों के लिए आवंटित धन का सही इस्तेमाल हो। अब देखना यह है कि अधिकारियों और मुख्यमंत्री के संज्ञान में आने के बाद क्या कार्रवाई होती है।

एनटीपीसी में श्रमिकों से 22.5 करोड़ की वसूली विरोध में संविदा कर्मचारियों ने दिया धरना

रायबरेली, चसं। एनटीपीसी ऊंचाहार में थर्मल पावर संविदा श्रमिक संघ ने सोमवार को तहसील मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन किया। आल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफट्रेड यूनियंस के अध्यक्ष विजय विद्रोही ने प्रदर्शन की अध्यक्षता की। श्रमिक संघ ने आरोप लगाया है कि एनटीपीसी ऊंचाहार में कार्यरत कंपनियां और ठेकेदार मजदूरों से जबरन आधी मजदूरी वसूल रहे हैं। यह वार्षिक वसूली लगभग 22.5 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। संघ ने एनटीपीसी प्रबंधन से इस अवैध वसूली को रोकने की मांग की है। श्रमिकों की प्रमुख मांगों में वसूली करने वाले ठेकेदार की गिरफ्तारी शामिल है। संघ के कोषाध्यक्ष पवन मिश्रा को धमकी देने के मामले में भी ठेकेदार की गिरफ्तारी की मांग की गई है। श्रमिकों ने एनटीपीसी प्रबंधन को जवाबदेह बनाने और दोषी कंपनियों को काली सूची में डालने की मांग की है। श्रमिक संघ ने सभी ठेकेदारों की पृष्ठभूमि की जांच की मांग की है। साथ ही राज्य कर्मचारी बीमा निगम की उप-इकाई की स्थापना भी मांगों में शामिल है। श्रमिकों का कहना है कि यह अवैध वसूली वर्षों से एक रिवाज की तरह चल रही है। पिछले माह भी श्रमिक संघ ने शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किया था। श्रमिकों ने तहसीलदार आकांक्षा दीक्षित को ज्ञापन सौंपा है।

सपा नेता और बेटे पर लूट और फायरिंग का आरोप, दोनों गिरफ्तार

रायबरेली, चसं। महाराजगंज में एक व्यक्ति ने सपा नेता और उनके बेटे पर लूट और फायरिंग का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित मनोज कुमार ने थाने में दी शिकायत में बताया कि गांव के ग्राम पंचायत अध्यक्ष सपा नेता वीरेंद्र बहादुर यादव और उनके बेटे योगेंद्र कुमार यादव ने उस पर हमला किया। घटना गोदहिया खैरा क्षेत्र की है। मनोज कुमार काम से घर लौट रहे थे। इसी दौरान आरोपियों ने उन्हें रोका। दोनों ने मनोज की पिटाई की। आरोप है कि वीरेंद्र बहादुर यादव ने कट्टे से फायरिंग भी की। हालांकि, गोली मनोज को नहीं लगी। इसके बाद दोनों ने मनोज की जेब से 25 हजार रुपए भी छीन लिए। पीड़ित ने महाराजगंज थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सपा नेता वीरेंद्र बहादुर यादव और उनके बेटे योगेंद्र को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

एयरलाइंस के सीईओ ने सेल्स एग्जीक्यूटिव को उलटा लटकाकर पीटा

लखनऊ, चसं। लखनऊ के गोमती नगर विस्तार में शंख एयरलाइंस के सीईओ ने सीनियर सेल्स एग्जीक्यूटिव को घर में बंधक बनाकर पीटा। आरोप है कि घर में लिफ्ट लग रही थी जिसके काम को एक दिन में पूरा करने का दबाव बना रहे थे। मना करने पर कंपनी कर्मचारी से बदसलूकी और मारपीट की। मल्हौर रोड एमिटी यूनिवर्सिटी के पास रहने वाले प्रभात लोहानी जॉनसन लिफ्ट प्राइवेट लिमिटेड में सीनियर सेल्स एग्जीक्यूटिव हैं। उन्होंने बताया सोमवार सुबह करीब 10 बजे कंपनी के कर्मचारी गोमती नगर विस्तार स्थित शंख एयरलाइंस के सीईओ श्रवण कुमार विश्वकर्मा के घर लिफ्ट लगाने का काम कर रहे थे। आरोप है कि श्रवण एक दिन में काम पूरा करने की बात कहने लगे। असमर्थता जताने पर कर्मचारियों से गाली गलौज कर उनसे मारपीट करने लगे और घर में ही बंधक बना लिया। घर में परवेज, संतोष, पवन यादव को बुरी तरह पीटने लगे। सबके मोबाइल भी छीन लिए। इस दौरान पवन ने मौका पाकर दूसरे मोबाइल से चुपचाप कंपनी में फोन कर जानकारी दी। जिस पर कंपनी के सेल्स मैनेजर सहित कंपनी के अन्य कर्मचारी पहुंचे। कर्मचारियों का आरोप है श्रवण कुमार विश्वकर्मा देखते ही गाली देने लगे। विरोध जताया तो सभी को बंधक बना लिया और बंदूक की नोक पर प्रभात लोहानी को उल्टा लटका कर जमकर पीटा। इंस्पेक्टर गोमतीनगर विस्तार सुधीर अवस्थी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

युवक की बेल्ट से गला घोंटकर हत्या, दोस्त ने बदला लेने के लिए शराब पिलाकर मारा

लखनऊ, चसं। राजधानी में युवक ने पिता की मौत का बदला लेने के लिए साथियों के साथ मिलकर पहले मजदूर को पीटा। इसके बाद बेल्ट से गला कसकर उसकी हत्या कर दी। शव को पिता की समाधि पर रखकर फरार हो गया। घटना की जानकारी मिली तो मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। घरवाले रोते बिलखते मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई। घटना नगराम थाना क्षेत्र के कुबहरा गांव की है। गांव निवासी महेश कुमार (35) अपनी पत्नी सुनीता एवं दिव्यांग बेटे शिवा के साथ रहता था। पत्नी सुनीता ने बताया रविवार की रात करीब 9.00 बजे महेश घर से निकले। देर रात तक वापस नहीं लौटे। सोमवार की सुबह उनकी लाश गांव के बाहर एक खेत में पड़ी मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। जांच के दौरान पता चला कि बेल्ट से महेश का गला कसा हुआ था। उसके सिर और शरीर के अन्य स्थानों पर चोट के निशान मिले। बड़े भाई तिवारी ने बताया कि तीन साल पहले गांव के ही सहजराम ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। सुसाइड नोट लिख महेश एवं उसकी पत्नी सुनीता पर आरोप लगाया था। इसके बाद दोनों जेल भी गए थे। सहजराम का बेटा लवकुश उसी बात को लेकर रंजिश मानता है। लवकुश ने ही पिता की मौत का बदला लेने के लिए साथियों के साथ मिलकर पहले महेश को पीटा। फिर गला कसकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को अपने पिता की समाधि पर रखकर फरार हो गया। जानकारी होने पर एसीपी रजनीश वर्मा एवं थाना प्रभारी विवेक कुमार चौधरी पुलिस टीम के साथ पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण करके साक्ष्य जुटाए। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस की चेन स्नैचरों से मुठभेड़, पैर में गोली मारी, 2 बदमाश गिरफ्तार

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ के ट्रांस गोमतीनगर इलाके में सोमवार तड़के पुलिस और चौन स्नैचर के बीच मुठभेड़ हो गई। जनेश्वर मिश्रा पार्क और सहारा पुल के पास अलग-अलग मुठभेड़ों में पुलिस ने दो शातिर बदमाशों मोनू राजपूत और महेश रावत को गिरफ्तार किया। दोनों के कब्जे से चेन, पर्स, देसी तमंचा और बिना नंबर की बाइक बरामद की गई हैं। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह के अनुसार सुबह करीब 3 बजे पुलिस गश्त कर रही थी। इस दौरान बिना नंबर प्लेट की बाइक से जा रहा एक युवक संदिग्ध दिखाई दिया। रोकने की कोशिश की गई तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लगी। पहले बदमाश को घायल करने के बाद जब पुलिस उसके साथी की तलाश में आगे बढ़ी तो सहारा पुल के पास दूसरे बदमाश ने भी पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में उसके पैर में भी गोली लगी और पकड़ा गया। दोनों बदमाशों ने पूछताछ में हाल ही में गोमतीनगर और आस-पास के इलाकों में महिलाओं से लूट की कई वारदातों में शामिल होने की बात कबूल की है। पुलिस ने इनके पास से छीना गया सामान भी बरामद कर लिया है। डीसीपी पूर्वी ने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। सीसीटीवी फुटेज और बरामद सामान के आधार पर इनकी पहचान हुई थी। पुलिस इनका आपराधिक इतिहास खंगाल रही है। सूत्रों के अनुसार दोनों बदमाश अब तक 6 घटनाओं में संलिप्त पाए गए हैं।

डॉक्टर के घर में लगी आग,बंद घर होने से बुझाने में दिक्कत हुई, 2 दमकल ने 1 घंटे में काबू पाया

लखनऊ, चसं। लखनऊ के मड़ियांव में एल्डिको सिटी स्थित डॉ. अनिल कुमार वर्मा के घर में सोमवार को आग लग गई। आग देख आसपास के लोगों ने पुलिस और दमकल को सूचना दी। मौके पर पहुंची दो दमकल ने एक घंटे में आग पर काबू पाया। डॉक्टर का घर बंद होने से आग बुझाने के लिए लॉक तोड़ने पड़े। मड़ियांव इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्रा ने बताया कि एल्डिको कॉलोनी में डॉ. अनिल कुमार वर्मा का तीन मंजिला मकान है।

सोमवार दोपहर करीब 12 बजे घर से धुआं और आग की लपट देख आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। आग की सूचना पर थाना पुलिस के साथ बीकेटी फायर स्टेशन से दो दमकल मौके पर पहुंच गई। जिन्होंने पानी डालकर आग पर काबू पाया। आग किचन से फैली थी। जिससे घर में रखा सामान चपेट में आ गया। सीएफओ बीकेटी ने बताया दमकल कर्मी पहुंचे तो पूरे घर में धुआं भरा हुआ था। घर से लपट निकल रही थी। घर बंद होने से दरवाजा खोलने में दिक्कत आई। बीए सेट पहनकर दमकल कर्मियों ने पानी डालकर आग को बुझाया। आग शॉर्ट सर्किट से लगने का संभावना है।

प्रबुद्ध समागम में शामिल हुए नगर विकास मंत्री

वन नेशन वन इलेक्शन का विधान देश को बनायेगा समृद्ध और विकसित राष्ट्र : शर्मा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- विपक्षियों को रास नहीं आ रही देश की खुशहाली, समृद्धि और राष्ट्रहित की बात

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रहित तथा देशवासियों के हित में वन नेशन वन इलेक्शन का विधान देश में लागू करना चाहते हैं, लेकिन विपक्षियों को इसमें भी आपत्ति है। देश में वन नेशन वन इलेक्शन का विधान लागू होने से लोकसभा, सभी राज्यों की विधानसभाओं तथा स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ हो सकेंगे।

देश में अलग-अलग चुनाव होने से बहुत सारा पैसा, संसाधन और समय जो खर्च होता है, वह बचेगा। यही पूंजी, समय और संसाधन देश की तरक्की में लगेगी और देश एक समृद्ध राष्ट्र बनेगा। लेकिन विपक्षियों को देश की खुशहाली, समृद्धि और राष्ट्रहित की बात रास नहीं आ रही और देश व देशवासियों के हित में लागू की जा रही इस व्यवस्था का विरोध कर रहे। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव से देश की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता मजबूत होगी। नक्सलवाद, आतंकवाद और क्षेत्रीयता की भावना खत्म होगी। डेढ़ से दो वर्षो में देश की जीडीपी में बढ़ोतरी होगी और 2047 तक हमारा देश समृद्ध होकर एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा। देश के संसाधनों, समय व धन को बचाने तथा राष्ट्र प्रथम की भावना एवं राष्ट्रीयता को और मजबूत करने के लिए 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' बहुत आवश्यक है। बार-बार के चुनाव देश के विकास कार्यो में रोड ब्रेकर बन रहे है। मंत्री एके शर्मा सोमवार को एक दिवसीय प्रवास पर जनपद जौनपुर पहुंचकर वहां वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के महंत अवैद्यनाथ सभागार में आयोजित वन नेशन वन इलेक्शन पर आयोजित प्रबुद्ध समागम कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग कर संबोधित किया और उपस्थित छात्र-छात्राओं द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत में 1951-52 से 1967 तक एक राष्ट्र एक चुनाव की व्यवस्था लागू थी। इसके पश्चात लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के अलग अलग चुनाव होने लगे। वर्ष 1995 से लेकर आज तक देश में कहीं न कहीं पर प्रतिवर्ष चुनाव हो रहे। प्रदेश में ही 2021में पंचायत चुनाव, 2022 में विधानसभा, 2023 में स्थानीय निकाय तथा 2024 में लोकसभा के चुनाव हुए है। अलग-अलग चुनाव होने से विकास कार्य बाधित होते है। सरकारी मशीनरी को लंबे समय तक चुनाव में लगा रहना होता है, इससे विकास कार्य समय से पूरे नहीं हो पाते और नीतिगत निर्णय भी प्रभावित होते है। इतना ही नहीं बार-बार चुनाव होने से मतदाताओं की रुचि भी कम हो रही है। एक राष्ट्र एक चुनाव से राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ हमारी राष्ट्रीयता मजबूत होगी। प्राचीन काल में हमारा देश बहुत ही समृद्ध और सशक्त राष्ट्र था, सोने की चिड़िया था। ब्रिटिश अर्थशास्त्री अंगस मेडिसन ने भी 18 वीं शताब्दी में ही माना था कि उस समय भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की एक चौथाई थी, जिसे विदेशी आक्रांताओं, मुगलों और अंग्रेजी शासन के दौरान नष्ट कर दिया गया। लेकिन मोदी जी के कुशल नेतृत्व में भारत अपने पुराने वैभव, गौरव व समृद्धि को पुनः प्राप्त करेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की बहुत सी व्यवस्थाओं को एकीकृत करके नागरिकों को बेहतर सुविधाएं दी जा रही है। जैसे कि वन नेशन वन पावर ग्रिड से बेहतर विद्युत आपूर्ति, वन नेशन वन राशन कार्ड से देश में कहीं पर भी राशन प्राप्त करने की सुविधा, जम्मू कश्मीर से धारा 370 को हटाकर वन नेशन वन कांस्टीट्यूशन की व्यवस्था को लागू किया गया है। इसी प्रकार से सभी देशवासियों के सहयोग से वन नेशन वन इलेक्शन का विधान भी लागू होगा। कहा कि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति 02 सितंबर 2023 को गठित की गई थी। समिति ने भी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि देश में एक साथ चुनाव होने से विकास प्रक्रिया को गति मिलेगी और आपसी सौहार्द, भाईचारा व सामाजिक एकता को बढ़ावा मिलेगा।

मोदी के नेतृत्व में पाकिस्तान को अपने पापों की सजा जरूर मिलेगी। पाकिस्तान का नाम अब पापीस्तान कर देना चाहिए जहां सिर्फपापी रहते हो। वन नेशन वन इलेक्शन पर 47 दलों ने अपना मत सुझाव दिया है, इसमें से 32 से 35 दल अपना समर्थन दे रहे तथा 10 से 12 दल इसका विरोध कर रहे हैं। श्री शर्मा ने जौनपुर में नगर विकास की 36.09 करोड रुपए लागत के 128 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इसमें नगर पालिका परिषद जौनपुर में 7.73 करोड रुपए के 41 कार्य, नगर पालिका परिषद शाहगंज में 2.47 करोड रुपए के 07 कार्य, नगर पालिका परिषद मुंगरा बादशाहपुर में 5.62 करोड रुपए के 8 कार्य, नगर पंचायत रामपुर में 1.36 करोड रुपए के 06 कार्य, नगर पंचायत मडियाहू में 7.33 करोड रुपए के 23 कार्य, नगर पंचायत केराकत में 2.04 करोड रुपए के 08 कार्य, नगर पंचायत कचगांव में 3.20 करोड रुपए के 10 कार्य, नगर पंचायत खेतासराय में 1.95 करोड रुपए के 06 कार्य, नगर पंचायत बदलापुर में 48 लाख रुपए के 05 कार्य, नगर पंचायत मछलीशहर में 1.60 करोड रुपए के 08 कार्य, नगर पंचायत गौराबादशाहपुर में 2.32 करोड रुपए के 6 कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया।कार्यक्रम में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीशचंद्र यादव, राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी, जिलाध्यक्ष भाजपा पुष्पराज सिंह, विधायक रमेश चंद्र मिश्रा, ब्रिजेश सिंह 'प्रिंशु', सदस्य विधान परिषद कृपा शंकर सिंह, पूर्व गृह राज्यमंत्री महाराष्ट्र सरकार, नगरीय निकायों के अध्यक्ष व सभासद, ब्लॉक प्रमुख एवं हजारों की संख्या में माताएं-बहने, क्षेत्रवासी, छात्र एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

सभासद के एक पद पर निर्दल दूसरे पर सपा का कब्जा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- दोनों सीटों पर हारी बीजेपी

लखनऊ। नगर पंचायत बीकापुर और खिरौनी सुचितागंज में सभासद पद के उपचुनाव में निर्दल और समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी ने जीत दर्ज की है। दोनों सीटों पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है। आज सोमवार को मतगणना के बाद चुनाव परिणाम घोषित किए गए।

नगर पंचायत बीकापुर में सभासद पद के लिए नगर निकाय उपचुनाव में वार्ड संख्या तीन में निर्दल उम्मीदवार अंकिता कनौजिया ने भाजपा उम्मीदवार को रिकॉर्ड मतों से हराकर जीत दर्ज करके सभी को चौंका दिया। सोमवार सुबह तहसील सभागार में शुरू हुई मतगणना के बाद निर्दल उम्मीदवार अंकिता को 399 मत प्राप्त हुए। जबकि भाजपा उम्मीदवार गायत्री देवी को 290 मतों पर ही संतोष करना पड़ा।अंकिता कनौजिया 109 मतों से विजई घोषित की गई। निर्वाचन अधिकारी खंड विकास अधिकारी हरिश्चंद्र सिंह ने अंकिता को जीत का प्रमाण पत्र सौंपा। अनुसूचित महिला जाति के लिए आरक्षित वार्ड संख्या तीन तेंदुआमाफी की सभासद रहीं राधा कनौजिया का कुछ माह पहले बीमारी के चलते निधन हो गया था। उनके निधन के बाद उपचुनाव कराया गया। उप चुनाव में विजेता उम्मीदवार अंकिता दिवंगत सभासद राधा कनौजिया की बहू हैं। सोहावल की नगर पंचायत खिरौनी सुचितागंज में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में वार्ड संख्या एक विसुहिया में सभासद पद पर हुए चुनाव की मतगणना में पहले राउंड में ही भाजपा प्रत्याशी बिंदु रावत से सपा प्रत्याशी पार्वती देवी ने बढ़त बना ली। पार्वती देवी पहले राउंड में 228 मत पाकर भाजपा की प्रत्याशी से 107 मतों से बढ़त बना चुकी थीं।

डायबिटीज की शुरुआत रसोईघर से होती है इसका समाधान भी वहीं से होना चाहिए

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। प्रेस क्लब में आयोजित एक विशेष प्रेस वार्ता में डायबिटीज को लेकर चिकित्सा क्षेत्र की पारंपरिक सोच को चुनौती देने वाला अहम बयान सामने आया। एप्रोप्रियेट डाइट थेरेपी सेंटर के बैनर तले आयोजित इस संवाद में डायबिटीज मुक्त भारत अभियान के बारे में जानकारी दी गई, जिसे भारत गौरव सम्मान प्राप्त वैज्ञानिक डॉ. एस. कुमार ने आरंभ किया है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. वरुण ने अपने संबोधन में डायबिटीज को लाइलाज रोग मानने की धारणा को खारिज करते हुए कहा, डायबिटीज कोई बीमारी नहीं, बल्कि एक जीवनशैली जनित शुगर यूटिलाइजेशन डिसऑर्डर है, जिसे बिना दवा और बिना इंसुलिन के, सिर्फसटीक जांच और उचित खानपान द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है। डॉ. वरुण ने डायबिटीज के विकास क्रम को रेखांकित करते हुए बताया। 1921 में सर फ्रेडरिक बैंटिंग और चार्ल्स बेस्ट ने इंसुलिन की खोज की। 1936 में हेटाल्ड हिंसवर्थ ने डायबिटीज को टाइप-1 (इंसुलिन न बनने वाली) और टाइप-2 (इंसुलिन बनने के बावजूद उपयोग न हो पाने वाली) में वर्गीकृत किया। 1970 में जेफरी फ्लायर और हेरोल्ड ओलेफस्की ने इंसुलिन रेसिस्टेंस के पीछे सेल्यूलर रिसेप्टर डिफेक्ट को प्रमुख कारण बताया।डॉ. एस. कुमार ने इन सभी शोधों का गहन अध्ययन कर यह चौंकाने वाला निष्कर्ष निकाला। 90 फीसदी मरीज ऐसे हैं जिन्हें डायबिटीज का गलत डायग्नोसिस केवल बढ़े हुए शुगर लेवल के आधार पर कर दिया जाता है, जबकि उनके शरीर में इंसुलिन की मात्रा सामान्य होती है। डॉ. एस. कुमार के अनुसार अधिकांश मरीजों में ब्लड शुगर बढ़ने का कारण इंसुलिन का न बनना नहीं, बल्कि रक्त में उपस्थित शर्करा का उपयोग न हो पाना है। यही कारण है कि सन् 1921 से पहले इंसुलिन की कमी का युग था, डॉ. कुमार ने अपने शोध में यह स्पष्ट किया कि रसोईघर में उपयोग होने वाला बीजों से निकला रिफाइंड तेल (जैसे सोयाबीन, सूरजमुखी आदि) सबसे बड़ा दोषी है जो रिसेप्टर्स को नुकसान पहुँचाता है और इंसुलिन रेसिस्टेंस का प्रमुख कारण बनता है। रसोई में उपयोग किए जाने वाले बीजों से बने तेल जब गर्म किए जाते हैं तो उनसे धुआं निकलता है, जो ट्रांस फैटी एसिड्स और 30 से अधिक हानिकारक रसायनों को जन्म देता है। ये पदार्थ इंसुलिन रिसेप्टर्स को नष्ट कर देते हैं कोशिकाओं में शुगर के प्रवेश को रोकते हैं इंसुलिन रेसिस्टेंस उत्पन्न करते हैं पैंक्रियाज के बीटा सेल्स को क्षतिग्रस्त करते हैं इस प्रेस वार्ता में इंडियन एक्स-सर्विसेज लीग, लखनऊ के अध्यक्ष सुबेदार मेजर (से.नि.) ऋषि दीक्षित एवं श्री आर.बी. सिंह एवं अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और डायबिटीज मुक्त भारत अभियान को समाज के लिए अत्यंत आवश्यक बताया।

दीक्षित जी ने बताया कि हमारे देश के वीर सैनिकों ने देश की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। अब हमारा कर्तव्य है कि हम सभी एकजुट होकर सबके स्वास्थ्य की रक्षा करें।

एलयू एनसीसी के कैडेटों को बेस्ट कैडेट अवार्ड

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। 64 यूपी बटालियन एनसीसी के लांस कॉरपोरल आयुष कुमार यादव ने प्रथम व कैडेट राघव बाजपेयी ने द्वातीय स्थान प्राप्त किया जिसके उपलक्ष्य में कैडेट्स को 4500 (प्रथम स्थान) व 3500 (द्वितीय स्थान) रूपये का चेक देकर सम्मानित किया गया। इन कैडेट्स ने कैडेट वेलफेयर सोसाइटी (सी.डब्ल्यू.एस.) बेस्ट कैडेटष् प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए बेस्ट कैडेट प्रतियोगिता में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए 64 यू पी बटालियन के एडम ऑफिसर ले. कर्नल अनिमेष राय ने कैडेट्स का उत्साह वर्धन किया और बताया ऐसी प्रतियोगिताएं कैडेट के मानसिक विकास और नैतिक जिम्मेदारी को बढ़वा देती है। इस अवसर पर एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट (डॉ.) रजनीश कुमार यादव ने इन विजेता कैडेटों को उनकी इस महत्वपूर्ण सफलता पर हार्दिक बधाई और शुभकामनायें दी। उन्होंने कहा, हमारे कैडेटों ने जिस प्रकार की निष्ठा और उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया है वह अत्यंत प्रशंसनीय है। श्सी.डब्ल्यू.एस. बेस्ट कैडेट प्रतियोगिता में यह सफलता न केवल उनकी व्यक्तिगत मेहनत का फल है, बल्कि हमारे पूरे बटालियन के प्रभावी प्रशिक्षण और कुशल मार्गदर्शन का भी प्रतीक है, जो कैडेटों के कल्याण को सर्वोपरि मानता है। इन प्रतिभाशाली युवाओं को नकद पुरस्कार से सम्मानित करना उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण को सराहने का एक महत्वपूर्ण तरीका है।

इन सर्वश्रेष्ठ कैडेटों की यह सफलता अन्य कैडेटों के लिए एक प्रेरणास्रोत बनेगी और हमारे बटालियन को भविष्य में और भी अधिक सफलता की ओर अग्रसर करेगी।इस अवसर पर बटालियन के सूबेदार मेजर व अन्य स्टॉफभी मौजूद रहें।

लखनऊ में हुक्का, पानी और लठ लेकर पहुंचे प्रदेश भर के किसान

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- गन्ना भुगतान न होने से हैं नाराज, कहा-जिम्मेदार अधिकारी खून पी रहे हैं

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सोमवार को भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक से जुड़े किसानों ने तीन जगहों पर विरोध प्रदर्शन किया। लखनऊ समेत प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए किसानों ने गन्ना भुगतान की मांग की।

गुस्साए किसानों ने खनन निदेशालय, चकबंदी आयोग और चीनी एवं गन्ना आयुक्त निदेशालय का घेराव किया। किसान हुक्का-पानी, राशन और लठ लेकर पहुंचे। गन्ना संस्थान पर प्रदर्शन कर रहे किसानों ने अपनी मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की। युवा मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दिगंबर सिंह ने कहा यह सरकार किसानों को गुमराह कर रही है। लंबे समय से हम लोगों के भुगतान नहीं हो रहा है। पूरे प्रदेश का किसान नाराज है। चौधरी दिगंबर सिंह ने कहा प्रदेश में जितने भी चीनी मिल हैं, उनके भुगतान का कोई अता-पता नहीं है। जब भी भुगतान की बात होती है, तब आयुक्त की तरफसे कहा जाता है इस साल मौका दे दें, अगले साल कर देंगे। उन्होंने कहा इस वर्ष पुराने कमिश्नर चले गए, नए कमिश्नर आए हैं। नए अधिकारी नया पहाड़ा पढ़ा रहे हैं। कब तक हम लोग पहाड़ा पढ़ते रहेंगे? चकबंदी के अंदर भी भ्रष्टाचार है। 60 सालों से अधिक हो गया लोगों को इंसाफनहीं मिल रहा है। किसानों की जमीनों पर कब्जे हो रहे हैं।

पीजीआई में विश्व हाथ स्वच्छता दिवस और माइक्रोबायोलॉजी विभाग के स्थापना दिवस पर सीएमई का आयोजन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ द्वारा विश्व हाथ स्वच्छता दिवस और माइक्रोबायोलॉजी विभाग की 37वीं स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में हैंड हाइजीन और हेल्थकेयर-एसोसिएटेड इन्फेक्शन की रोकथाम में ऑटोमेटेड सिंड्रोमिक पैनल का उपयोग विषय पर एक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

इस समारोह के मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. आर.के. धीमान निदेशक, प्रो. शालीन कुमार (डीन पीजीआई), प्रो. प्रशांत अग्रवाल (मेडिकल सुपरिंटेंडेंट, एसजीपीजीआईएमएस), प्रो. रुंगमेई एस.के. मारक (विभागाध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी पीजीआई), प्रो. सुमित राय (विभागाध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी, एम्स मंगलगिरि), डॉ. अमरेश कुमार सिंह (विभागाध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी, बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर) और डॉ. विनीता खरे (विभागाध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी, एरा मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल) भी प्रतिष्ठित अतिथि व वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। पद्मश्री प्रो. आर.के. धीमान ने सभा को संबोधित करते हुए हाथ स्वच्छता के महत्व को रेखांकित किया और यह बताया कि किसी भी नैदानिक प्रक्रिया के दौरान दस्तानों की बजाय हाथ धोने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रो. शालीन कुमार ने छात्रों को विभिन्न नैदानिक अभ्यासों में हाथ स्वच्छता के महत्व और इससे एचएआई दर में कमी लाने के तरीकों के बारे में अवगत कराया। प्रो. रुंगमेई एस.के. मारक ने छात्रों को हैंड हाइजीन के 5 क्षण को अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर नर्सिंग छात्रों द्वारा प्रस्तुत पोस्टर प्रतियोगिता की रचनात्मकता की सराहना की। डॉ. अमरेश कुमार सिंह ने शल्य चिकित्सा में हाथ धोने की प्रक्रिया की केंद्रीय भूमिका पर प्रकाश डाला। पोस्टर प्रतियोगिता और स्किट प्रतियोगिता में 50 से अधिक नर्सिंग छात्र, एम.एससी. प्रशिक्षु, पीएचडी और एमडी छात्र शामिल हुए। स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर एलुमनाई मीट डिनर आयोजित किया गया जिसमें पूर्व रेजिडेंट्स, जो अब प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं, उपस्थित हुए। संस्थान के विभिन्न संकाय सदस्यों ने इस पहल में भाग लिया और प्रभावी हाथ स्वच्छता को अपनाने के लिए सभी से अनुरोध किया, यह याद दिलाते हुए कि कुछ सेकंड का हाथ धोना भी जीवन बचा सकता है।

अखिलेश ने दलितों ही नहीं पिछड़ों का भी अपमान किया : लालजी निर्मल

लखनऊ, चसं। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर एक बार फिर दलित और पिछड़े वर्ग के महापुरुषों के अपमान का आरोप लगा है। उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के पूर्व चेयरमैन और विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने लखनऊ के वीवीआईपी गेस्ट हाउस में प्रेस वार्ता कर इस मुद्दे को जोरशोर से उठाया। डॉ. निर्मल ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव ने सिर्फ दलित महापुरुषों ही नहीं, बल्कि पिछड़े वर्ग के नायकों का भी लगातार अपमान किया है। उन्होंने सवाल किया कि समाजवादी पार्टी को दलित और पिछड़े वर्ग के महापुरुषों से इतनी चिढ़ क्यों है? डॉ. निर्मल ने बताया कि अमरोहा जिले से ज्योतिबा फुले का नाम हटाया गया, जो शिक्षा और सामाजिक सुधार के बड़े प्रतीक थे। इसी तरह, छत्रपति साहू जी महाराज, जिन्होंने 1902 में आरक्षण की शुरुआत की थी जिसका नाम अमेठी जिले और केजीएमयू से हटाया गया। उन्होंने यह भी कहा कि डॉ. आंबेडकर की पत्नी माता रमाबाई के नाम से बने कानपुर देहात जिले से भी उनका नाम हटाया गया।

राजभर बोले-सपा मुस्लिम को सीएम फेस घोषित करे

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- सपा-कांग्रेस ने मुसलमानों को ठगा, सरकारी नौकरियों में 1 फीसदी नहीं बचे

लखनऊ। लखनऊ में सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने कहा समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने मुसलमान को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया है। कांग्रेस, सपा और बसपा ने ऐसा विकास किया कि आज मुसलमान 1 प्रतिशत भी सरकारी नौकरी में नहीं बचे हैं। उन्होंने कहा कि सपा मुसलमानों की हितैषी पार्टी है तो 2027 के चुनाव में सीएम फेस किसी मुस्लिम नेता को बनाए।

अगर सीएम फेस मुस्लिम नहीं हुआ तो ये मान लिया जाएगा कि समाजवादी मुसलमानों को ठगने वाली पार्टी है। उन्हें अधिकार नहीं देना चाहती है। अल्पसंख्यक मोर्चे के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सोमवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर से मुलाकात की। आगामी पंचायत चुनाव और 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति बनाई। ओमप्रकाश राजभर ने कहा हमारे पास अल्पसंख्यकों से जुड़ा विभाग है। इसलिए प्रदेश भर के मुस्लिम समुदाय के लोग मुलाकात करने आते हैं। इसके साथ ही पार्टी अल्पसंख्यकों के अधिकारों की लड़ाई लड़ रही है। हमारी पार्टी गठबंधन में है। मगर कुछ बिंदुओं पर भाजपा के बीच आपसी सहमति बनी थी। जातीय जनगणना उसी का नतीजा है। उन्होंने कहा मुसलमानों की आबादी 18 प्रतिशत है। इन्हें कांग्रेस और सपा के लोग नफरत सिखाते हैं। यह लोग अल्पसंख्यकों की शिक्षा, नौकरी और विकास की बात नहीं करते। हम लोग अल्पसंख्यक समुदाय को शिक्षा के प्रति जागरूक कर रहे हैं। ओमप्रकाश राजभर ने कहा मदरसे में शिक्षा हासिल करके मदरसे में नौकरी कर सकते हैं। मगर वहां कितनी नौकरियां हैं। इसलिए बेहतर शिक्षा हासिल करके अन्य जगहों पर भी रोजगार हासिल करें। अल्पसंख्यक समुदाय इधर-उधर भटक रहा है। हम लोग सरकार में हैं। हर स्तर पर मदद करेंगे। उन्होंने कहा आजादी के बाद मुसलमान सरकारी नौकरियों में 38 प्रतिशत था।

आज 1 प्रतिशत भी सरकारी नौकरी में नहीं बचे हैं। सपा ने मुसलमान का वोट लेकर चार बार सरकार बनाई। यादव जी मुख्यमंत्री बन गए, लेकिन मुसलमानों को प्रतिनिधित्व नहीं दिया। सुभासपा अल्पसंख्यक मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष खुर्शीद आलम ने कहा सभी पार्टियों ने हमारे समुदाय को गुमराह किया। हम लोग अब किसी पार्टी के झांसे में नहीं आने वाले।ओमप्रकाश राजभर मुसलमानों के विकास की बात कर रहे हैं। अल्पसंख्यक समुदाय को विकास के पथ पर ले जाने की रणनीति है। इसलिए बड़ी संख्या में मुसलमान सुभासपा के साथ जुड़ रहा है।

मैक्स हॉस्पिटल में मरीज के मौत पर परिजनों ने किया हंगामा

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ के मैक्स हॉस्पिटल में मरीज के मौत के बाद सोमवार सुबह हंगामा हुआ। परिजनों ने हॉस्पिटल पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। इसके बाद अस्पताल प्रशासन की तरफसे किसी तरह मामले को रफा-दफा किया गया। बाद में परिजन शव लेकर चले गए। मैक्स हॉस्पिटल प्रशासन की तरफसे बताया गया कि मरीज को गंभीर हालत में कुछ दिन पहले अस्पताल में लाया गया था। 29 तारीख को उसकी सर्जरी हुई। सोमवार सुबह मरीज की मौत हो गई। मरीज कई गंभीर बीमारियों से जूझ रहा था, उसे पहले से कई परेशानी थी। मौत के बाद परिजन शव लेकर चले गए। कोई हंगामा नहीं हुआ। मैक्स हॉस्पिटल की तरफ से बयान जारी कर बताया गया कि 47 साल की महिला मरीज को पित्ताशय में एम्पायमा, गंभीर पल्मोनरी आर्टरी हाइपरटेंशन सहित कई गंभीर बीमारियां थी। उन्हें तत्काल सर्जरी की आवश्यकता थी। मरीज और उनके परिजनों को इस सर्जरी के उच्च जोखिम के बारे में विस्तार से बताया गया। सर्जरी सफल रही पर अचानक से ऑक्सीजन लेवल में गिरावट आई, जो पहले से मौजूद पल्मोनरी हाइपरटेंशन की वजह से हुई।

मन की एकाग्रता ही समग्र ज्ञान है, बल ही जीवन है और दुर्बलता मृत्यु, मौन, क्रोध की सर्वोत्तम चिकित्सा है, दिल और दिमाग के टकराव में दिल की सुनो, खुद को कमजोर समझना सबसे बड़ा पाप है : स्वामी विवेकानंद

संपादकीय

धर्म, जाति, असमानता का संकट एक चेतावनी

देश की आत्मा पर चोट करने वाले दृश्य आज बार-बार सामने आ रहे हैं। 'वो मजहब पूछ कर मारता है'- यह वाक्य अब कोई प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति नहीं रही, बल्कि भयावह यथार्थ बन चुकी है। एक ओर धार्मिक पहचान के आधार पर हिंसा बढ़ रही है, दूसरी ओर असंख्य ऐसी सामाजिक बुराइयां मौजूद हैं जो हर दिन देश के भीतर लोगों के स्वाभिमान की चुपचाप हत्या कर रही हैं। यह एक विचित्र युग है जहां हत्या करने वाला पहले यह पूछता है कि तुम किस धर्म के हो, फिर हथियार उठाता है। आंकड़ों पर नजर डालें तो वर्ष 2024 में भारत में सांप्रदायिक दंगों में 84 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष भर में 59 सांप्रदायिक घटनाएं हुई, जिनमें 13 निर्दोष नागरिकों ने अपनी जान गंवाई। इनमें से अधिकांश घटनाएं धार्मिक त्योहारों या जुलूसों के दौरान उभरीं, जब भीड़ ने धर्म के नाम पर उन्माद का प्रदर्शन किया। इन दंगों के मुख्य केंद्र महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्य रहे, जहां बार-बार धार्मिक भावनाओं को उकसाकर जनता के बीच नफरत बोई गई। भीड़ द्वारा हत्या के मामले भी चिंता का विषय बने हुए हैं। 2024 में भीड़ हिंसा के 13 मामले सामने आए, जिनमें 11 लोगों की मौत हो गई थी। इन हत्याओं में बहुलांश मुसलमान समुदाय से थे। गौहत्या के आरोप, अंतरधार्मिक विवाह के संदेह या धार्मिक प्रतीकों के आधार पर लोगों को पीट-पीट कर मार दिया गया। यह न केवल मानवता का अपमान है, बल्कि संविधान की आत्मा पर सीधा हमला है। लेकिन यह सिलसिला यहीं थमता नहीं है। धर्म के अलावा भी अनेक ऐसी सामाजिक बुराइयां हैं जो प्रतिदिन लाखों लोगों के जीवन को यातना बना रही हैं। जातिगत भेदभाव आज भी भारतीय समाज के लिए कलंक बना हुआ है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार 2022 में अनुसूचित जातियों के खिलाफ अपराधों में 35 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई थी और 2024-25 में भी यह प्रवृत्ति कम होने का नाम नहीं ले रही है। हर दिन औसतन 158 मामले दलित उत्पीडन् के दर्ज किए जाते हैं। अपमान, सार्वजनिक रूप से बेइज्जती, सामाजिक बहिष्कार, शारीरिक हमले और भूमि विवादों में भेदभाव जैसी घटनाएं उन नागरिकों के जीवन को जहरीला बना रही हैं जिन्हें भारतीय संविधान ने बराबरी का दर्जा देने का वादा किया था। सिर्फ जाति नहीं, आर्थिक असमानता भी लगातार बढ़ती जा रही है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी के ताजातरीन आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2025 में भारत की बेरोजगारी दर 8.1 फीसदी रही। यह आंकड़ा महज एक प्रतिशत नहीं, बल्कि लाखों युवाओं के टूटे हुए सपनों का संकेत है। शिक्षित युवा बड़ी उम्मीदों के साथ डिग्रियां लेकर निकलते हैं, लेकिन उन्हें स्थायी नौकरियां नहीं मिलतीं। स्वरोजगार का प्रोत्साहन एक आकर्षक नारा बनकर रह गया है, जबकि धरातल पर रोजगार की अनुपलब्धता युवाओं में हताशा फैला रही है। बेरोजगारी न केवल आर्थिक त्रासदी है बल्कि मानसिक तनाव और सामाजिक अस्थिरता को भी जन्म देती है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों में भी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 11 फीसदी वृद्धि हुई थी और यह सिलसिला 2024-25 में भी बरकरार है। बलात्कार, घरेलू हिंसा, दहेज हत्याएं, ऑनर किलिंग जैसे अपराध समाज की बर्बर मानसिकता को उजागर करते हैं। बाल विवाह, महिला भ्रूण हत्या और कार्यस्थलों पर यौन शोषण के मामले भी बड़े पैमाने पर सामने आते हैं। एक ऐसा देश जो नारीशक्ति की पूजा के आदर्शों पर गर्व करता है, वहां महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा की वास्तविक स्थिति बेहद निराशाजनक है।

युद्ध में आर्थिकी भी प्रभावी हथियार

भारत में आत्मनिर्भरता की नीति और वोकल फॉर लोकल मंत्र को बढ़ाना होगा। इससे स्थानीय और घरेलू बाजार तेजी से आगे बढ़ेंगे। जीएसटी में सरलता, निवेश के लिए अधिक अनुकूल माहौल, कुशल बुनियादी संरचना, लॉजिस्टिक लागत में कमी, गतिशक्ति योजना का तेज क्रियान्वयन, व्यवसाय करने की प्रक्रिया की सरलता जैसे रणनीतिक कदमों से भारत के घरेलू बाजार की चमक बढ़ाई जा सकेगी। अब टैरिफ संरक्षण की बजाय वैश्विक प्रतिस्पर्धा, अनुसंधान व विकास (आरएंडडी) पर भी ध्यान दिया जाना होगा। कृषि तथा श्रम सहित अन्य सुधारों के क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा।

इन दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के द्वारा पाकिस्तान को सिखाए जाने वाले सबक के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर जो रिपोर्ट्स प्रकाशित हो रही हैं, उनमें कहा जा रहा है कि भारत सैन्य ताकत की दृष्टि से पाकिस्तान से मजबूत है और पाकिस्तान पर सैनिक कार्रवाई में कोई दिक्कत नहीं है। भारत के पास दुनिया का कूटनीतिक समर्थन है और इन सबके साथ-साथ भारत की आर्थिकी दमदार और मजबूत है। इन आधारों पर भारत पाकिस्तान से सभी प्रकार के युद्ध में विजेता बनते हुए दिखाई दे सकेगा। वस्तुतः इस समय जहां पूरा देश पाकिस्तान के साथ युद्ध सहित सभी विकल्पों से मुकाबले के लिए सरकार के साथ एकजुट खड़ा है, वहीं देश की मजबूत घरेलू आर्थिकी भी भारत के लिए एक प्रभावी हथियार दिखाई दे रही है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के अधिकांश देशों की तुलना में भारत का शेयर बाजार तेजी से बढने् की प्रवृत्ति दिखा रहा है। 30 अप्रैल को भारत का सेंसेक्स 80242 अंकों की ऊंचाई पर दिखाई दिया है। साथ ही डॉलर की तुलना में रुपया मजबूत हुआ है। माह अप्रैल 2025 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का संग्रह 2.09 लाख करोड रुपए स्तर पर पहुंच गया, जो किसी महीने अभी तक का सर्वाधिक रिकॉर्ड राजस्व है।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सैन फ्रांसिस्को में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत बनाई जा रही है और सरकारी ऋ्रण के बेहतर प्रबंधन से भारत का राजकोषीय घाटा भी नियंत्रित है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक का मानना है कि भारत चुनौतियों के बीच नई संभावनाओं वाला देश है और भारत वैश्विक व्यापार को बढ़ाने वाला इंजन बन सकता है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत ट्रंप टैरिफ और वैश्विक व्यापार युद्ध के दौर में नीतिगत चुस्ती और दीर्घकालिन नजरिए से वैश्विक व्यापार चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी स्थिति मजबूत है। निवेशकों का विश्वास बना हुआ है। अर्थव्यवस्था व्यापक आर्थिक विवेक से प्रबंधित की जा रही है। उद्यमियों को नीतिगत स्थिरता, प्रशासन, नवाचार एवं वृहद आर्थिक नीति उपलब्ध कराई जा रही है। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास संगठन (अंकटाड) के द्वारा जारी ट्रेड एंड डेवलपमेंट रिपोर्ट 2025 में कहा गया है कि वैश्विक मंदी की आशंका और बढ़ते व्यापार तनावों के बीच भी घटती ब्याज दर, घटती महंगाई और घरेलू अर्थव्यवस्था के दम पर भारत की अर्थव्यवस्था 6.5 फीसदी की दर से बढ़ते हुए दुनिया की सबसे तेजी से बढने् वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में यद्यपि दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता और व्यापार नीति में बदलाव के कारण विकास दर घटकर सिर्फ 2.3 फीसदी रह सकती है। पूरे दक्षिण एशिया में विकास दर 5.6 फीसदी रहने की संभावना है। कुछ देश जैसे पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका भारी कर्ज और महंगे खाद्य पदार्थों के चलते दबाव में रह सकते हैं, लेकिन टैरिफ चुनौतियों के बीच भी भारत में आर्थिक वृद्धि जारी रहेगी, क्योंकि सरकार सार्वजनिक खर्च को बढ़ा रही है और रिजर्व बैंक ने ब्याज दर में कटौती की है। इससे न केवल घरेलू खपत को सहारा मिलेगा, बल्कि निजी निवेश में भी उछाल आने की उम्मीद है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पाकिस्तान से युद्ध के माहौल, टैरिफ की चुनौतियों और अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के बीच भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था भारत की शक्ति बन गई है। भारत अपने मजबूत स्थानीय और घरेलू बाजार से किसी भी आर्थिक झटके का सामना करते हुए आगे बढने् की संभावना रखता है। इस समय छह महत्वपूर्ण आधार भारत की घरेलू आर्थिकी को मजबूती देते हुए दिखाई दे रहे हैं। इनमें घटती महंगाई, घटती ब्याज दर, अच्छा मानसून, बढ़ता शेयर बाजार, मध्यम वर्ग की बढ़ती क्रयशक्ति और ट्रंप के टैरिफ से मुकाबला करने की भारत की कूटनीतिक रणनीति शामिल है।

स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) महंगाई और ब्याज दर में संतुलन बनाए रखने की नीति पर लगातार आगे बढ़ रहा है। 9 अप्रैल को आरबीआई ने रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती करते हुए इसे 6 फीसदी कर दिया है। साथ ही अब रिजर्व बैंक की आगामी बैठक में ब्याज दरों में अधिक कटौती की उम्मीदें मजबूत हो गई है। अब तक ब्याज दरें अधिक होने से उपभोक्ता कर्ज लेने से पीछे हट रहे थे और कर्ज की अधिक लागत से उद्यमी भी विस्तार की योजनाओं के लिए तत्परता नहीं दिखा रहे थे। ऐसे में नए फैसलों से लोगों की क्रयशक्ति और खपत बढने् से विकास दर को गति दी जा सकेगी। निम्संदेह देश में आर्थिक गतिविधियों में तेजी के जोरदार संकेत विकास दर को बढ़ाने वाले सकारात्मक संदेश हैं। भारत का शेयर बाजार दूसरे देशों की तुलना में बढने् की प्रवृत्ति दिखा रहा है। रुपया मजबूत हो रहा है। निर्यात बढ़ रहे हैं। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट है। सरकार के पूंजीगत खर्च बढने् से भी अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है। देश के कोने-कोने में घरेलू बाजार को मेक इन इंडिया अभियान से शक्ति मिल रही है। लंबे समय तक दूसरे देशों से बड़ी संख्या में आयातित कई औद्योगिक उत्पाद देश में ही बनाए जा रहे हैं। लगातार स्थानीय उत्पादों के उपयोग और स्थानीय श्रम को अच्छे मूल्य पर जोर दिए जाने जैसे अभियान से शहरों से गांवों तक स्वदेशी सामान की खरीदी में जोरदार उछाल आया है। चीन से त्योहारी उत्पादों के आयात में कमी के साथ-साथ खिलौनों जैसी वस्तुओं के आयात में भी सराहनीय कमी आई है। इस समय देश के मध्यम वर्ग की बढ़ती क्रयशक्ति भी आर्थिकी के लिए अहम है। मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 के बजट के माध्यम से टैक्स में कटौती और वित्तीय प्रोत्साहनों से मध्यम वर्ग की क्रयशक्ति बढ़ाकर मांग में वृद्धि करके अर्थव्यवस्था को गतिशील करने के अभूतपूर्व प्रावधान किए गए हैं। इन सबके साथ-साथ एक और महत्वपूर्ण आधार भारत की आर्थिकी को नई शक्ति देने वाला है। भारत ट्रंप के टैरिफ की चुनौती के मुकाबले के लिए आर्थिक कूटनीति के साथ आगे बढ़ा है। निःसंदेह भारत दमदार आर्थिकी तैयार करते हुए आगे बढ़ रहा है। ऐसे में सरकार के द्वारा घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए कुछ और बातों पर ध्यान दिया जाना लाभप्रद होगा। **:: एजेंसी**

पाकिस्तान के साथ निर्णायक युद्ध की घड़ी

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने पहलगाम पर पाकिस्तान द्वारा किए गए परोक्ष आक्रमण करते हुए कहा कि यह झगड़ा एक हजार साल से चला हुआ है। दोनों पक्षों को इसे सुलझाना चाहिए। बहुत से लोगों ने इसके लिए ट्रंप पर विपरीत टिप्पणियां कीं। लेकिन लगता है ट्रंप ने जाने-अनजाने में इतिहास के एक बहुत बड़े तथ्य की ओर संकेत किया है। पाकिस्तान भारत के पश्चिमोत्तर का हिस्सा है। सन् 712 में हिंदुस्तान पर अरबों का पहला हमला इसी क्षेत्र के सिंध प्रदेश पर हुआ था। सरल शब्दों में कहना हो तो आज के कराची शहर पर हुआ था। आज 2025 तक आते-आते उस हमले को हुए लगभग 1300 साल हो गए हैं। उसके बाद इस क्षेत्र में कभी शांति नहीं हो सकी। सन् 1000 के आसपास तुर्कों ने इसी सप्त सिंधु क्षेत्र पर हमले करके इसे इस्लाम के घेरे में लाना शुरू किया था। पांच सौ साल तक यह दुखांत अबाध रूप से चलता रहा। लेकिन इन पांच सौ साल में हिंदुस्तान के पश्चिमोत्तर की बहुत सी जनसंख्या को डरा धमका कर या लालच से इस्लाम पंथ या शिया पंथ में मतांतरित कर दिया गया। संघर्ष और विरोध भी होता रहा। सन् 1500 के आसपास मुगलों ने हल्ला बोल दिया। उनके काल में तो 'इस्लाम में आ जाओ या फिर मरने की तैयारी करो' का माहौल बनने लगा। लेकिन विरोध भी उतना ही तीखा होने लगा। गुरु नानक देव जी से लेकर गुरु गोबिंद सिंह जी तक की दशगुरु परंपरा इसी काल में शुरू हुई थी। लेकिन अब तक भारत का बहुत बड़ा हिस्सा मसलन बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनखवा, सिंध प्रदेश और पंजाब का बहुत बड़ा हिस्सा इस्लाम पंथ को ग्रहण कर चुका था।

अठारहवीं सदी में भारत पर अंग्रेजों का कब्जा हो गया। वे बीसवीं शताब्दी के मध्य में देश से तो चले गए, लेकिन जाने से पहले पश्चिमोत्तर भारत या सप्त सिंधु क्षेत्र के उस हिस्से को जो पिछले हजार साल में इस्लाम की चपेट में आ चुका था, पाकिस्तान नाम देकर भारत से अलग कर गए। उसके बाद अरबों, तुर्कों या मुगलों को हिंदुस्तान पर हमला करने की जरूरत नहीं पड़ी या फिर उनमें अब उतनी हिम्मत नहीं रही थी, लेकिन उनका यह काम भारत के ही उस हिस्से ने संभाल लिया जिसे अंग्रेज इस्लाम के आधार पर अलग करके गए थे। उसके बाद पाकिस्तान द्वारा 1947-48, 1965, 1971 में किए गए हमलों और उसके बाद कारगिल युद्ध को देखा जा सकता है। कारगिल के बाद तो अब तक आतंकवाद के रूप में यह युद्ध निरंतर चल रहा है। ट्रंप ने सही कहा है कि यह लड़ाई हजार-पंद्रह सौ साल से चली हुई है। अंतर केवल इतना ही है कि पहले हमले अरब, तुर्क या मुगल करते थे, लेकिन अब उनमें भारत पर हमले करने की हिम्मत तो नहीं बची है या फिर उन्हें शायद इसकी जरूरत भी नहीं है। अलबत्ता अब अपने ही वे लोग जिन्होंने इस कालखंड में इस्लाम ग्रहण कर लिया था, जब भारत पर हमला करते हैं तो तुर्क उनकी मदद पर आ जाते हैं। तुर्की इस समय यही कर रहा है। लेकिन अब मुख्य प्रश्न यही है कि क्या पंद्रह सौ साल से चली आ रही इस लड़ाई को खत्म करने का वक्त आ गया है? यह सवाल इसलिए भी जोर पकड़ रहा है क्योंकि इस समय देश में प्रधानमंत्री के पद पर नरेंद्र मोदी हैं और देश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। भारतीय जनता पार्टी अपने जनसंघ काल से ही इस लंबी लड़ाई को निर्णायक रूप से खत्म करने के पक्ष में रही है। कुछ तथाकथित विद्वान इसकी व्याख्या यह कह कर करते हैं कि भारतीय जनता पार्टी इस्लाम पंथ और शिया पंथ के खिलाफ है। भाजपा किसी के खिलाफ नहीं है, वह भारत के पक्ष में है। भाजपा यह मानती है कि इस देश में भगवान की पूजा के हजारों तरीके हैं, उनमें नमाज पढ़ कर ईश्वर की आराधना भी एक है। इसी प्रकार ईश्वर के नाम भी अनेक हैं, उनमें से अल्लाह भी एक है। इसलिए विरोध का तो प्रश्न ही नहीं है। अलबत्ता भगवान की पूजा करने के जितने तरीके हैं, उन सभी के आधार पर देश के उतने टुकड़े नहीं किए जा सकते। पाकिस्तान नाम का टुकड़ा इसी आधार पर देश से अलग किया गया था। यह आधार ही गलत था। भाजपा मानती है कि यह घृणित कार्य साम्राज्यवादी यूरोपीय ताकतों ने किया था, जिन्हें भारत को कमजोर रखने के लिए इसकी जरूरत थी। पाकिस्तान के एक मंत्री ने तो सार्वजनिक रूप से यह मान ही लिया है कि हम पिछले चालीस साल से ब्रिटेन-अमेरिका के कहने से भारत के खिलाफ यह गंदा काम कर रहे हैं। पाकिस्तान के इन गंदे कामों के कारण ही भारत में यह मांग उठ रही है कि हजार-पंद्रह सौ साल से चले आ रहे इस युद्ध को समाप्त करने का सही समय आ गया है। इतिहास में ऐसे क्षण आते हैं। पाकिस्तान में भी बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनखवा, सिंध प्रदेश से यह मांग उठ रही है। यह सब इलाके पाकिस्तान में नहीं बने रहना चाहते। लेकिन भारत के अंदर इस संभावित निर्णायक युद्ध के समय क्या स्थिति है, इस पर चर्चा करने से पहले मुझे बाबा साहिब अंबेडकर का संविधान सभा की अंतिम बैठक में दिया गया ऐतिहासिक भाषण याद आ रहा है।

यदि राजनीतिक दलों ने देश से ऊपर पंथ रखा, तो हमारी स्वतंत्रता को दूसरी बार संकट में डाल दिया जाएगा और संभवत- यह हमेशा के लिए खो जाएगी। इस परिस्थिति में हम सभी को दृढ़ता से हमारे रक्त की आखिरी बूंद के साथ हमारी स्वतंत्रता की रक्षा करनी चाहिए।' बाबा साहिब इसको लेकर चिंतित थे। उनकी चिंता जायज थी। आज इस निर्णायक घड़ी में देश की सबसे पुरानी पार्टी, जिसने 1947 में पाकिस्तान बनने से पहले की अपनी कार्यकारिणी की अंतिम बैठक में भारत के विभाजन और पाकिस्तान के निर्माण के पक्ष में प्रस्ताव पारित किया था।

बाबा साहिब ने कहा था, 'मुहम्मद बिन कासिम द्वारा सिंध पर चढ़ाई के समय राजा दाहिर सेन के सैन्य कमांडरों ने मुहम्मद बिन कासिम के एजेंटों से रिश्वत ले ली और अपने स्वयं के राजा के पक्ष में लडने् से मना कर दिया। वह जयचंद ही था जिसने भारत पर आक्रमण करने और पृथ्वीराज चौहान से लडने् के लिए मुहम्मद गौरी को भारत में आमंत्रित किया और उससे स्वयं सोलंकी राजाओं के साथ उसकी सहायता करने का वादा किया। जब शिवाजी हिंदुओं की मुक्ति के लिए लड़ रहे थे, तो कई अन्य मराठा राजवंश और राजपूत राजा मुगल सम्राटों के साथ मिलकर उनके खिलाफ लड़ाई लड़ रहे थे। ङ्क क्या इतिहास स्वयं को दोहराएगा? यह ऐसा विचार है जो मुझे चिंतित करता है। यह चिंता इस तथ्य के बोध से और अधिक गहरी हो जाती है कि 'जाति' और 'पंथ' के रूप में हमारे पुराने शत्रुओं के अतिरिक्त, अब हमारा साथ बहुत से राजनीतिक दलों व उनके विविध एवं विरोधी राजनीतिक पंथों के साथ भी जुडने् जा रहा है। क्या भारतीय अपने देश को अपने पंथ से ऊपर रखेंगे या वे देश के ऊपर पंथ स्थापित करेंगे? मुझे नहीं पता। **:: एजेंसी**

जानलेवा परीक्षा

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारी युवा प्रतिभाएं आसमानी उम्मीदों, टॉपर संस्कृति के दबाव व तंत्र की विसंगतियों के चलते आत्मघात की शिकार हो रही हैं। हाल ही में तीन छात्रों की दुखद मौतें विचलित करने वाली हैं। इनमें राजस्थान स्थित कोटा के नीट के परीक्षार्थी और मोहाली स्थित निजी विश्वविद्यालय में फोरेंसिक साइंस का एक छात्र शामिल था। नीट परीक्षा से पूर्व छात्रों का मौत को गले लगाना हमारी घातक संजाल बन जाते हैं। निश्चित रूप से युवाओं के लिये घातक साबित हो रही टॉपर्स संस्कृति में बदलाव लाने के लिए नीतिगत फैसलों की सख्त जरूरत है। राजस्थान सरकार की ओर से प्रस्तावित कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक इस दिशा में बदलावकारी साबित हो सकता है। लेकिन कोई भी प्रावधान तब तक कारगर साबित नहीं हो सकते जब तक कि कोचिंग संस्थानों की

घातक प्रणालीगत विफलता को ही उजागर करता है। विडंबना ये है कि परीक्षाओं के इस जोखिम को हम नजरअंदाज करते हैं। जो बताता है कि ये प्रतिभाएं किस हद तक शैक्षणिक दबाव, मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी तथा अवास्तविक अपेक्षाओं के मिलने से बनी जानलेवा घातकता का शिकार हो रही हैं। यह दुखद ही है कि सुनहरे सपने पूरा करने का ख्वाब लेकर कोटा गए चौदह छात्रों ने इस साल आत्महत्याएं की हैं।

विडंबना यह है कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद कोचिंग संस्थानों के संरचनात्मक दबाव, उच्च दांव वाली परीक्षाओं, गलाकाट स्पर्धा, दोषपूर्ण कोचिंग प्रथाएं और सफलता की गारंटी के दावों का सिलसिला थमा नहीं है। यही वजह है कि हाल ही में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कई कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं के चलते नोटिस दिए हैं। दरअसल, कई कोचिंग संस्थान जमीनी हकीकत के विपरीत शीर्ष रैंक दिलाने और चयन की गारंटी देने के थोथे वायदे करते रहते हैं। निस्संदेह, इस तरह के खोखले दावे अक्सर कमजोर छात्रों और चिंतित अभिभावकों के लिये एक कारगुजारियों की नियमित निगरानी न की जाए। कोचिंग संस्थानों में नामांकन से पहले अनिवार्य परामर्श और योग्यता परीक्षण मददगार हो सकता है। यह विडंबना ही है कि वर्ष 2018 के दिशा-निर्देश, जिनका मकसद छात्रों को मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना और निजी संस्थानों को विनियमित करना था, वे आज अप्रासंगिक हो गए हैं। यह एक हकीकत है कि सख्त निगरानी के बिना नये कानून का भी प्रतीकात्मक बनने का जोखिम बना रहता है। युवाओं को अनावश्यक प्रतिस्पर्धा के लिये बाध्य करना और योग्यता को अंकों के जरिये रैंकिंग से जोड़ना कालांतर अन्य छात्रों को निराशा के भंवर में फंसा देता है। वास्तव में सरकार को ऐसा पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करना चाहिए, जो विभिन्न क्षेत्रों में रुचि रखने वाले युवाओं के लिये पर्याप्त संख्या में रोजगार के अवसर पैदा कर सके। वास्तव में हमें युवाओं को मानसिक रूप से सबल बनाने की सख्त जरूरत है। प्रतिभागियों को बताया जाना चाहिए कि कोई भी परीक्षा जीवन से बड़ी नहीं होती। यदि वे एक परीक्षा या पाठ्यक्रम में सफल नहीं होते तो रोजगार के असंख्य विकल्प उनका इंतजार कर रहे होते हैं।

कांग्रेस अपने इस नेता को क्यों शक की नज़र से देखती है

क्या कांग्रेस के दिग्गज नेता शशि थरूर अपनी पार्टी से नाराज चल रहे हैं। यह सवाल इस लिये उठ रहा है क्योंकि थरूर कई बार पार्टी की लाइन से हटकर बयान दे रहे हैं।

कांग्रेस में जब अध्यक्ष पद के लिये चुनाव हुआ थो तो भी शशि थरूर ने गांधी परिवार की नाराजगी की चिंता किये बिना कांग्रेस अध्यक्ष पद के दावेदार मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ चुनाव मैदान में ताल ठोकी थी,यह बात गांधी परिवार को काफी बुरी थी लगी थी,इसी लिये कांग्रेस में थरूर को अब शक की नजर से देखा जाता है। खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनके रिश्ते कुछ ज्यादा ही मिठास भरे नजर आ रहे हैं। जब भी दोनों नेता कहीं मिलते हैं या लोकसभा में आमना-सामना होता है भी अक्सर प्रधानमंत्री मोदी इस दिग्गज कांग्रेस नेता को सम्बोधित करते नजर आते हैं। ऐसा ही कुछ केरल के विझिंजम अंतरराष्टीय बंदरगाह के उद्घाटन के दौरान देखने को मिला जब जब सांसद शशि थरूर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ही मंच पर दिखाई दिए। दोनों ने एक-दूसरे गरम जोशी से स्वागत किया। इस दृश्य ने न केवल स्थानीय राजनीति को बल्कि राष्टीय स्तर पर कांग्रेस की नींदें उ?ा दीं। एक ओर प्रधानमंत्री मोदी का व्यंग्यात्मक अंदा?, दूसरी ओर थरूर की सहज आत्मीयता, इस पूरे प्रसंग को सामान्य शिष्टाचार से कहीं ?यादा ब?ा राजनीतिक संकेत बना गई। गौरतलब हो शशि थरूर कोई साधारण सांसद नहीं हैं। अंतरराष्टीय अनुभव, संयुक्त राष्ट में लंबी सेवा, शानदार वक्तृत्व कला और साहित्यिक पृष्ठभूमि उन्हें एक ऐसा राजनेता बनाती है जो भीड़ में अलग दिखते हैं। लेकिन कांग्रेस पार्टी के भीतर उनका व्यक्तित्व अक्सर असहजता पैदा करता रहा है। उनके स्पष्ट विचार, खुले मंचों पर सरकार की तारीफ और खुद को पार्टी लाइन से ऊपर रखने की प्रवृत्ति उन्हें अक्सर 'अपनों' के बीच ही अजनबी बना देती है। विझिंजम पोर्ट कार्यक्रम में उनकी मौजूदगी तो एक सांसद की भूमिका के तहत थी, लेकिन जिस तरह उन्होंने प्रधानमंत्री से गर्मजोशी से हाथ मिलाया, तस्वीरें साझा कीं और फिर सोशल मीडिया पर गर्व के साथ लिखा कि उन्हें इस परियोजना से शुरू से जुड़ने का सौभाग्य मिला है यह सब कुछ कांग्रेस को चुभने के लिए काफी था। राजनीति में जो चीजें नजर आती हैं, वे उतनी महत्वपूर्ण नहीं होतीं, जितनी कि उनके पीछे छिपे संदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कला के उस्ताद हैं। मंच से उन्होंने व्यंग्य के लहजे में कहा कि यह आयोजन कई लोगों की नींद हराम कर देगा। उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके संकेत स्पष्ट थे।

2024 के लोकसभा चुनाव में तिरुवनंतपुरम से थरूर की जीत ने भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी। उन्होंने केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर को हराया और भाजपा ने हार के बावजूद चंद्रशेखर को केरल का नेतृत्व सौंपा। इससे यह साफ है कि भाजपा थरूर को एक गंभीर प्रतिद्वंद्वी मानती है और उन्हें अपने पक्ष में करने की हर संभावित रणनीति पर काम कर रही है।

राहुल गांधी, जो अक्सर प्रधानमंत्री की विदेश नीति और नेतृत्व शैली की कटु आलोचना करते हैं, वहीं उनके ही पार्टी सहयोगी थरूर मंच पर खड़े होकर इस ऐतिहासिक क्षण में प्रधानमंत्री का समर्थन करते दिखे। यह विरोधाभास कांग्रेस के लिए एक सियासी संकट बनता जा रहा है। शशि थरूर की प्रधानमंत्री मोदी के साथ बढ़ती सार्वजनिक नजदीकियों की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी वे रूस-यूक्रेन युद्ध के मसले पर भारत की नीति की सराहना कर चुके हैं। थरूर ने स्वीकार किया था कि उन्होंने पहले इस नीति की आलोचना की थी लेकिन बाद में यह मानना पड़ा कि मोदी सरकार ने कूटनीतिक संतुलन बेहतरीन तरीके से साधा। उन्होंने यहां तक कहा कि जब प्रधानमंत्री ने दो सप्ताह के भीतर रूस और यूक्रेन दोनों के राष्ट्रपतियों से मुलाकात की और दोनों ने भारत को सम्मान दिया, तो वह क्षण गर्व का था। यह बयान कांग्रेस की आधिकारिक विदेश नीति आलोचना के बिल्कुल विपरीत था। भाजपा को थरूर के इस बदले रुख में संभावनाएं दिख रही हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता और आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने तंज कसा कि प्रधानमंत्री को अब नए आलोचकों की जरूरत है क्योंकि पुराने अब उनके प्रशंसक बनते जा रहे हैं। एक ओर भाजपा नेता बैजयंत जय पांडा ने शशि थरूर के साथ तस्वीर साझा करते हुए लिखा था कि वे और थरूर अब एक ही दिशा में यात्रा कर रहे हैं। शशि थरूर ने इस पर हल्के-फुल्के अंदाज में प्रतिक्रिया दी लेकिन यह संकेत कई लोगों के लिए बहुत गंभीर था। थरूर की यह छवि कांग्रेस के भीतर लगातार चर्चा का विषय रही है। पार्टी के वरिष्ठ नेता भले सार्वजनिक रूप से कुछ न कहें, लेकिन निजी तौर पर यह चिंता जरूर जताई जाती रही है कि थरूर अपनी स्वतंत्र सोच को पार्टी लाइन से ऊपर रख रहे हैं। जब हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद खुफिया तंत्र की आलोचना हो रही थी, तब थरूर ने कहा कि किसी देश की खुफिया एजेंसी सौ फीसदी प्रभावी नहीं हो सकती और उन्होंने इजरायल का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी चूक होती है। **:: चर्चित डेस्क**

आज का राशिफल

मेषः- जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है। नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का एहसास होगा। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

वृषभः- शासन-सत्ता से जुड़े लोगों के साथ निकटता बढ़ेगी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य पूर्ण होने के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।

मिथुनः- संबंधों में व्यवहार कुशल बने। सामाजिक एवं मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागेदारी संभव। निकट संबंधों में अपनी अच्छी छवि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता से उत्साहित होंगे।

कर्कः- विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होंगी। नवीन आशाएं नये उत्साह का संचार करेंगी। कार्यक्षेत्र में संबंधों का भरपूर लाभ उठाएंगे।

सिंहः- अंतर्मुखी स्वभाव को त्याग बाह्यमुखी बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली रहेगी।

कन्याः- पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे। शिक्षा में समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन नकारात्मक चिंताओं से बोझिल होगा।

तुलाः- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। पारिवारिक वातावरण में उत्साह का माहौल रहेगा। दुविधाओं का त्याग कर लक्ष्य पर केंद्रित हों।

वृश्चिकः- कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कार्यो में व्यस्तता बढ़ेगी। परिजनों के भावनात्मक सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आसपास का माहौल प्रसन्न होगा।

धनुः- कठिन एवं विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे। सामाजिक सक्रियता से मान-प्रतिष्ठा में बढ़ेगी। घरेलू दायित्वों की पूर्ति होगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

मकरः- कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। निकट संबंधों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। गैर सांस्कारिक कार्यो की आकर्षित मन पर अंकुश लगायें।

कुम्भः- कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत् क्षेत्रों में संघर्ष संभव परंतु निराशावादी विचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ऊर्जा की अनुभूति होगी। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

मीनः- नकारात्मक चिंताओं को त्याग अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी-पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा।

राशि रत्न

मृदा नमूना एकत्रीकरण अभियान शुरू

मृदा परीक्षण द्वारा हम खेत की मिट्टी में पोषक तत्वों की स्थिति जान सकते हैं : डीएम

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये नेशनल प्रोजेक्ट ऑन सॉयल हेल्थ एण्ड फर्टीलिटी कार्यक्रम के अन्तर्गत आज मृदा नमूना एकत्रीकरण अभियान चलाया गया। जिसके क्रम में विकासखण्ड बावन के ग्राम भिठारी में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह द्वारा कृषक अखिलेश कुमार के खेत से मृदा नमूना एकत्र किया गया एवं प्रबन्ध निदेशक, बीज विकास निगम, लखनऊ डॉ. पंकज त्रिपाठी द्वारा कृषक वीरेश कुमार के खेत से मृदा नमूना एकत्र किया गया। मौके पर उपस्थित कृषकों को सम्बोधित करते हुये जिलाधिकारी ने मृदा स्वास्थ्य के बारे में अवगत कराया कि जिस प्रकार हम अपने शरीर की जांच कराकर विटामिन्स व मिनरल्स की कमी की जानकारी प्राप्त करते हैं, उसी प्रकार मृदा परीक्षण द्वारा हम खेत की मिट्टी में पोषक तत्वों की स्थिति जान सकते हैं तथा उसी आधार पर संतुलित उर्वरक प्रयोग कर कृषक अपनी फसल की उपज व गुणवत्ता को बढ़ा सकते हैं।

प्रबन्ध निदेशक, बीज विकास निगम, लखनऊ डॉ. पंकज त्रिपाठी द्वारा कृषकों को बताया कि पौधों के लिये 16 तत्वों की आवश्यकता होती है मिट्टी की जांच के आधार पर यह पता लगा सकते हैं कि खेत में किस तत्व की कमी है और इससे किसान संतुलित मात्रा में खाद और उर्वरकों का उपयोग कर सकते हैं। यह फसल उत्पादन बढ़ाने और लागत कम करने में मदद करेगा। उप कृषि निदेशक सतीश कुमार पाण्डेय ने बताया कि नेशनल प्रोजेक्ट ऑन सॉयल हेल्थ एण्ड फर्टीलिटी कार्यक्रम वर्ष 2025-26 के लिए मृदा नमूना एकत्रीकरण विशेष अभियान के तहत चतुर्थ चरण में आज जनपद हरदोई के समस्त 19 विकास खण्डों से चयनित 14-14 ग्राम पंचायतों कुल 266 ग्राम पंचायतों से नमूना संकलन का कार्य किया गया। ग्राम पंचायतों में कृषकों के खेत पर जाकर कृषि विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा नमूना ग्रहण किया जायेगा। मृदा स्वास्थ्य को बनाये रखने हेतु किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड निःशुल्क उपलब्ध कराया जायेगा। कार्ड के अनुसार अपनी आगामी फसल उत्पादन में संतुलित कृषि निवेशों का प्रयोग करेगें। उक्त मौके पर जिला कृषि अधिकारी डॉ. सतीश चन्द्र पाठक, जिला कृषि रक्षा अधिकारी विनीत कुमार, वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप-ए श्री प्रभात बाबू वर्मा, प्रभारी राजकीय कृषि बीज भण्डार अनुराग कुमार सिंह, सलाहाकार एनएफएसएम प्रेमचन्द्र कुशवाहा एवं अन्य कृषि विभाग के कर्मचारी एवं कृषक उपस्थित रहे। मृदा नमूना एकत्रीकरण अभियान के अन्तर्गत उप कृषि निदेशक (कृषि रक्षा) लखनऊ मण्डल, संजय त्रिपाठी ने विकासखण्ड बावन के ग्राम मुजाहिदपुर में कृषक सुनील कुमार सिंह के खेत से मृदा नमूना एकत्र कर कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड के लाभ के बारे में जानकारी दी। भूमि संरक्षण अधिकारी, द्वितीय, हरदोई श्रीमती निधि राठौर द्वारा विकासखण्ड हरियांवा के ग्राम दौलतपुर में कृषक पुरुषोत्तम के खेत से मृदा नमूना एकत्र किया गया। अभियान के दौरान कृषि विभाग के कर्मचारी, सम्बन्धित ग्रामों के ग्राम प्रधान एवं कृषक उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई सीएम डैशबोर्ड की बैठक : विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड की प्रगति की समीक्षा बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि सूचनाओं को ससमय विभागीय पोर्टल पर फीड कराया जाये। निर्माण परियोजनाओं में समय व गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाये। यूपीसिडको को कार्य की धीमी प्रगति पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जतायी।

दुग्ध विभाग द्वारा लक्ष्य के अनुरूप समितियों का गठन न होने पर उन्होंने नाराजगी जतायी। ट्रांजिट हॉस्टल में डिफाल्टर ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई कर कार्य के पुनः आरम्भ होने की धीमी प्रक्रिया पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए शासन को रिपोर्ट प्रेषित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जनपद में यूपीपीसीएल द्वारा विभिन्न कार्यों में समय व गुणवत्ता का ध्यान न रखने पर नाराजगी जताई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी, अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेसियों ने शौचालय की सफाई कर मोदी के सफाई अभियान को दिखाया आईना

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। जिला व शहर कांग्रेस कमेटी हरदोई द्वारा जिला कलेक्ट्रेट स्थित पेशाब घर में गंदगी होने के कारण उसकी सफाई की गई।

लोगो को सफाई के प्रति जागरूक किया गया ,साथ ही कहा गया कि गंदे पेशाब घर प्रयोग करने से कई संक्रमणीय बीमारियां होती हैं। जिला अध्यक्ष विक्रम पांडे ने कहा कि जिला कचहरी में रोज लगभग दस हजार से अधिक लोग आते हैं लेकिन यहां पर पीने योग्य पानी नहीं है और ना ही कोई ढंग का साफ मूत्रालय है यह बहुत ही दुखद व निंदनीय है। कलेक्ट्रेट में प्रसाधन केंद्र हैं जो गंदे पड़े हैं। प्रदेश सचिव महिला कांग्रेस मंजू लता मित्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जो उनके लोकल के मुद्दे हैं उन पर वह बोलने से कतराते हैं और ना ही उन पर जमीन पर उतरकर कोई कार्य करते हैं। प्रवक्ता अमलेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि साफ सफाई मनुष्य जीवन का बहुत महत्वपूर्ण अंग है वहीं सरकार अरबों और करोड़ों रुपए सिर्फ और सिर्फ स्वच्छ भारत नामक विज्ञापन पर खर्च कर दिए लेकिन जमीनी स्तर पर धरातल पर शून्य है। हरदोई में महापुरुषों की चित्र लगे हैं वहां भी साफ सफाई नहीं है और चाहे प्रसाधन केंद्र हो सब के सब गंदे पड़े हैं जो कि दुखद और निंदनीय है। जिला उपाध्यक्ष भुट्टो मियां ने कहा कि जब जिलाधिकारी के ऑफिस के सौ कदम दूरी पर यह गंदगी का हाल है तो पूरे जिले और देश का क्या हाल होगा। उक्त सफाई प्रोग्राम में मुख्य रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह, कार्यालय प्रभारी राजेंद्र वर्मा , महासचिव आशुतोष गुप्ता ,सोशल मीडिया प्रभारी महताब अहमद , शिव कुमार वर्मा ,शिवम मिश्रा सहित कई लोग मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर मांग पत्र सौंपा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन एवं इसके सहयोगी निगमों द्वारा आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्य कर रहे कर्मचारियों का लेबर का अनुबन्ध कर लाइनमैन, उपकेन्द्र परिचालन आदि जैसे घातक व तकनीकी कार्य कराया जा रहा है।

वेतन भुगतान में भेदभाव किया जा रहा है,मानक से कम कर्मचारियों को तैनात कर कार्य कराया जा रहा है, लगभग 45 प्रतिशत कर्मचारियों की छटनी की जा रही है. 55 वर्ष का हवाला देकर कर्मचारियों को कार्य से हटाया जा रहा है, बिना संसाधन दिये फेसियल अटेन्डेन्स लगाने का दबाव बनाया जा रहा है, लाइन की चपेट में आकर या खम्भे से नीचे गिरकर घायल हुए कर्मचारियों का कैशलेस इलाज नाही कराया जा रहा हैं, पूर्वांचल व दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड वाराणसी व आगरा का निजीकरण किया जा रहा है आदि समस्याओं के कारण उ0प्र0 पावर कार्पोरेशन निविदा/ संविदा कर्मचारी संघ, लखनऊ द्वारा दिनाँक 05.05.2025 को श्रीमान अधीक्षण अभियन्ता कार्यालय, हरदोई पर विरोध सभा कर दिनाँक 06.05.2025 को प्रबन्ध निदेशक मध्यांचल विद्युत वित्तरण निगम लिमिटेड गोखले मार्ग, लखनऊ कार्यालय पर सत्याग्रह करने तथा इसके बाद भी समस्याओं का समाधान न होने पर दिनाँक 07.06.202से प्रबन्ध प्रबन्ध निदेशक मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड गोखले मार्ग, लखनऊ कार्यालय से लेकर 33/11 के0वी0 विद्युत उपकेन्द्रों पर सत्याग्रह शुरू कर दिया जायेगा जिसमें हरदोई के बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों द्वारा भाग लिया जायेगा जिसमें होने वाली किसी भी प्रकार की क्षति अथवा औधोगिक अशान्ति की जिम्मेदारी मध्यांचल प्रबन्धन की होगी।

युवक को गाली, गलौज कर फायर करने वाले आरोपी गिरफ्तार

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। कोतवाली शहर थाना क्षेत्र के ग्राम गुरुगुज्जा में युवक के साथ गाली गलौज और जान से मारने की धमकी देते हुए तमंचे से फायर करने के मामले में पुलिस ने नामजद दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजंडिया है।

प्राप्त विवरण में 3 मई को रामश्री पत्नी सुनील कुमार निवासी ग्राम गुरुगुज्जा द्वारा कोतवाली शहर पर तहरीर दी गयी कि जितेन्द्र पुत्र जे0जे0 राम निवासी ग्राम गुरुगुज्जा, अंकित पुत्र सुशील निवासी बिलग्राम चुंगी व चार अन्य साथियों द्वारा उसके पुत्र के साथ गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी दी गई तथा अभियुक्त जितेन्द्र उपरोक्त द्वारा तंमचे से फायर किया गया। इस सम्बन्ध में थाना कोतवाली शहर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की थी। कोतवाली शहर के उपनिरीक्षक रोहित कुमार पांडेय,वाशु कुमार और पुलिस बल द्वारा उपरोक्त अभियोग से सम्बन्धित आरोपी अंकित पुत्र सुशील, जितेन्द्र पुत्र जेजे राम को एक अदद अवैध तंमचा 315 बोर, दो अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर सहित गिरफ्तार किया गया। शेष अभियुक्तों की गिरफ्तारी के सार्थक प्रयास जारी है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को जेल भेज दिया है।

कथा व्यास ने कृष्ण की बाल लीलाओं का किया वर्णन

हरदोई, चसं। भरखनी ब्लॉक के लखनौर गांव में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन कथा व्यास संजय मिश्रा ने भगवान श्री कृष्ण की विभिन्न बाल लीलाओं और रासलीला का भावपूर्ण वर्णन किया। सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन कथा व्यास संजय मिश्रा ने भगवान श्री कृष्ण की विभिन्न बाल लीलाओं और रासलीला का भावपूर्ण वर्णन किया। भगवान श्री कृष्ण की मनोरम झांकी का अवलोकन कराया है।कथा व्यास ने कृष्ण जन्म कथा के बाद कथा को आगे बढ़ाते हुए पूतना वध, यशोदा मां के साथ बालपन की शरारतें, भगवान श्रीकृष्ण का गो प्रेम, कालिया नाग का मान मर्दन, माखन चोरी गोपियों का चीर हरण प्रसंग सहित अन्य कई प्रसंगों का कथा के दौरान वर्णन किया। कंस का आमंत्रण मिलने के बाद भगवान श्री कृष्ण बड़े भाई बलराम जी के साथ मथुरा को प्रस्थान करते हैं। श्रीमद् भागवत कथा के दौरान कथा व्यास द्वारा बीच-बीच में सुनाए गए भजन पर श्रोता भाव विभोर हो गये।

अवैध खनन में लिप्त ट्रैक्टर ट्राली, डम्फर और जेसीबी को संयुक्त टीम ने किया सीज

हरदोई, चसं। संडीला थाना क्षेत्र में अवैध खनन की सूचना पर कोतवाली पुलिस और खनन अधिकारी ने संयुक्त रूप से छापामारी कर खनन में प्रयुक्त ट्रैक्टर ट्राली,डंपर और जेसीबी को सीज करने की कार्यवाही की है।खनन माफिया मौका पारकर भागने में सफल रहे।

प्राप्त विवरण में 4/5 मई की रात्रि में थाना संडीला पर सूचना प्राप्त हुई कि थाना संडीला क्षेत्रांतर्गत मुरादनगर फेज-1 में स्थित कम्पनी से अवैध रुप से

मिट्टी का खनन किया जा रहा है। इस सूचना पर थाना संडीला पुलिस एवं खनन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचे जहां संयुक्त पुलिस टीम को देखकर अवैध रुप से मिट्टी का खनन कर रहे व्यक्ति मौके से फरार हो गये। पुलिस टीम में कोतवाली संडीला पुलिस और खनन अधिकारी अजीत सिंह द्वारा अवैध खनन में प्रयुक्त एक अदद जेसीबी एक अदद डम्फर, एक अदद ट्रैक्टर-ट्राली को कब्जे में लेकर सीज किया गया है। घटना में संलिप्त व्यक्तियों की गिरफ्तारी के प्रयास पुलिस कर रही है।

सुभासपा ने मोदी सरकार के जातिगत जनगणना को लेकर धन्यवाद ज्ञापन सौंपा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुनील अर्कवंशी के नेतृत्व में मोदी सरकार के जातिगत जनगणना के फैसले का स्वागत करते हुए धन्यवाद ज्ञापन सौंपा है। श्री अर्कवंशी ने कहा कि भारत की शोषित उपेक्षित वंचित जनमानस को समुचित भागीदारी दिलाने के लिए लंबित जातीय जनगणना कराने के लिए एनडीए सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में साहसिक निर्णय लिया है।

सरकार का यह निर्णय आने वाले समय में समस्त वंचित शोषित समाज को समुचित भागीदारी प्राप्ति के लिए कानूनी आधार बनेगा। विगत समय की विपक्षी सरकारों ने जातीय जनगणना को नहीं होने दिया।

वंचित शोषित समाज से संबंधित इस महत्वपूर्ण मांग को स्वीकार करना नरेन्द्र मोदी जी की सामाजिक प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। उक्त निर्णय के लिए सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के समस्त पदाधिकारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को हृदय से कोटिशः धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के पदाधिकारियों ने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से हरदोई तहसील में राष्ट्रीय प्रवक्ता सुनील अर्कवंशी, बिलग्राम तहसील में प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव यादव,

संडीला तहसील में प्रदेश सचिव राममूर्ती अर्कवंशी, शाहाबाद में जिला अध्यक्ष दलित मोर्चा नरेशराज राजवंशी, सवायजपुर तहसील में जिला अध्यक्ष राजीव अर्कवंशी ने ज्ञापन दिया।

हरदोई तहसील पर युवा मंच जिला अध्यक्ष पुनीत अर्कवंशी, जिला सचिव रामसूचित अर्कवंशी, मो. असलम विशाल सिंह, डॉ परमानन्द, विनोद अर्कवंशी, कुलदीप अर्कवंशी, जोगराज अर्कवंशी, मुन्ना अर्कवंशी,राकेश अर्कवंशी, मो. अलीम,भानू अर्कवंशी, विकास वर्मा, ओमप्रकाश राज, मोहित तिवारी, विमलेश गौतम, मुनेश्वर सिंह, अजय यादव, रामनरेश राठौर, तेज नरायण तिवारी, विशाल कठेरिया, रामलड़ैते, विपिन कुमार, विनोद कुमार, मटरू भगत, रामचरण, जागेश्वर, पंकज वर्मा सहित सैकड़ों पदाधिकारी मौजूद होकर प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद ज्ञापन दिया।

संक्षिप्त समाचार

खुशी के आंसू लेकर कलेक्ट्रेट से निकली दिव्यांग रामसुखी

हरदोई, चसं। एक दिव्यांग महिला राम सुखी जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी मंगला प्रसाद के समक्ष पहुँची। उन्होंने कहा कि वह घर में अकेली हैं और दिव्यांग हैं। रामसुखी ने जिलाधिकारी से ट्राईसाईकिल दिलाने का अनुरोध किया ताकि वह आसानी से आवागमन कर सके। जिलाधिकारी ने तत्काल दिव्यांग जन कल्याण अधिकारी को बुलवाया तथा एक ट्राईसाईकिल देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी के निर्देश पर दिव्यांग जन कल्याण अधिकारी तत्काल एक ट्राईसाईकिल लेकर आये जिसे जिलाधिकारी ने स्वयं अपने हाथों से रामसुखी को ट्राईसाईकिल सौंपी। अहिरोरी विकास खण्ड के भगवान पुरवा मजरा जलालपुर की रहने वाली रामसुखी ने बताया कि उनके पास आवास भी नहीं है। वह पन्नी डालकर रहती हैं। यह सुनकर जिलाधिकारी ने वर्चुअल माध्यम से तत्काल बीडीओ अहिरोरी से बात की तथा रामसुखी को नियमानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना की पात्रता सूची में शामिल करने के निर्देश दिए। दिव्यांग रामसुखी ट्राईसाईकिल लेकर स्वयं के मकान का भरोसा लेकर ?ुशी के साथ कलेक्ट्रेट कक्ष से विदा हुई। रामसुखी व उनके साथ आयी उनकी बहन ज्ञानवती ने जिलाधिकारी का धन्यवाद किया। रामसुखी ने कहा कि आज उनका कलेक्ट्रेट आना सफल हो गया।

ग्राम पंचायत की नाली क्षतिग्रस्त करने का आरोप

हरपालपुर/हरदोई, चसं। महिला ग्राम प्रधान की शिकायत पर खण्ड विकास अधिकारी ने रिपोर्ट दर्ज कराने को पुलिस को पत्र लिखा है। विकास खंड की ग्राम पंचायत ककरा के मजरा नाँदखेड़ा में ग्राम पंचायत की ओर से करीब डेढ लाख रुपये से नवनिर्मित 100 मीटर नाली गांव के कुछ लोगो ने तोड़ डाली। ग्राम प्रधान अरुणा देवी की शिकायत पर खंड विकास अधिकारी राजीव गुप्ता ने प्रभारी निरीक्षक हरपालपुर को रिपोर्ट दर्ज करने के लिए पत्र लिखा है।

मनरेगा कर्मी के भविष्य निधि खाते से 61 हजार रुपये रहस्यमय ढंग से गायब

हरपालपुर/हरदोई, चसं। विकास खंड में तैनात कंप्यूटर ऑपरेटर शम्मी कपूर सोनकर के कर्मचारी भविष्य निधि खाते से 61824 रुपये गायब हो गए हैं। मामले की जानकारी मिलने पर कंप्यूटर ऑपरेटर ने डीसी मनरेगा को शिकायती पत्र भेजा है। डीसी मनरेगा को भेजे गए शिकायती पत्र में हरपालपुर विकासखंड में तैनात कंप्यूटर ऑपरेटर शम्मी कपूर सोनकर ने कहा है कि वित्तीय वर्ष 2019-20 व 2020-21 में इपीएफ फंड खाते में 618 24 रुपए की धनराशि रहस्यमय ढंग से गायब हो गई है। जबकि पोर्टल पर उस?ी ओर से खाते से आहारित धनराशि शून्य प्रदर्शित हो रही है। इस मामले में कंप्यूटर ऑपरेटर ने खंड विकास अधिकारी के माध्यम से डीसी मनरेगा को शिकायती पत्र भेजकर मामले की जांच कराकर इपीएफ फंड का पैसा दिलाने की मांग की है।

दंबगों ने युवक को लाठी डंडों से जमकर पीटा

हरपालपुर/ हरदोई, चसं। कोतवाली क्षेत्र के अन्ना गांव निवासी रामतीर्थ 30 पुत्र जदुनाथ ने दी गई तहरीर में बताया कि रविवार की शाम वह सांडी के लिए जाने को अपनी गलियारे से निकल रहा था।तभी गांव के चार दबंग उसे गाली गलौज करने लगे। मना करने पर लाठी डंडों से हमला बोल दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रभारी निरीक्षक बालकृष्ण मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

बाइक की टक्कर से स्कूल जा रहा छात्र घायल

हरपालपुर/हरदोई, चसं। कोतवाली क्षेत्र के बढैयनपुरवा गांव निवासी रजत13बर्ष पुत्र शैलेंद्र कुमार सोमवार की सुबह हरपालपुर कस्बे के विजय शंकर इंटर कॉलेज में साइकिल से पढ़ने जा रहा था।तभी हरपालपुर-चौंसार मर्ग पर भभूतिपूरवा गांव के पास बाइक सवार ने पीछे से उसकी साइकिल में टक्कर मार दी। जिससे वह घायल हो गया। परिजनो ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है।

रुपयों से भरे बैग पुलिस को सौंपने वाले बालक को एसपी ने किया सम्मानित

हरदोई, चसं। टड़ियांवा थाना क्षेत्र में सड़क पर रुपयों भरा बैग मिलने पर बालक द्वारा उस बैग को पुलिस के हवाले करने पर पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने उस बालक को अपने कार्यालय बुलाकर सम्मानित किया है। प्राप्त विवरण में एक मई को टड़ियांवा कस्बे के रास्ते के किनारे कस्बे निवासी 12 वर्षीय अल्तमश पुत्र आलमगीर को एक बैग पड़ा मिला जिसमे सोलह हजार की नगदी और कुछ कागजाद थे।अल्तमश ने वह बैग टड़ियांवा पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने बैग में रखे कागजों के आधार पर जनपद हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर थाना क्षेत्र निवासी फैजान को वह बैग वापस किया। प्रकरण की सूचना पर पुलिस अधीक्षक ने 5 मई को 12 वर्षीय बालक अल्तमश को अपने कार्यालय पर बुला कर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उसके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

चोरी की बैटरी सहित तीन बाल अपचारी पुलिस अभिरक्षा में

हरदोई, चसं। शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला खेड़ा बीबीजई में खड़े छोटा हाथी डाला से बैटरी चोरी करने वाले तीन बाल अपचारियों को पुलिस ने चोरी की बैटरी सहित अभिरक्षा में लिया है। पुलिस आगे विधानिक कार्यवाही कर रही है।

प्राप्त विवरण में 29 अप्रैल को विकास सिंह पुत्र नेता सिंह निवासी ग्राम कूड़ी थाना पचदेवरा द्वारा थाना शाहाबाद पर तहरीर दी गयी कि 3 बालअपचारियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत मोहल्ला खेडा बीबीजई, भोला कबाड़ी के प्लाट के पास से उसकी गाड़ी से एक बैटरी चोरी कर ली गयी। इस संबंध में पीड़ति की तहरीर के आधार पर थाना शाहाबाद पुलिस ने बाल अपचारियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की थी। थाना शाहाबाद के उपनिरीक्षक घनश्याम बिंद और पुलिस बल द्वारा उपरोक्त अभियोग से सम्बन्धित 3 नफर बालअपचारियों को चोरी की बैट्री सहित नियमानुसार पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा., मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, हज़रतगंज, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:–

1.	ई–निविदा सूचना सं.	1159–वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता–उत्तर रेलवे–लखनऊ–तृतीय कॉल दिनांक 05.05.2025
2.	कार्य का नाम	02 वर्षों के लिए SSE/AC-SP/LKO के अधिकार क्षेत्र के तहत 1/1.5/2.0 टन क्षमता के विंडों/स्पिलट ए.सी. प्लांट/3.0 टन तक के कैसेट ए.सी. और विभिन्न क्षमता के वॉटर कूलर का रिपेयर/रिहैबिलिटेशन।
3.	अनुमानित लागत	रु. 94,75,915/– (चौरानवें लाख पचहत्तर हज़ार नौ सौ पंद्रह रुपये केवल)
4.	बयाना राशि	रु. 1,89,600/– (एक लाख उन्यासी हजार छः सौ रुपये केवल)
5.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	24 माह
6.	ई–निविदा फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि	दिनांक 27.05.2025 को 15:00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15:30 बजे वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा., उत्तर रेलवे, हज़रतगंज, लखनऊ के कार्यालय में।
7.	प्रस्ताव की वैधता	ई–निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
8.	उत्तर रेलवे की वेबसाइट	अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर चेक की जा सकती है।

सूचना सं.: 1159–वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता–उत्तर रेलवे–लखनऊ–तृतीय कॉल
दिनांक: 05.05.2025 1324/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त समाचार

बैगलाइन ने उत्तर प्रदेश में किया विस्तार

लखनऊ, चसं। ब्रांड कॉन्सेप्ट्स लिमिटेड, ने पूरे भारत में अपना 47वां और लखनऊ के हजरतगंज में अपना चौथा बैगलाइन स्टोर भव्य रूप से लॉन्च किया है। यह नया स्टोर लखनऊ में कंपनी के विस्तार की रणनीति का हिस्सा है और यह दर्शाता है कि बैगलाइन अपने ग्राहकों को लग्जरी और स्टाइल का बेहतरीन अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस स्टोर में टॉमी हिलफिगर ट्रैवल गियर, यूनाइटेड कलर्स ऑफबेनेटन (यूसीबी) और एरोपोस्टल जैसे प्रसिद्ध ब्रांडों के शानदार कलेक्शन उपलब्ध हैं।स्टोर को आधुनिक और आकर्षक तरीके से डिजाइन किया गया है ताकि ग्राहकों को एक शानदार शॉपिंग अनुभव मिल सके। चाहे आपको अपने लुक को निखारने के लिए स्टाइलिश हैंडबैग चाहिए हो, यात्रा के लिए मजबूत बैकपैक, रोजमर्रा के सामान के लिए प्रैक्टिकल टोट बैग, या ऑफिस के लिए सोफिस्टिकेटेड ब्रीफकेसकृयहां सबकुछ मौजूद है। हर प्रोडक्ट में स्टाइल और कंफर्ट का शानदार मेल है।इस स्टोर का उद्घाटन हुआ जिसमें बतौर मुख्य अतिथि विभा अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष-फिक्की एफएलओ और चेतन्य मालटेरे, हेड ऑफरिटेल ऑपरेशंस, ब्रांड कॉन्सेप्ट्स शामिल हुए। इस मौके पर चेतन्य मालटेरे, हेड ऑफ रिटेल ऑपरेशंस, ब्रांड कॉन्सेप्ट्स लिमिटेड ने कहा,हमें लखनऊ में अपना चौथा और भारत का 47वां बैगलाइन स्टोर खोलने की खुशी है। हमारा उद्देश्य ग्राहकों को एक पर्सनलाइज्ड और बेहतरीन रिटेल अनुभव देना है। हमारी टीम पूरी लगन से काम कर रही है ताकि हर ग्राहक को ऐसा बैग मिले जो उसे लंबे समय तक पसंद आए। हम लखनऊ के फैशनेबल ग्राहकों के बीच एक मजबूत पहचान बनाने की उम्मीद रखते हैं।

सीएसके और आयुष म्हात्रे का साथ लंबे समय तक बने रहने की उम्मीद : फ्लेमिंग

बेंगलुरु, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने खुलासा किया है कि आयुष म्हात्रे की किस बात ने उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि 17 वर्षीय इस खिलाड़ी ने अपनी बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया है। सीएसके पहले ही आईपीएल 2025 के प्लेऑफकी दौड़ से बाहर हो चुकी है। पांच बार की चौंपियन टीम शनिवार रात रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफदो रन से हार गई, बावजूद इसके म्हात्रे ने 48 गेंदों पर 94 रनों की प्रभावशाली पारी खेली, जिससे वह 17 साल और 292 दिन की उम्र में आईपीएल में अर्धशतक बनाने वाले तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। मैच के बाद फ्लेमिंग ने इस बल्लेबाज की जमकर तारीफकी और कहा कि म्हात्रे के स्वभाव और धैर्य ने उन्हें काफी प्रभावित किया। फ्लेमिंग ने कहा, कभी-कभी यह समझाना मुश्किल होता है, लेकिन वह जो कर रहा था, उसमें एक खासियत थी। लेकिन उसका धैर्य कुछ ऐसा था जिसने मुझे प्रभावित किया। उसके पास प्रतिभा है और उसके पास आक्रामक शैली की बल्लेबाजी है, वह सब कुछ जो हमें आधुनिक समय के टी20 खिलाड़ी में पसंद है। लेकिन मैं उसके स्वभाव से काफी ज्यादा प्रभावित हूं। उन्होंने कहा, आयुष म्हात्रे पहले दिन से ही बहुत सहज थे। टीम उनके साथ बहुत सहज थी। उम्मीद है कि उनके साथ सीएसके की एक लंबे रिश्ते की शुरुआत है। ऋतुराज गायकवाड़ की जगह सीएसके में आयुष म्हात्रे को शामिल किया गया था। गायकवाड़ कोहनी की चोट के कारण सीजन से बाहर हुए। आयुष म्हात्रे ने मुंबई इंडियंस के खिलाफअपना टी20 डेब्यू किया, जिसमें उन्होंने 15 गेंदों पर 32 रन बनाए। इसके बाद उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ19 गेंदों पर 30 रन की तेज पारी खेली। शनिवार को बेंगलुरु में, म्हात्रे ने आईपीएल के सर्वश्रेष्ठ पावरप्ले गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के एक ओवर में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 26 रन बटोरे। आयुष म्हात्रे जब तक खेल रहे थे तब तक सीएसके मैच में बनी हुई थी। लेकिन, मैच के अंतिम ओवरों में नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से सीएसके दो रनों से आरसीबी के सामने मैच हार गई।

एनडी कृषि की आंचल ठाकुर ने जीते दो गोल्ड मेडल 800 और 5000 मीटर दौड़ में किया कमाल

अयोध्या, चसं। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में 22वीं अखिल भारतीय अंतर कृषि विश्वविद्यालयीय खेलकूद प्रतियोगिता का तीसरा दिन एथलेटिक्स के नाम रहा। एनडी कृषि विवि अयोध्या की आंचल ठाकुर ने दो स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। आंचल ने 5000 मीटर की दौड़ 22.32 मिनट में पूरी कर पहला स्वर्ण जीता। इस स्पर्धा में चौधरी चरण सिंह कृषि विवि हिसार की प्रीति को रजत और बंगालकोट विवि की चांदनी को कांस्य पदक मिला। आंचल ने 800 मीटर दौड़ में भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया। कृषि विवि बेंगलुरू की इमाम ने रजत और पावित्रा ने कांस्य पदक हासिल किया। पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में इंदिरा गांधी कृषि विवि के अरमान ने 17.38 मिनट में स्वर्ण जीता। एनडी कृषि विवि के सचिन ने रजत और महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ राहुरी के ओम पिंपल ने कांस्य पदक प्राप्त किया। 1500 मीटर पुरुष वर्ग में सिवामोगा कृषि विवि के धावक ने 4.33 मिनट में स्वर्ण जीता। 100 मीटर दौड़ में पंजाब कृषि विवि के अविकाश सिंह और बेंगलुरु कृषि विवि की अश्विता ने अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किए। टेबल टेनिस में आचार्य नरेंद्र देव कृषि विवि ने रांची कृषि विवि को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। कबड्डी में भी नरेंद्र देव कृषि विवि ने मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। बास्केटबॉल महिला वर्ग के सेमीफाइनल में बेंगलुरु ने पंजाब को 12 अंकों से और हिसार ने केरला को 39 अंकों से हराया। खो-खो महिला के सेमी. फाइनल में गोदावरी ने भुवनेश्वर को 1 अंक से पराजित कर दिया है तो वहीं दूसरी तरफखो-खो महिला में सेमी. फाइनल मैच सिमोगा और राउरी के बीच खेला गया। राउरी ने 6 अंकों से सिमोगा को पराजित कर दिया। खो-खो के फाइनल मुकाबले में गोदवरी और राउरी कृषि विवि एक दूसरे को टक्कर देने के लिए मैदान पर उतरेंगे। विजय प्रताप सिंह, सुरेश कुमार सिंह, चेयरमैन, रेफरी बोर्ड कबड्डी, (लेफ्टिनेंट) डा. नवीन कुमार सिंह, शशांक शर्मा, मानवेन्द्र प्रताप सिंह, सुरेश्वर प्रताप सिंह, निधि पाल, श्रेया वर्मा, राघवेंद्र तिवारी, जितेंद्र कुमार मौर्य, डा. देवनारायण समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

सोने की कीमत में आ सकती है गिरावट, निवेशकों के लिए सस्ते दाम पर खरीदारी का मौका

मुम्बई, एजेंसी। अगर आप लंबे समय से सोने की कीमत में गिरावट का इंतजार कर रहे हैं, तो अब आपको जल्द ही राहत मिल सकती है। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले दिनों में सोने की कीमत में महत्वपूर्ण गिरावट देखने को मिल सकती है। क्वांट म्यूचुअल फंड की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, सोना अब अपने उच्चतम स्तर को छू चुका है और इसमें डॉलर के मुकाबले 12 से 15ः तक की गिरावट संभव है। हालांकि, लंबी अवधि में सोने में निवेश की संभावनाएं बरकरार रहेंगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कच्चे तेल की कीमतों में भी फिलहाल नरमी रह सकती है लेकिन नीचे जाने की गुंजाइश अब सीमित है। 2024 के मध्य में सोने की कीमत 2,500 डॉलर प्रति औंस थी, जो अप्रैल 2025 में बढ़कर रिकॉर्ड 3,500 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई। इसके बाद कीमतों में गिरावट का रुख देखा गया और फिलहाल सोना 3,250 डॉलर के स्तर पर आ गया है, जो करीब 7ः की गिरावट दर्शाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सोना-चांदी अनुपात फिलहाल 100.1 पर है, जबकि यह पहले सामान्य रूप से 70रू1 के आसपास रहता था। इसका मतलब या तो सोने की कीमत और गिरेगी या चांदी की कीमत में तेज बढ़ोतरी होनी चाहिए। प्लैटिनम के मुकाबले भी सोना काफी महंगा हो चुका है, जिससे इसकी कीमत में गिरावट की आशंका और बढ़ गई है। वैश्विक स्तर पर तनावों में कमी के संकेत मिल रहे हैं, खासकर अमेरिका और चीन के बीच व्यापार संबंधों में सुधार की संभावनाओं के कारण। इसके साथ ही डॉलर इंडेक्स में मजबूती और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में वृद्धि के कारण निवेशकों का रुझान अब सोने से हटकर अन्य साधनों की ओर बढ़ रहा है। चूंकि सोना ब्याज नहीं देता, इसलिए ब्याज वाले विकल्पों की तुलना में इसकी चमक थोड़ी फीकी पड़ रही है।

बारिश के चलते रद्द हुआ मैच, हैदराबाद प्लेऑफ से बाहर

चर्चित राजनीति। एजेंसी

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के प्लेऑफ में पहुंचने का सपना बारिश के चलते चकनाचूर हो गया है। बारिश के चलते आईपीएल 2025 का 55वां मैच बारिश के चलते रद्द हो गया। इस मैच में SRH और DC आमने-सामने हुए। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 133 रन बनाए थे। सनराइजर्स हैदराबाद की बल्लेबाजी लाइनअप के आगे यह स्कोर बहुत छोटा था, लेकिन बारिश ने दिल्ली को बचा लिया। मैच रद्द होने के चलते दोनों टीमों को एक-एक अंक दिए गए। दिल्ली के 11 मैच में अब 13 अंक हो गए हैं। वहीं, हैदराबाद 7 अंक के साथ 9वें स्थान पर काबिज है, उसकी प्लेऑफ की उम्मीद पूरी तरह से खत्म हो गई है।

सनराइजर्स हैदराबाद ने टॉस जीतकर दिल्ली को पहले बल्लेबाजी करने के लिए बुलाया। SRH ने शुरुआत में ही दिल्ली कैपिटल्स को बैकफुट पर धकेल दिया था। पैट कमिंस ने पहले तीनों ओवरों की पहली गेंद पर तीन विकेट चटकाए और फिर इसके बाद भी विकेटों का सिलसिला थमा नहीं, जिसके चलते दिल्ली को अंत में आशुतोष को इम्पैक्ट सब के तौर पर लाना पड़ा। दिल्ली कैपिटल्स का टॉप ऑर्डर ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। करुण नायर (0), फॉफ डुप्लेसिस (3), अभिषेक पोरेल (8), केएल राहुल (10), कप्तान अक्षर पटेल (6) और विप्रज निगम (18) 62 रन के अंदर ही पवेलियन लौट गए। पैट कमिंस और हर्षल पटेल ने घातक गेंदबाजी की। हालांकि, आशुतोष (41) और ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 41) के बीच अर्धशतकीय साझेदारी ने दिल्ली को एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचा दिया। पहली पारी में गेंद फंस कर आ रही थी। पैट कमिंस ने चार ओवर में 19 रन देकर तीन विकेट चटकाए। मैच धुलने पर हैदराबाद के 11 मैच में 7 अंक हो गए हैं। इसके बाद तीन मैच जीतने पर भी उसके 13 अंक ही होंगे। 4 टीमें के पहले से ही 14 या इससे ज्यादा के अंक हैं। दिल्ली कैपिटल्स की भी राह मुश्किल हो गई है। दिल्ली कैपिटल्स को मैच धुलने पर 1 अंक मिला। अब दिल्ली के 13 अंक हो गए हैं। बाकी के तीनों मैच जीतने होंगे, तब वह 19 अंक तक पहुंच सकता है।

पैट कमिंस ने पावर प्ले में मचाई तबाही : सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने सोमवार को आईपीएल 2025 के 55वें मैच में इतिहास रच दिया। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर कमिंस ने अपनी गेंदबाजी से कहर बरपाते हुए पावरप्ले के अंदर दिल्ली कैपिटल्स के तीन विकेट झटके और धांसू रिकॉर्ड अपने नाम किया। पैट कमिंस पावरप्ले के अंदर तीन विकेट लेने वाले आईपीएल इतिहास के पहले कप्तान बने। उन्होंने मैच की पहली ही गेंद पर करुण नायर को ईशान किशन के हाथों कैच आउट कराया।

इसके बाद तीसरे ओवर की पहली गेंद पर कमिंस ने फाफ डू प्लेसिस को किशन के हाथों कैच आउट कराया। फिर पांचवें ओवर की पहली गेंद पर कमिंस ने अभिषेक पोरेल को किशन के हाथों कैच आउट कराया। मैच की बात करें तो सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, जो एकदम सटीक साबित हुआ। एसआरएच के कप्तान ने मैच की पहली गेंद पर दिल्ली को करारा झटका देते हुए करुण नायर का शिकार किया। दिल्ली की आधी टीम 29 रन पर पवेलियन लौट गई थी। कमिंस के अलावा हर्षल पटेल और जयदेव उनादकट ने एक-एक विकेट चटकाया। पटेल ने दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल का शिकार किया। वहीं उनादकट ने दिल्ली के प्रमुख बल्लेबाज केएल राहुल को किशन के हाथों कैच आउट कराकर दिल्ली की कमर तोड़ दी। उल्लेखनीय है कि ईशान किशन ने इन पांच विकेट में से चार के कैच लपके।

रोचक हुई प्लेऑफ की रेस, 3 का पहुंचना तय! एक सीट के लिए होगी इन टीमों में जंग : आईपीएल 2025 के 55वें मैच बारिश की भेंट चढ़ गया। मैच में सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स आमने-सामने हुए। मैच बेनतीजा रहने से हैदराबाद प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स की भी राह मुश्किल हो गई है। अब आईपीएल प्लेऑफ की रेस बहुत रोचक हो गई है। मैच धुलने पर हैदराबाद के 11 मैच में 7 अंक हो गए हैं। इसके बाद तीन मैच जीतने पर भी उसके 13 अंक ही होंगे। इसके चलते वह प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई, क्योंकि 4 टीमें के पहले से ही 14 या इससे ज्यादा के अंक हैं। दिल्ली कैपिटल्स की भी राह मुश्किल हो गई है। दिल्ली कैपिटल्स को मैच धुलने पर 1 अंक मिला। अब दिल्ली के 13 अंक हो गए हैं। बाकी के तीनों मैच जीतने होंगे, तब वह 19 अंक तक पहुंच सकता है। हालांकि, यह इतना आसान नहीं होने वाला है।

क्योंकि, पंजाब किंग्स, गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस से भिड़ना है। अब बात करें आईपीएल 2025 प्लेऑफ की रेस की बात करें आरसीबी के 16, पंजाब किंग्स के 15, मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस के 14-14 अंक हैं। दिल्ली कैपिटल्स के 12, कोलकाता नाइट राइडर्स के 11, लखनऊ सुपर जायंट्स के 10 हैं। ऐसे में आरसीबी, पंजाब और मुंबई का प्लेऑफ में पहुंचना लगभग तय मना जा रहा है। वहीं, एक स्थान के लिए गुजरात, दिल्ली, केकेआर और लखनऊ में लड़ाई बढ़ जाएगी। हालांकि, अभी तक कोई भी टीम आधिकारिक रूप से प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई है।

टी20 क्रिकेट में विराट-रोहित के स्पेशल क्लब में शामिल हुये केएल राहुल : दिल्ली कैपिटल्स के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे, लेकिन केवल एक चौका जड़कर बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। राहुल ने आईपीएल 2025 के 55वें मैच में 14 गेंदों में एक चौके

■ दिल्ली की भी बढ़ी मुश्किलें

की मदद से 10 रन बनाए। जयदेव उनादकट ने राहुल को किशन के हाथों कैच आउट कराया। राहुल ने एक चौका जड़कर टी20 क्रिकेट में अपने 1000 चौके पूरे किए। केएल राहुल टी20 क्रिकेट में 1000 या ज्यादा चौके जमाने वाले छठे भारतीय क्रिकेटर बने। इसी के साथ केएल राहुल अपने साथी विराट कोहली और रोहित शर्मा के स्पेशल क्लब में शामिल हुए। बता दें कि टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा चौके जमाने वाले भारतीय बल्लेबाजों में विराट कोहली शीर्ष पर जमे हुए हैं। कोहली ने 1602 चौके जमाए हैं। मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा 1588 चौके के साथ इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। पूर्व भारतीय ओपनर शिखर धवन 1324 चौके के साथ तीसरे स्थान पर हैं। मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव और चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना क्रमशः चौथे व पांचवें स्थान पर काबिज हैं। अब केएल राहुल भी इस खास लिस्ट का हिस्सा बन गए हैं। बता दें कि दिल्ली कैपिटल्स का सनराइजर्स हैदराबाद के सामने सोमवार को बुरा हाल हुआ। पहले बल्लेबाजी का आमंत्रण स्वीकार करने वाली दिल्ली ने पारी की पहली गेंद पर करुण नायर का विकेट गंवा दिया। 29 रन के स्कोर पर दिल्ली कैपिटल्स ने अपने शीर्ष पांच विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, आशुतोष शर्मा (41) और ट्रिस्टन स्टब्स (41*) ने सातवें विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी करके दिल्ली कैपिटल्स को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। दिल्ली ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट खोकर 133 रन बनाए। इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद की पारी बारिश के कारण शुरू नहीं हो सकी। अंपायर्स ने मैच कॉल ऑफ करने का फैसला किया।

आईपीएल 2025 का 55वां मैच बारिश की भेंट चढ़ गया। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स का आमना-सामना हुआ। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 133 रन बनाए। दूसरी पारी शुरू होने से पहले ही बारिश आ गई और फिर दोबारा खेल नहीं शुरू हो सका।

भारतीय क्रिकेट में सबसे तेज टी20 शतक जड़ने वाला बल्लेबाज चेन्नई सुपरकिंग्स से जुड़ा : चेन्नई सुपरकिंग्स ने सोमवार को घोषणा की है कि 26 साल के गुजरात के विकेटकीपर बल्लेबाज उर्विल पटेल को वंश बेदी के रिप्लेसमेंट के रूप में स्क्वाड से जोड़ा है। सुपरकिंग्स ने पुष्टि की है कि दिल्ली के 22 साल के अनकैप्ड विकेटकीपर बल्लेबाज वंश बेदी एड़ी में चोट के कारण आईपीएल 2025 से बाहर हो गए हैं। पता हो कि चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम पहले ही आईपीएल 2025 की प्लेऑफ रेस से बाहर हो चुकी है। एमएस धोनी के नेतृत्व वाली चेन्नई सुपरकिंग्स के आईपीएल 2025 सीजन में कुल तीन मैच बचे हैं। वो 11 मैचों में 2 जीत और 9 शिकस्त के साथ प्वाइंट्स टेबल में आखिरी स्थान पर है। सीएसके अपना अगला मुकाबला बुधवार को केकेआर के खिलाफ ईडन गार्डन्स पर खेलेगी। आईपीएल ने सोमवार को बयान जारी करते हुए कहा, चेन्नई सुपरकिंग्स ने उर्विल पटेल से वंश बेदी के रिप्लेसमेंट के रूप में करार किया। वंश बेदी बाएं एड़ी में चोट के कारण शेष टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उर्विल पटेल ने पिछले साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट में अपनी पहचान बनाई। मेगा नीलामी में अनसोल्ड रहने के बाद 26 साल के बल्लेबाज ने त्रिपुरा के खिलाफ टी20 मैच में केवल 28 गेंदों में शतक जमाकर इतिहास रच दिया। उर्विल पटेल टी20 प्रारूप में सबसे तेज शतक जमाने वाले भारतीय बल्लेबाज बने। उर्विल पटेल ने इस दौरान ऋषभ पंत का रिकॉर्ड ध्वस्त किया।

एक सप्ताह बाद गुजरात के बल्लेबाज ने उत्तराखंड के खिलाफ 36 गेंदों में शतक जमाकर अपनी उपयोगिता साबित की। उर्विल ने 2024-25 एसएमएटी में 6 मैचों में 315 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 200 से ज्यादा का रहा। बता दें कि 2023 में उर्विल पटेल गुजरात टाइटंस का हिस्सा थे, लेकिन विकेटकीपर बल्लेबाज को आईपीएल डेब्यू का मौका नहीं मिला था। उन्होंने अब तक 47 टी20 मैचों में 1162 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 170 से ज्यादा का रहा। बता दें कि वंश बेदी को सुपरकिंग्स ने 2025 सीजन के लिए अपने साथ जोड़ा था। 22 साल के बेदी ने दिल्ली प्रीमियर लीग में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से काफी प्रभावित किया था। वैसे, मौजूदा सीजन में सीएसके ने कई युवाओं को आजमाया। 18 साल के शेख राशिद को मौका देने के बाद सीएसके ने 17 वर्षीय आयुश म्हात्रे को डेब्यू का मौका दिया। म्हात्रे ने दोनों हाथों से मौका लपका और आरसीबी के खिलाफ 94 रन की तूफानी पारी खेलकर इसे भुनाया। सीएसके ने दक्षिण अफ्रीका की युवा सनसनी डेवाल्ड ब्रेविस को भी अपने कैंप में शामिल किया था।

मुकाबले से पहले रोहित ने सिराज को दिया अनूठा गिफ्ट, तोहफा पाकर खिला तेज गेंदबाज का चेहरा : रोहित शर्मा ने पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप में टीम की सफलता में योगदान के लिए मोहम्मद सिराज को उनकी टी20 विश्व कप चैंपियंस अंगूठी भेंट की। पिछले साल नमन अवॉर्ड्स में भारतीय टीम के खिलाड़ियों को चैंपियंस रिंग भेंट की गई थी और सिराज इस समारोह का हिस्सा नहीं थे। भारतीय कप्तान ने कहा कि सिराज समारोह में नहीं थे और उन्हें अंगूठी भेंट करते हुए गर्व महसूस हो रहा है। इसके बाद दोनों ने एक दूसरे को गले लगाया। इसका वीडियो बीसीसीआई ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है। रोहित ने कहा, यह मोहम्मद सिराज के लिए है। वह समारोह में आने वाले थे और उन्होंने हमारे टी20 अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

वेदांता का मुनाफा 172 फीसदी बढ़कर 20 हजार 535 करोड़ पर पहुंचा

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। वेदांता लिमिटेड (बीएसई : 500295, एनएसईः वीईडीएल) ने आज 31 मार्च 2025 को समाप्त होने वाली चौथी तिमाही एवं पूरे वर्ष के लिए अपने समेकित परिणामों की घोषणा की है। वेदांता ने वित्तीय वर्ष 25 में मजबूत आर्थिक आंकड़े दर्ज किए, इस अवधि के दौरान कपंनी का राजस्व 10 फीसदी सालाना की दर से बढ़कर अब तक के सर्वोच्च रु 1,50, 725 करोड़ के आंकड़े पर पहुंच गया। वित्तीय वर्ष 25 के दौरान कंपनी का EBITDA भी 37 फीसदी सालाना की दर से बढ़कर रु 43,541 करोड़ पर पहुंच गया, जो कंपनी के लिए अब तक का दूसरा सर्वोच्च स्तर है।

इस अवधि के दौरान कर के बाद मुनाफा (पीएटी) 172 फीसदी उछाल के साथ रु 20,535 करोड़ के आंकड़े को छू गया। चौथी तिमाही में कंपनी का राजस्व 14 फीसदी सालाना की दर से बढ़कर अब तक के अधिकतम रु 39,789 करोड़ के आंकड़े पर पहुंच गया। इस दौरान EBITDA भी 30 फीसदी सालाना की दर से बढ़कर रु 11,618 करोड़ पर आ गया। वहीं EBITDA मार्जिन की बात करें तो यह 35 फीसदी रहा, जो पिछली 12 तिमाहियों में सबसे अधिक 465 बीपी सालाना वृद्धि है। तिमाही के दौरान कंपनी का मुनाफा 118 फीसदी सालाना बढ़कर रु 4961 करोड़ पर पहुंच गया। इस अवधि के दौरान रु 7814 करोड़ के फ्री कैश-फ्लो (प्री-कैपेक्स) के चलते वेदांता के नकद और नकद समकक्ष में भी 34 फीसदी का सुधार आया है। साल के दौरान वॉल्युम के विस्तार और आपूर्ति श्रृंखला के एकीकरण के चलते कंपनी का कुल पूंजी व्यय रु 12626 करोड़ रहा। तिमाही के दौरान शुद्ध ऋण कम होकर रु 53,251 करोड़ पर पहुंच गया, वहीं शुद्ध ऋण/ EBITDA 1.2 गुना हो गया (जो दिसम्बर 24 में 1.4 गुना था)। वेदांता की क्रेडिट रेटिंग को क्रिसाइल और आईसीआरए दोनों ने अपग्रेड कर एए कर दिया है। कंपनी का एलुमिनियम उत्पादन अब का अधिकतम 2422 किलोटन दर्ज किया गया। भारत में कंपनी के लिंक संचालन की बात करें तो अब तक का अधिकतम खनन 1095 किलोटन और रिफाइन्ड धातु उत्पादन 1052 किलोटन दर्ज किया गया। वेदांता के लौह अयस्क कारोबार ने भी 6.2 मीट्रिक टन उत्पादन के साथ 12 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है, वहीं कॉपर कारोबार में कॉपर कैथोड का सालाना उत्पादन 149 किलोटन रहा है। वित्तीय वर्ष 25 की चौथी तिमाही के परिणामों पर बात करते हुए अरूण मिश्रा, एक्टिव डायरेक्टर, वेदांता लिमिटेड ने कहा, वित्तीय वर्ष 25 की चौथी तिमाही में शानदार परिणामों की घोषणा करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है, ये परिणाम संचालन में अनुशासन पर हमारे

फोकस को दर्शाते हैं। इस तिमाही के साथ हमने वित्तीय वर्ष 25 में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं, हमने न सिर्फ एलुमिनियम और ि?क के लिए अब तक का अधिकतम सालाना वॉल्युम दर्ज किया, बल्कि उत्पादन की लागत में भी काफी कमी लेकर आए हैं। जिंक इंडिया सीओपी और एलुमिनियम में एक्स-एलुमिना सीओपी चार साल के नीचले स्तर तक पहुंच गया है। वित्तीय वर्ष 26 में भी हम विकास और दक्षता पर फोकस करेंगे। हम लांजीगढ़ रिफाइनरी के विस्तार और उड़ीसा में सिजीमली बॉक्साईट खान जैसी परियोजनाओं के बदलाव को गति प्रदान कर रहे हैं, जो अगले वित्तीय वर्ष में हमारी लागत की स्थिति में बहुत अधिक सुधार लेकर आएंगे। वित्तीय वर्ष 26 में कई विस्तार योजनाएं पूरी होंगी, ऐसे में हमें विश्वास है कि आने वाला साल और भी मजबूत होगा। हम मार्केट में हो रहे

■ कपंनी का राजस्व 10 फीसदी सालाना की दर से बढ़कर अब तक के सर्वोच्च रु 1,50, 725 करोड़ के आंकड़े पर पहुंचा

बदलावों के अनुसार लम्बी अवधि में मूल्य-सृजन के अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रयासरत हैं। अजय गोयल, सीएफओ, वेदांता ने कहा, इस तिमाही वेदांता ने शानदार फाइनैंशियल परफोर्मेन्स देते हुए तब तक का अधिकतम राजस्व रु 39,789 करोड़ दर्ज किया। इस दृष्टि से कंपनी ने 14 फीसदी सालाना की बढ़ोतरी दर्ज की। इसी तरह EBITDA भी 30 फीसदी सालाना बढ़ोतरी के साथ रु 11618 करोड़ तक पहुंच गया। पिछली 12 तिमाहियों में EBITDA मार्जिन 35 फीसदी रहा है। कर के बाद मुनाफा 118 फीसदी सालाना बढ़ोतरी के बाद रु 4961 करोड़ पर पहुंच गया। संचालन दक्षता, लागत अनुकूलन तथा मार्केट में हो रहे बदलावों पर निरंतर फोकस करते हुए हमने ये शानदार परिणाम दर्ज किए हैं। इसके अलावा वेदांता लिमिटेड की बैलेंस शीट में चौथी तिमाही में 9500 मिलियन डॉलर की कमी आई है, और अंतिम शुद्ध ऋण 6.2 बिलियन डॉलर रहा है। ऋण में 1.2 गुना तक का सुधार हमारी आर्थिक नींव को और मजबूत बनाता है।

सरकारी खनन कंपनी का रिकॉर्ड प्रदर्शन, उत्पादन 15 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी खनन कंपनी एनएमडीसी ने अप्रैल में रिकॉर्ड उत्पादन किया है और उसके लौह अयस्क उत्पादन में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, बिक्री में 3 प्रतिशत का इजाफा दर्ज किया गया है। एनएमडीसी ने बयान में कहा कि कंपनी ने अप्रैल में 4 मिलियन टन (एमएनटी) लौह अयस्क का उत्पादन किया है, जो कि पिछले साल समान अवधि के आंकड़े 3.48 एमएनटी से 15 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही बीते महीने एनएमडीसी की लौह अयस्क की बिक्री 3.63 एमएनटी रही है, जो कि अप्रैल 2024 की 3.53 एमएनटी की बिक्री से 3 प्रतिशत अधिक है। कंपनी का पेलेट उत्पादन 0.23 लाख टन के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो 2018 में अप्रैल के पिछले रिकॉर्ड को पार कर गया। कंपनी के शानदार प्रदर्शन पर एनएमडीसी के सीएमडी अमिताभ मुखर्जी ने कहा, अप्रैल में हमारा रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन, साथ ही हमारी प्रमुख लौह अयस्क खदानों किरंदुल, बचेली और दोणिमलाई से पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में क्रमशः 12 प्रतिशत, 4 प्रतिशत और 88 प्रतिशत की वृद्धि ने हमारी अग्रणी स्थिति को मजबूत किया है।

वैभव के बाद एक और 14 साल के लड़के ने बिखेरा जलवा, फाइनल में 12 छक्के जड़कर ठोंका दोहरा शतक

मुरादाबाद, एजेंसी। आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने 35 गेंदों पर शतकीय पारी खेलकर दुनियाभर में अपनी काबलियत का लोहा मनवाया। वैभव की तर्ज पर यूपी के 14 वर्षीय युवा क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने उत्तराखंड के देहरादून में आयोजित अंडर-14 राज सिंह डूंगरपुर क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में दोहरा शतक जड़ दिया। उन्होंने 280 गेंदों का सामना कर 250 रन की नाबाद पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 19 चौके और 12 गगनचुंबी छक्के लगाए। हाल ही में कानपुर में आयोजित ट्रायल्स के आधार पर कैफ का चयन अंडर-14 यूपी टीम में हुआ। देहरादून में आयोजित अंडर-14 राज सिंह डूंगरपुर क्रिकेट के फाइनल मैच में यूपी का सामना विदर्भ के साथ हुआ। मैच तीन मई से पांच मई तक चला। यूपी ने पहले बल्लेबाजी की। यूपी के लिए कैफ ने 280 गेंदों पर 250 रनों की यादगार पारी खेली। 377 मिनट क्रीज पर बिताकर 89.29 के स्ट्राइक से रन बनाए। इसके दम पर यूपी टीम ने शानदार जीत दर्ज की। मजदूरी करने वाले मुन्ना के परिवार में पत्नी, तीन बेटे और चार बेटियां हैं। 14 वर्षीय मोहम्मद कैफ भाई-बहनों में सबसे छोटे हैं। पिता मुन्ना बताते हैं कि बचपन से ही कैफ का सपना क्रिकेटर बनने का था। सात वर्ष की आयु में ही उसने बल्ला उठा लिया। खेलते-खेलते लय पकड़ी। वहीं, कैफ के कोच बदरुद्दीन सिद्दीकी और मोहम्मद हसीन ने बताया कि हमेशा समय से अभ्यास करना ही मोहम्मद कैफ की प्राथमिकता रहती है। क्रिकेट फैंस उम्मीद करेंगे कि वैभव सूर्यवंशी की ही तरह मोहम्मद कैफ भी जल्द ही भारतीय क्रिकेट में चमके और देश का भविष्य कहलाएं।

व्हाइट लोटस बेंगलुरु में तीन लक्जरी आवासीय परियोजनाओं में 700 करोड़ रुपए का निवेश करेगी

बेंगलुरु, एजेंसी। रियल एस्टेट कंपनी व्हाइट लोटस ग्रुप अपनी विस्तार योजना के तहत बेंगलुरु में तीन नई लक्जरी आवासीय परियोजनाओं के निर्माण में करीब 700 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी ने इन तीन परियोजनाओं के लिए पहले ही भूमि मालिकों के साथ साझेदारी कर ली है। परियोजनाओं को चालू वित्त वर्ष 2025-26 में पेश किया जाएगा। व्हाइट लोटस ग्रुप के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पवन कुमार ने कहा, हम चालू वित्त वर्ष में तीन लक्जरी आवासीय परियोजनाएं शुरू करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें 20 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र शामिल होगा। उन्होंने कहा कि कंपनी दो परियोजनाओं में करीब 215 लक्जरी विला विकसित करेगी, जबकि 45 एकड़ की दूसरी परियोजना में विला के लिए 330 'प्लॉट बेचेगी। आईआईटी के पूर्व छात्र कुमार ने कहा, भूमि लागत को छोड़कर इन तीन परियोजनाओं को विकसित करने में करीब 700 करोड़ रुपए का निवेश होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि कंपनी इस निवेश को मुख्य रूप से आंतरिक स्रोतों से पूरा करेगी। बेंगलुरु स्थित व्हाइट लोटस ग्रुप पहले ही पांच रियल एस्टेट परियोजनाएं विकसित कर चुका है, जबकि उसकी एक परियोजना निर्माणाधीन है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी ने 175 करोड़ रुपए की संपत्तियां बेची थीं।

हरे निशान पर बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 294 अंक बढ़त के साथ 80,796 पर बंद

मुंबई, एजेंसी। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार, 5 मई को शेयर बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स 294 अंक बढ़त के साथ 80,796 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी करीब 114 अंक की तेजी रही, ये 24,461 के स्तर पर बंद हुआ। आज एशियाई बाजारों में अधिकतर जगह कारोबार बंद रहा। जापान का निक्केई सूचकांक आज अवकाश के कारण बंद रहा। इससे पहले 2 मई को यह 378 अंक यानी 1.04ः चढ़कर 36,830 पर बंद हुआ था। कोरिया का कोस्पी भी 3 अंक (0.12ः) की मामूली तेजी के साथ 2,560 पर बंद हुआ।

दौड़ लगाते नज़र आए टाइगर श्रॉफ, बोले-मैं अब भी उतनी ही स्पीड में हूं, जितनी कोई कार

अभिनेता टाइगर श्रॉफकी गिनती फिल्म इंडस्ट्री के उन स्टार्स में की जाती है जो बिल्कुल चुस्त-दुरुस्त हैं। फिटनेस के लिए जाने जाने वाले टाइगर ने सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह तेज दौड़ लगाते नजर आए। टाइगर ने बताया कि उन्होंने लंबे समय से अपनी पूरी रफ्तार का टेस्ट नहीं लिया था और वह जानना चाहते थे कि क्या वह अब भी पहले जितने तेज हैं। बागी फेम अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह ट्रैक पर दौड़ते नजर आए। टाइगर ने केवल शॉर्ट्स पहनकर अपनी रफ्तार का प्रदर्शन किया। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा, लंबे समय से अपनी पूरी रफ्तार नहीं आजमाई... मैं अब भी उतना ही तेज हूं जितना पहले था। मैं सड़क पर चलती किसी भी कार जितना तेज हूं। उन्होंने वीडियो के बैकग्राउंड में बेनी बेनासी के गाने ब्यूटीफुल पीपल को भी एड किया। इससे पहले टाइगर श्रॉफने एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह 80 किग्रा मसल्स के साथ हवा में छलांग लगाते नजरआए! वह वर्कआउट करते हुए अक्सर अपने वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह वर्कआउट के साथ-साथ ऊंची छलांग लगाते हुए नजर आ रहे हैं। इंस्टाग्राम पर यह वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने मजाकिया अंदाज में कैप्शन में लिखा, काश 80 किलोग्राम से ज्यादा मसल्स वाले शरीर को ऐसे हिलाना आसान होता। टाइगर ने वीडियो के बैकग्राउंड म्यूजिक ट्रैक में अपनी पहली फिल्म हीरोपंती के गाने रात भर का इस्तेमाल किया।

टाइगर श्रॉफने साल 2014 में फिल्म हीरोपंती से करियर की शुरुआत की थी। इसमें उनके साथ एक्ट्रेस कृति सेनन नजर आई थीं, दोनों की केमिस्ट्री को काफी पसंद किया गया। इसके बाद वह बागी में नजर आए, जिसमें उन्होंने अपने स्टंट और फाइट सीक्वेंस से लोगों को अपना दीवाना बना दिया। उन्होंने ए फ्लाइंग जट्ट, मुन्ना माइकल, हीरोपंती 2, वॉर, स्टूडेंट ऑफद ईयर, गणपत, बागी-2, बागी 3 और श्सिंघम अगेन जैसी फिल्मों के जरिए बॉलीवुड में स्टारडम हासिल किया। वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही बागी 4 में दिखाई देंगे। यह बागी फ्रेंचाइज की चौथी फिल्म है। हाल ही में फिल्म का पोस्टर रिलीज किया गया, जिसमें वह गंभीर लुक में नजर आए। इस पोस्टर को टाइगर श्रॉफने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर किया है और कैप्शन में लिखा, जिस फ्रेंचाइजी ने मुझे एक पहचान दी और मुझे खुद को एक एक्शन हीरो के रूप में साबित करने का मौका दिया, अब वही फ्रेंचाइजी मेरी पहचान बदल रही है। इस बार वह निश्चित रूप से पहले जैसा नहीं है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि आप लोग उसे उसी तरह स्वीकार करेंगे और प्यार देंगे जैसे आपने आठ साल पहले दिया था। फिल्म में टाइगर के साथ संजय दत्त, सोनम बाजवा और हरनाज संधू समेत कई एक्टर्स लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन ए. हर्षा ने किया है, वहीं नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के बैनर तले साजिद नाडियाडवाला ने फिल्म का निर्माण किया है।

:: एजेंसी

'श्रीलीला' के हाथ लगी एक और हिंदी फिल्म

साउथ फिल्म इंडस्ट्री में धमाल मचाने के बाद श्रीलीला अब हिंदी फिल्मों में अपना जलवा बिखेरने की पूरी तैयारी में हैं। कार्तिक आर्यन के साथ उनकी फिल्म की चर्चा इन दिनों खूब हो रही है। इस बीच उनकी एक और हिंदी फिल्म को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि राज शांडिल्य निर्देशित फिल्म वह नजर आ सकती हैं। इससे पहले राज ड्रीम गर्ल और ड्रीम गर्ल 2 जैसी फिल्में बना चुके हैं। हालांकि, अभी इस प्रोजेक्ट की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इंडस्ट्री और फैंस में इस खबर ने उत्साह की लहर दौड़ा दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक श्रीलीला और सिद्धार्थ एक साथ पर्दे पर नजर आ सकते हैं। श्रीलीला ने साउथ सिनेमा में अपनी शानदार एक्टिंग और खूबसूरती से लाखों दिल जीते हैं। अब अगर यह जोड़ी सिद्धार्थ के साथ बनती है तो यह उनके करियर का एक अहम पड़ाव साबित हो सकता है। दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को लेकर फैंस पहले से ही उत्साहित हैं। यह फिल्म एक मास एंटरटेनर होने की उम्मीद है, जो दर्शकों को हंसी, ड्रामा और मनोरंजन का पूरा डोज देने की कोशिश करेगी। हाल ही में श्रीलीला को प्रोड्यूसर महावीर जैन के साथ देखा गया था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर एक नए प्रोजेक्ट की चर्चा शुरू हो गई थी। महावीर जैन ने अपने इंस्टाग्राम पर श्रीलीला के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा था, आनंद एल राय सर की जादुई कहानी में श्रीलीला की खूबसूरती और टैलेंट देखने की इच्छा है। इस पोस्ट ने फैन्स की उत्सुकता और बढ़ा दी थी। श्रीलीला हिंदी सिनेमा में कार्तिक आर्यन अभिनीत फिल्म से कदम रखने वाली हैं। फिल्म का निर्देशन अनुराग बसु ने किया है। इसके अलावा वह मास जतरा नाम की फिल्म में भी नजर आने वाली हैं।

वहीं, उनके पास पराशक्ति और लेनिन नाम की भी फिल्म है। वहीं, सिद्धार्थ की बात करें तो उनके पास कई दिलचस्प प्रोजेक्ट हैं। वह परम सुंदरी नाम की फिल्म में काम कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ जान्हवी कपूर हैं। इसके अलावा उनके पास वन नाम की भी फिल्म है। वहीं दूसरी ओर जब से एक्टर कार्तिक आर्यन की मां माला तिवारी ने आईफा अवॉर्ड्स 2025 में एक्ट्रेस श्रीलीला के साथ उनके रिलेशनशिप की पुष्टि की है, तब से दोनों चर्चा में हैं। श्रीलीला टॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस हैं और डॉक्टर बनने के लिए मेडिकल की पढ़ाई कर रही हैं। 23 वर्षीय अभिनेत्री श्रीलीला का जन्म 14 जून, 2001 को हुआ

था। उन्होंने ज्यादातर तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में काम किया है। उन्होंने छोटी उम्र में ही अभिनय करना शुरू कर दिया था और दो फिल्मों, किस और भारते में श्री मुरली के साथ अभिनय किया था। बहुत कम लोग जानते हैं कि श्रीलीला मेडिकल की डिग्री हासिल कर रही हैं और साथ ही साथ वह अपने अभिनय के सपने को भी पूरा कर रही हैं। श्रीलीला ने 2022 में दो दिव्यांग बच्चों को गोद लिया। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि श्रीलीला एक अनाथालय गई थीं, जहां उन्हें दो दिव्यांग बच्चों, गुरु और शोभिता से जुड़ाव महसूस हुआ। उस समय, श्रीलीला ने उन्हें एक बेहतर जीवन देने का फैसला किया और बच्चों को गोद ले लिया। उन्होंने अपनी फिल्म बाय टू लव के रिलीज होने से पहले अपने बच्चों को गोद लिया था। श्रीलीला स्वर्णलता की बेटी हैं, जो बैंगलोर में स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं। बताया जाता है कि उन्होंने उद्योगपति सुरपनेनी शुभकारा राव से अलग होने के बाद श्रीलीला को जन्म दिया। जब श्रीलीला इंडस्ट्री में आई, तो उन्हें सुरपनेनी की बेटी कहा जाने लगा, जो उन्हें पसंद नहीं आया और उन्होंने एक आधिकारिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात को स्पष्ट किया। यह 2021 की बात है, जब सुरपनेनी शुभकारा राव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और खुलासा किया कि श्रीलीला उनकी बेटी नहीं हैं। तेलुगु व्यवसायी ने दावा किया कि उनकी पूर्व पत्नी स्वर्णलता ने अलग होने के बाद अभिनेत्री को जन्म दिया था।

उन्होंने मीडिया से उनके नाम का इस्तेमाल न करने का अनुरोध भी किया। कार्तिक और श्रीलीला अनुराग बसु की अनाम फिल्म में भी स्क्रीन स्पेस साझा करेंगे, जो उनका पहला सहयोग होगा। इससे पहले, एक टीजर वीडियो जारी किया गया था जिसमें कार्तिक को तू मेरी जिंदगी गाते हुए देखा गया था, और इसमें श्रीलीला और अभिनेता के रोमांटिक दृश्यों के कुछ अंश हैं। फिल्म दिवाली 2025 पर रिलीज होने वाली है। बॉलीवुड गलियारों में उड़ रही अफवाहों के अनुसार, अभिनेता साउथ अभिनेत्री श्रीलीला को डेट कर रहे हैं। इन अफवाहों पर अभिनेता की मां और नोरा फतेही ने आईफा अवाड्र्स के दौरान लगभग मुहर लगा दी। बता दें, कार्तिक और श्रीलीला जल्द ही अनुराग बसु द्वारा निर्देशित एक अनिर्धारित फिल्म में भी स्क्रीन साझा करेंगे। नोरा फतेही ने हाल ही में आईफा अवाड्र्स में कार्तिक की लव लाइफ का मजाक उड़ाया। शो की मेजबानी कर रहे करण जौहर ने नोरा से पूछा कि क्या आप प्रथम श्रेणी के टिकट से लंदन जाएंगी? इस पर नोरा ने पूछा, क्या मैं आपके साथ जा रही हूं? इस पर नोरा ने पूछा, क्या मैं आपके साथ जा रही हूं? हालांकि, केजेओ ने तब स्पष्ट किया कि

श्रीलीला और सिद्धार्थ एक साथ पर्दे पर नजर आ सकते हैं। श्रीलीला ने साउथ सिनेमा में अपनी शानदार एक्टिंग और खूबसूरती से लाखों दिल जीते हैं। अब अगर यह जोड़ी सिद्धार्थ के साथ बनती है तो यह उनके करियर का एक अहम पड़ाव साबित हो सकता है। दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को लेकर फैंस पहले से ही उत्साहित हैं।

वह कार्तिक आर्यन के बारे में बात कर रहे थे। करण ने फिर नोरा से पूछा कि क्या वह सिंगल हैं, उन्होंने कहा, आपने मुझे कल रात यह बताया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए नोरा ने कार्तिक को चिढ़ाते हुए उन पर कटाक्ष किया, कोई है इस इंडस्ट्री में जिसको आपने डेट नहीं किया। हालांकि, नोरा की टिप्पणी पर सभी के हंसने के बाद, कार्तिक ने कहा, वह बस एक सवाल पूछ रही है। आईफा अवाड्र्स 2025 में, कार्तिक आर्यन की मां, माला तिवारी ने भी इस बात की पुष्टि की कि अभिनेता श्रीलीला को डेट कर रहे हैं। इस कार्यक्रम की एक क्लिप सोशल मीडिया पर सामने आई, जिसमें तिवारी अपनी होने वाली बहू की अपेक्षाओं के बारे में पूछती नज़र आई। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, कार्तिक की मां ने खुलासा किया कि उनके बेटे की पत्नी एक अच्छी डॉक्टर होनी चाहिए। उन्होंने कहा, परिवार की मांग एक बहुत अच्छी डॉक्टर है। इससे सभी को आश्चर्य हुआ कि क्या कार्तिक आर्यन की मां अपने बेटे की श्रीलीला के साथ डेटिंग की अफवाहों की ओर एक बड़ा संकेत दे रही थीं, क्योंकि दक्षिण की अभिनेत्री भी डॉक्टर बनने की पढ़ाई कर रही हैं।

आर्यन और श्रीलीला की डेटिंग की अफवाहों ने इस महीने की शुरुआत में पहली बार सुर्खियां बटोरी थीं। दोनों को एक पारिवारिक समारोह में भाग लेते देखा गया। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में, दोनों अभिनेता घर की पार्टी में शानदार समय बिताते हुए दिखाई दिए थे। वहीं दूसरी ओर साउथ सिनेमा में मेगास्टार के नाम से मशहूर चिरंजीवी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म विश्वम्भरा की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह एक भव्य सामाजिक-फैंटसी ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन मल्लीदी वशिष्ठ कर रहे हैं। फिल्म में अभिनेत्री तृषा कृष्णन मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान हाल ही में एक खास पल आया जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के दिन सेट पर अभिनेत्री श्रीलीला के पहुंचने पर उनका खास अंदाज में स्वागत किया गया। चिरंजीवी ने श्रीलीला का सेट पर बेहद गर्मजोशी और स्नेह के साथ स्वागत किया। दोनों के बीच थोड़ी देर तक बातचीत हुई। इस मुलाकात को और यादगार बनाते हुए चिरंजीवी ने श्रीलीला को एक खास तोहफा भेंट किया। अभिनेता ने उन्हें एक खूबसूरती से तराशा गया शंख भेट किया, जिस पर देवी दुर्गा की छवि थी। चिरंजीवी के इस प्यार भरे तोहफे ने श्रीलीला का दिल जीत लिया। इस खास पल को श्रीलीला ने एक शानदार सेल्फी के जरिए कैद किया। फोटो में वह मेगास्टार के साथ मुस्कुराती नजर आई।

:: नेशनल डेस्क

बॉक्स ऑफिस पर सफल होना हमेशा एक अद्भुत अनुभव : वाणी कपूर

वाणी कपूर अपनी नई फिल्म 'रेड 2' की जबरदस्त सफलता से बेहद खुश हैं, जिसमें वह अजय देवगन के साथ नजर आ रही हैं। फिल्म को दर्शकों से चारों ओर से जबरदस्त प्यार मिल रहा है और महज 4 दिनों में यह बॉक्स ऑफिस पर हिट बन चुकी है। एक एक्सटेंडेड ओपनिंग वीकेंड में 'रेड 2' ने 70.75 करोड़ रुपये का शानदार कलेक्शन किया है और फिल्म जल्द ही 100 करोड़ क्लब में शामिल होने की ओर बढ़ रही है। इस बड़ी सफलता पर वाणी ने कहा, बॉक्स ऑफिस पर सफल होना हमेशा एक अद्भुत और अवास्तविक-सा अनुभव होता है। ऐसी फिल्म का हिस्सा बनना, जो दर्शकों से जुड़ती है, मेरे लिए गर्व की बात है। 'रेड 2' को मिल रही प्रतिक्रिया दिल को छू लेने वाली है और मैं इस यात्रा का हिस्सा बनने के लिए बेहद आभारी हूं। वाणी कपूर की परफॉर्मेंस को फिल्म में सभी ओर से सराहना मिल रही है, और एक क्रिटिकली और कमर्शियल हिट का हिस्सा बनकर वह खुद को विनम्र महसूस कर रही हैं। वाणी ने आगे कहा, फिल्म की कहानी बेहद प्रभावशाली है। राज कुमार गुप्ता सर के दूरदर्शी निर्देशन में काम करना मेरे लिए एक समृद्ध अनुभव रहा। मीडिया, समीक्षकों और दर्शकों से जो सराहना मुझे मिली है, उसके लिए मैं दिल से आभार प्रकट करती हूं।

:: एजेंसी

विक्रमादित्य मोटवानी ने क्रिएटिव लिबर्टी से लेकर नए दौर की कहानियों के बारे में खुलकर की बात

वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट में एक खास पैनल डिस्कशन का आयोजन किया गया, जिसमें फिल्म और वेब वर्ल्ड से जुड़ी कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं।

इस चर्चा में डायरेक्टर विक्रमादित्य मोटवाने, निखिल आडवाणी, सुदीप शर्मा, शुभ शिवदासानी, सलोना बेन्स जोशी और प्राइम वीडियो के हेड शामिल हुए।समिट में हुए पैनल श्टेकिंग द लीपरू स्टोरी टेलिंग फ्रॉम इंडिया, बाय इंडिया, फॉर द वर्ल्ड में इंडस्ट्री के कुछ सबसे बड़े फिल्ममेकर्स और कंटेंट क्रिएटर्स ने शिरकत की। इस चर्चा में विक्रमादित्य मोटवाने, निखिल आडवाणी, सुदीप शर्मा, शुभ शिवदासानी, सलोना बेन्स जोशी, गौरव गांधी (वाइस प्रेसिडेंट, प्राइम वीडियो) और निखिल माधोक (हेड ऑफ ओरिजिनल्स, प्राइम वीडियो इंडिया) शामिल थे। पैनल में इस बात पर चर्चा हुई कि कैसे भारत की कहानियां अब सिर्फभारत तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि अब उन्हें ग्लोबल ऑडियंस के लिए भी तैयार किया जा रहा है। इसके साथ ही यह भी बताया गया कि स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स ने कंटेंट बनाने के तरीके को किस तरह से बदला है। विक्रमादित्य मोटवाने ने पैनल में बात करते हुए कहा, प्राइम वीडियो जैसे स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स की

वजह से अब फिल्ममेकर्स को वो क्रिएटिव आजादी मिल रही है जो पहले सिर्फ थिएटर तक सीमित थी। अब हमें सिर्फदो घंटे की फिल्म तक ही नहीं सोचना पड़ता। उन्होंने आगे कहा कि मेकर्स अब हर तरह की कहानियां सुना सकते हैं चाहे वो लंबी हों, गहरी हों या थोड़ी अलग हों। हालांकि उन्होंने ये भी माना कि अभी पूरी आजादी और एक्सपेरिमेंटेशन तक पहुँचना बाकी है, लेकिन ये सफर ज्यादा दूर नहीं। मोटवाने ने भरोसा जताया, अभी हम वहां तक पहुंचे नहीं हैं, लेकिन जल्दी ही पहुंच जाएंगे। मुंबई डायरीज बनाने वाले और फिलहाल अपनी नई सीरीज द रेवोल्यूशनरीज की शूटिंग में व्यस्त निखिल आडवाणी ने पैनल में कहा, मेरे लिए कहानी का असली दम रिसर्च और सोर्स मैटेरियल में होता है। खासकर जब आप पीरियड स्टोरीज बना रहे हों, तो जितना समृद्ध रिसर्च होगा, उतनी ही मजबूत शुरुआत होगी। हालांकि उन्होंने ये भी जोड़ा कि पीरियड कहानियों को सिर्फ इतिहास के पाठ की तरह नहीं परोसा जा सकता। उन्होंने कहा अगर हम इतिहास पढ़ाने बैठ गए, तो ऑडियंस का इंटरेस्ट चला जाएगा। पाताल लोक के क्रिएटर सुदीप शर्मा ने पैनल में किरदारों के डेवलपमेंट को लेकर दिलचस्प बातें शेयर कीं। उन्होंने कहा, एक किरदार धीरे-धीरे समय के साथ कई लेवल पर तैयार होता है। फिर जब ऐक्टर आता है, तो वो उसमें अपनी समझ और परतें जोड़ता है। और सेट पर पहुंचकर तो कुछ और ही जादू हो जाता है। हाथीराम जैसे किरदार की लंबी पकड़ और लोगों से जुड़ाव पर उन्होंने कहा, हाथीराम में कुछ बहुत ही सच्चा और ईमानदार है जो ज्यादातर लोगों से जुड़ता है, वो कोई और बनने की कोशिश नहीं करता, उसकी यही असलियत और चौंका देने की काबिलियत उसे सबसे अलग बनाती है। पहली बार क्रिएटर के तौर पर सामने आई शुभ शिवदासानी और सलोना बेंस जोशी (जिनकी सीरीज दुपहिया है) ने स्टोरीटेलिंग में फीमेल गेज यानी महिला दृष्टिकोण को लेकर अपनी राय रखी। :: एजेंसी

प्रथम पृष्ठ का शेष समाचार

कानपुर में एक

की बर्न यूनिट भेजा गया। मुख्यमंत्री ने इसी घटना का संज्ञान लिया। मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए राहत और बचाव के कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। जानकारी के मुताबिक, इमारत की निचली मंजिल पर जूते का कारखाना था और ऊपर की मंजिलों पर लोग रहते थे। प्राथमिक तौर पर इसे शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग बताया जा रहा है, जिसने देखते ही देखते पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया।

दिल्ली मेट्रो में

की आपराधिक गतिविधि को रोका जा सके। हालांकि, इन बरामदगियों ने मेट्रो की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल भी उठाए हैं। इतनी सख्त जांच के बावजूद हथियार और कारतूस का मेट्रो स्टेशनों तक पहुंचना चिंता का विषय है।

राहुल गांधी की

कहा कि वह अन्य वैकल्पिक कानूनी उपाय अपनाने के लिए स्वतंत्र है। गत 21 अप्रैल को हुई पिछली सुनवाई में अदालत को बताया गया था कि केंद्र ने ब्रिटेन की सरकार को पत्र लिखकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पास ब्रिटिश नागरिकता होने के दावों के बारे में जानकारी मांगी है।

गन्ना मिलों पर

जाए। मुख्यमंत्री ने गन्ना समितियों को और सशक्त करने की आवश्यकता भी जताई। मुख्यमंत्री ने चीनी मिलों के मौजूदा 142 कार्यदिवसों को बढ़ाकर 155 दिन करने की जरूरत बताई। कोऑपरेटिव व फेडरेशन की चीनी मिलों की गहन समीक्षा के निर्देश भी दिए। इन मिलों की उत्पादन क्षमता के साथ-साथ वहां कार्यरत कार्मिकों की योग्यता का भी आकलन किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक 285994 करोड़ रुपये का भुगतान हुआ है, जो 1995-2017 के 2,13,520 करोड़ रुपये की तुलना में 72474 करोड़ रुपये अधिक है। वर्ष 2024-25 में निर्धारित 34466.22 करोड़ में से 83.8 प्रतिशत यानी 28873.55 करोड़ का भुगतान 2 मई तक संपन्न हो चुका है। इसी तरह वर्ष 2016-17 में गन्ना क्षेत्रफल 20.54 लाख हेक्टेयर था, जो 2024-25 में बढ़कर 29.51 लाख हेक्टेयर हो गया है। इसी अवधि में उत्पादकता भी 72.38 टन प्रति हेक्टेयर से बढ़कर 84.10 टन प्रति हेक्टेयर तक पहुंची है। राज्य में 45 जिलों में संचालित 122 चीनी मिलें, 236 खांडसारी इकाइयां, 8707 कोल्हू इकाइयां, 65 कोजेन इकाइयां और 44 डिस्टिलरी इकाइयां चल रही हैं। इन इकाइयों से प्रत्यक्ष रूप से 9.81 लाख लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है। वर्ष 2023-24 में 102 डिस्टिलरियों से 150.39 करोड़ लीटर एथेनॉल का उत्पादन हुआ है। निजी निवेश से 6771.87 करोड़ रुपये की लागत से अतिरिक्त 105.65 करोड़ लीटर उत्पादन क्षमता स्थापित की जा रही है।

अवैध पार्किंग पर

सन्निर्माण, अनुरक्षण एवं प्रचालन) नियमावली-2025 को तैयार करते हुए मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया था। इसके आधार पर स्मार्ट पार्किंग व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव है। पार्किंग स्थल पर सीसीटीवी कैमरा, डिजिटल संकेतक, बूम बैरियर, पार्किंग स्थल पर इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग की व्यवस्था, एएनपीआर कैमरा, सिस्टम, हैंडहेल्ड पीओएस डिवाइस, फास्टैग से भुगतान आदि की व्यवस्था होगी। सचिवालय सेवा के आठ विशेष सचिव के पद भी बढ़ाने पर विचार हो सकता है। कैबिनेट में इसके अलावा परिवहन विभाग द्वारा स्टेज कैरिज बस अड्डा, कॉन्ट्रैक्ट कैरिज व ऑल इंडिया टूरिस्ट बस पार्क नीति का प्रस्ताव भी मंजूरी के लिए रखा जाएगा। ऊर्जा विभाग द्वारा प्रतिस्पर्धात्मक बिडिंग के आधार पर 1600 मेगावाट तापीय पावर परियोजना से 1500 मेगावाट ऊर्जा क्रय करने का प्रस्ताव पेश किया जाएगा। इसके अलावा औद्योगिक विकास विभाग उप्र वैश्विक क्षमता केंद्र नीति 2024 का प्रस्ताव भी मंजूरी के लिए पेश होगा। कार्मिक विभाग द्वारा उप्र सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) (द्वितीय संशोधन) नियमावली 2025 को कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी जा सकती है। इसके अलावा चिकित्सा शिक्षा, वित्त एवं बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के प्रस्ताव भी कैबिनेट के समक्ष मंजूरी के लिए रखे जाएंगे।

डॉ. राजेश्वर सिंह का

नरेंद्र मोदी और सीएम योगी के प्रयासों से अब प्रदेश का हर घर तक स्वच्छ जल, बिजली, पानी, गैस सिलिंडर और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं से आच्छादित हुआ है। प्रदेश का बजट बढ़कर 8 लाख करोड़ से अधिक हो चुका है। प्रदेश में कानून व्यवस्था अच्छी है, देश का 55 प्रतिशत एक्सप्रेस वे नेटवर्क यूपी में है, प्रदेश का इंफ्रास्ट्रक्चर पूरे देश में अग्रणी है। प्रदेश का निर्यात 60 हजार करोड़ से बढ़कर 2 लाख करोड़ तक पहुँच चुका है।

विधायक ने बताया कि वर्ष 2022 में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की तर्ज पर स्टेट कैपिटल रीजन (एससीआर) बोर्ड के गठन के लिए मुख्यमंत्री को प्रस्ताव दिया था, आज उसे कैबिनेट के माध्यम से स्वीकृति प्रदान कर समग्र विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एससीआर बोर्ड के अध्यक्ष हैं। विधायक ने बताया सरोजनी नगर में सीएसआर में अनेक योजनायें संचालित हैं चाहते मेधावियों का सम्मान, 151 तारा शक्ति केंद्र, बच्चों के स्कूलों में झूले, दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र, युवाओं को स्वस्थ रखने के लिए सरोजनी नगर स्पोर्ट्स लीग निरंतर संचालित है। विधायक ने बताया सरोजनीनगर में 1212 सोलर लाइट स्थापित कर नया कीर्तिमान स्थापित किया गया है। युवा पी?ी के विकास को अपनी सर्वोपरि प्राथमिकता बताते हुए डॉ. सिंह ने सरोजनीनगर में स्कूलों में डिजिटल लाइब्रेरी, स्मार्ट पैनल आदि स्थापित किये गए, रण बहादुर सिंह डिजिटल शिक्षा एवं युवा सशक्तिकरण केन्द्रों की स्थापना कर उन्हें निःशुल्क डिजिटल प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है।

विपक्ष पर तीखा प्रहार - सपा प्रमुख खुद को भगवान समझ रहे : सम्मेलन में समाजवादी पार्टी की विचारधारा पर तीखा प्रहार करते हुए विधायक ने कहा कि पीडीए की बात करने वालों के एजेंडे में सामान्य वर्ग की कोई जगह नहीं है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की उस प्रतिमा पर सवाल उठाया जिसमें वे स्वयं को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के समकक्ष दिखाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि समाजवादी पार्टी ने न केवल रामबाई अंबेडकर के नाम पर बने जिले का नाम बदला, बल्कि दलितों को मिलने वाले सरकारी टेंडर आरक्षण को समाप्त किया। गेस्ट हाउस कांड का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि सत्ता की लालच में समाजवादी पार्टी के नेताओं ने दलित नायिकाओं की गरिमा तक को नहीं छोड़ा।

पड़ोसी देश को भी मालूम करारा जबाब मिलेगा : पहलगाम आतंकी हमले को गंभीर घटना बताते हुए विधायक ने कहा की मोदी जी कड़ा जबाब देंगे, आज देश में मजबूत सरकार है आज पडोसी देश को भी मालूम है अब टालने वाली सरकार नहीं है लेकिन हमें आंतरिक रूप से देश को मजबूत करना है। योगी आदित्यनाथ ने कहा है बटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे सेफ रहेंगे, इसी भाव के साथ स्वयं को सुरक्षित रखना है। भाजपा लखनऊ जिलाध्यक्ष विजय मौर्या ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य सभी पदाधिकारियों को सरोजनीनगर विधानसभा व लखनऊ जनपद में हुए विकास कार्यों की जानकारी देना था। उन्होंने कहा कि जनता को योजनाओं और उपलब्धियों की सटीक जानकारी देना कार्यकर्ताओं का उत्तरदायित्व है। इसके लिए प्रत्येक पदाधिकारी को योजनाओं की प्रगति से निरंतर अवगत रहना चाहिए। सम्मेलन के दौरान विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने 'तारा शक्ति केंद्र, बरौली' का लोकार्पण कर संचालिका वंदना चौरसिया और उनकी टीम को शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही क्षेत्र की चार प्रमुख स्वयं सहायता समूहों की संचालिकाओं, प्रेमलता यादव, तस्कीन बानो, शशि सिंह और मानसी रावत को प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया।सभी पदाधिकारियों को सरोजनीनगर के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में चल रही योजनाओं की जानकारी देने हेतु विवरणिका (पैम्फलेट) भी वितरित की गई। इस अवसर पर जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, बंथरा नगर पंचायत प्रतिनिधि रंजीत रावत, गंगाराम भारती, राजकुमार सिंह, शंकरी सिंह, राजेश सिंह, जिलामंत्री आशू शुक्ला एवं रेनू सिंह, पवन मिश्रा, अमित तिवारी, मनोज सिंह, शिवकुमार सिंह चच्चू, पार्षद के. एन. सिंह, पार्षद प्रतिनिधि लवकुश रावत, विनोद मौर्या, चन्दर सिंह, रमाशंकर त्रिपाठी, कृपाशंकर शुक्ला, सुभाष पासी सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

केन्द्रीय गृह मंत्रालय

का हमला हो जाए, तो वे खुद को कैसे सुरक्षित रखें। ब्लैकआउट की व्यवस्था की जाएगी। यानी जरूरत पड़ने पर बिजली बंद कर दी जाए ताकि दुश्मन को कोई लक्ष्य न दिखाई दे। महत्वपूर्ण कारखानों और ठिकानों को छिपाने की जल्दी व्यवस्था की जाएगी। निकासी योजना को अपडेट किया जाएगा और उसका अभ्यास (रिहर्सल) भी कराया जाएगा।

सीबीआई के नये

के डायरेक्टर की नियुक्ति कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) करती है। इस उच्च-स्तरीय समिति में प्रधानमंत्री, भारत के मुख्य न्यायाधीश और लोकसभा के विपक्ष के नेता शामिल होते हैं। यह समिति सीबीआई के डायरेक्टर के पद के लिए किसी एक नाम पर मुहर लगाती है। यह समिति साथ में बैठकर सीबीआई के डायरेक्टर की नियुक्ति के लिए नाम पर चर्चा करती है और फिर सरकार को नाम का सिफारिश देती है।

रक्षा सचिव से

था कि आतंकियों के आकाओं को उनकी कल्पना से परे सजा मिलेगी। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब तक सेना, नौसेना और वायुसेना के प्रमुखों से मुलाकात की है। इन अधिकरियों के साथ पीएम मोदी की बैठकें हुई। लगातार अधिकारियों के साथ बैठक के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि भारत आतंकियों और उनके पनाहगारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है। बता दें कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बैसरन घाटी में हथियारबंद आतंकियों ने 26 पर्यटकों को मौत के घाट उतार दिया था। इस हमले की क्रूरता ने पूरे देश में आक्रोश पैदा कर दिया है।

आतंकवाद के खिलाफ

आदान-प्रदान किया। यह लाओ पीडीआर में आसियान रक्षा मंत्रियों की 'मीटिंग-प्लसश् के अवसर पर नवंबर में हुई उनकी पहली मुलाकात के बाद छह महीने के भीतर दोनों रक्षा मंत्रियों के बीच दूसरी बैठक थी। उस बैठक में, सिंह और जनरल नकातानी ने दोनों देशों की सेनाओं के बीच अधिक अंतर-संचालन के लिए आपूर्ति और सेवा समझौते के पारस्परिक प्रावधान पर विचार-विमर्श किया था।

वक्फ कानून पर

में कहा, नहीं, नहीं मैं इसके लिए इंतजार कर रहा हूं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को आश्वासन दिया कि अगली सुनवाई तक वक्फ संपत्तियों पर यथास्थिति बरकरार रहेगी।

पाकिस्तान की कमर

टैक्स में कटौती, जीएसटी लागू करना और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव जैसी योजनाएं शामिल हैं। एडीबी अध्यक्ष कांडा ने भारत की विकास प्राथमिकताओं को पूरा करने में एडीबी के समर्थन का भरोसा दिलाया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत (विक्सित भारत) के विजन को समर्थन देने की बात कही।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक विजय शंकर शर्मा द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन 55-बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं डी-206-सी, विभूतिखण्ड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक- विजय शंकर शर्मा
(M.)- 9628478339, 9335322739 Ph: 0522- 4075237 Fax: 0522- 2306048 Email- charchitrajnit@gmail.com

लेखा संवर्ग विभागों की रीढ़ की हड्डी

उत्तर प्रदेश वित्त और लेखा सेवा संघ का हुआ अधिवेशन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- उत्तर प्रदेश वित्त व लेखा सेवा संघ का चुनाव में अध्यक्ष निशांत उपाध्याय चुने गए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश वित्त एवं लेखा सेवा संघ का अधिवेशन आयोजित हुआ जिसमें मुख्य अतिथि वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, विशिष्ट अतिथि सचिव वित्त मंजर अब्बास रिजवी थे। वित्त मंत्री ने उत्तर प्रदेश की एवं लेखा संवर्ग के अधिकारियों द्वारा प्रदेश में कुशल वित्तीय प्रबंधन हेतु किए जा रहे योगदान की सराहना की तथा अधिकारियों को समय से पदोन्नति उनकी समस्याओं के समाधान एवं एसीपी आदि ससमय कराए जाने का आश्वासन दिया तथा महासचिव द्वारा अपने प्रतिवेदन में ससमय पदोन्नति करने की मांग की।

खाली पदों पर भर्तियां कराने लेखा संवर्ग को मजबूती प्रदान करने एवं लेखा संवर्ग के अधिकारियों को वहां उपलब्ध कराने तथा विभागों में तैनात लेखा स्टाफ पर अनावश्यक दबाव ना डालने आदि बातें रखी जिस पर माननीय वित्त मंत्री ने पूरा आश्वासन दिया और कहा कि लेखा संवर्ग विभागों की रीढ़ की हड्डी है इसे और मजबूत किया जाएगा। दूसरे सत्र में उत्तर प्रदेश वित्त एवं लेखा सेवा संघ का चुनाव में अध्यक्ष निशांत उपाध्याय चुने गए। जबकि महासचिव शालिग्राम, उपाध्यक्ष पवन कुमार द्विवेदी, शालिनी सिंह, सचिव हिमांचल यादव, अंकित सिंह और मनोज कुमार निर्विरोध निर्वाचित हुए। चुनाव में खास बात यह रही की अध्यक्ष पद पर चुनाव हुआ जिसमें पूर्व महासचिव दीपक सिंह दूसरे स्थान पर रहे।नई कार्यकारिणी का फूलमालाओं से भव्य स्वागत किया गया। अंत में कर्मचारी नेता सुशील कुमार बच्चा ने सभी को बधाई दी।

प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना के ने विकास और कानून-व्यवस्था की समीक्षा की, इंस्पेक्टर की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल : लखनऊ के विकास कार्यों और कानून व्यवस्था को लेकर सोमवार को दो अहम बैठकें हुईं। इनकी अध्यक्षता कैबिनेट मंत्री और लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने किया। पहली बैठक दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में हुई, जिसमें जिला योजना और विकास कार्यों की समीक्षा की गई। दूसरी बैठक शाम 5 बजे योजना भवन में कानून व्यवस्था को लेकर हुई। सुरेश खन्ना ने जिले के विकास कार्यों, कानून व्यवस्था और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर अधिकारियों के साथ व्यापक समीक्षा की। लूट, डकैती, साइबर क्राइम और अतिक्रमण जैसे मुद्दों पर कड़ा रुख अपनाते हुए अधिकारियों को कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मंत्री ने नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस को सड़कों और गलियों में फैले बिजली के तारों को हटाने, अवैध दुकानों पर कार्रवाई करने और सभी प्रमुख चौराहों को अतिक्रमण मुक्त बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा जरूरतमंदों को आयुष्मान योजना का लाभ दिलाने के लिए प्रत्येक वार्ड में विशेष कैंप लगाए जाएं, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रह जाए। मंत्री ने लखनऊ में बीते तीन महीनों में हुई आपराधिक घटनाओं के आंकड़ों पर चिंता जताई। पुलिस अधिकारियों को इन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने निर्देश दिए कि केवल असली अपराधियों को ही गिरफ्तार किया जाए, किसी भी निर्दोष को झूठे केस में न फंसाया जाए। कृष्णा नगर थाने के इंस्पेक्टर की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए पुलिस कमिश्नर को जांच कमेटी गठित कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। लखनऊ की बिगड़ी ट्रैफिक व्यवस्था और अतिक्रमण को लेकर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने पुलिस और नगर निगम को तत्काल संयुक्त रणनीति बनाकर सुधार के निर्देश दिए। सुरेश खन्ना ने निर्देश दिए कि जेल से छूटे और सक्रिय पेशेवर अपराधियों पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई कर उन्हें जिला बदर किया जाए। कोर्ट में मजबूत पैरवी कर उन्हें सजा दिलाई जाए। यह भी कहा किसी भी आपराधिक घटना का खुलासा होने पर उसे पारदर्शी ढंग से मीडिया के सामने प्रस्तुत किया जाए, ताकि लोगों का पुलिस पर भरोसा बना रहे।

योगी से नेपाल के मुख्यमंत्री कमल बहादुर शाह ने की शिष्टाचार भेंट

लखनऊ, चसं। नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रदेश के मुख्यमंत्री कमल बहादुर शाह ने लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश के सरकारी आवास पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। उनके साथ उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद रहा।

इस मुलाकात को भारत-नेपाल के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को और प्रगाढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री कमल बहादुर शाह ने भारतीय पक्ष के साथ सहयोग, सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और व्यापारिक संभावनाओं पर चर्चा की। दोनों पक्षों के बीच साझा हितों को लेकर सकारात्मक वातावरण में बातचीत संपन्न हुई।

भेंट के दौरान प्रतिनिधिमंडल में शामिल सदस्यों ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे विकास कार्यों की सराहना की और भविष्य में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की इच्छा जताई। यह मुलाकात भारत-नेपाल मैत्री संबंधों में एक और मील का पत्थर साबित हो सकती है।

शहर के कई क्षेत्रों में चला अतिक्रमण के खिलाफ अभियान

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ द्वारा आज खजाना चौराहा से स्काई हिल्टन तक दोनों पटरी सहित कई अन्य जोनों में अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध एक सघन अभियान चलाया गया। जोन-8 के अंतर्गत की गई, जिसमें जोनल अधिकारी के नेतृत्व में 296 टीम कर्मियों ने मिलकर सार्वजनिक पथों से अवैध रूप से लगाए गए ठेले, सब्जी मंडियां, फलों की दुकानें और अस्थायी निर्माणों को हटाया।इस दौरान नगर निगम ने अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध सख्ती दिखाते हुए 15,000 का जुर्माना भी वसूला, जो आगे ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए एक स्पष्ट संदेश है। नगर निगम लखनऊ के जोन-3 में आज एक विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। यह अभियान जोनल अधिकारी के नेतृत्व में चलाया गया जिसमें 296 टीम सदस्य शामिल हुए। यह कार्रवाई ÷नीर रेसिडेंसी÷ के पास और जानकीपुरम विस्तार व भवानीखेरा चौराहे के पास की गई, जहां आम रास्तों और मुख्य मार्गों पर अवैध रूप से गुमटी, ठेले और अन्य निर्माण खड़े किए गए थे।

नगर निगम ने बताया कि यह अतिक्रमण आमजन की आवाजाही में बाधा बन रहा था और सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी खतरनाक था। इसलिए तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों स्थानों पर अवैध निर्माण को हटाया गया। इस दौरान नगर निगम की टीम ने कुल 15 गुमटी और 36 ठेले मुख्य मार्गों से हटवाए।लखनऊ नगर निगम ने सोमवार को इंदिरा नगर क्षेत्र की सब्जी मंडी और उसके आसपास के इलाकों में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। यह अभियान जोन-7 के जोनल अधिकारी के नेतृत्व में चलाया गया, जिसमें 296 की टीम मौजूद रही। अभियान के दौरान इंदिरा नगर सेक्टर-17 में सब्जी मंडी और आसपास की गलियों में लगाई गई अवैध दुकानों, ठेलों और गैस सिलेंडर आदि को हटाया गया। कुल मिलाकर 2 ठेले, 1 गैस सिलेंडर को जब्त किया गया और 25 दुकानों को हटाया गया। नगर निगम की इस कार्रवाई का उद्देश्य इलाके में ट्रैफिक को सुचारु बनाए रखना और आम जनता की आवाजाही में हो रही दिक्कतों को दूर करना था।कार्यवाही के दौरान मौके पर मौजूद अधिकारियों ने दुकानदारों को सख्त हिदायत दी कि वे दोबारा अतिक्रमण न करें, अन्यथा अगली बार और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि यदि फिर से अतिक्रमण किया गया तो जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

फंदे पर लटका मिला डी फार्मा के छात्र का शव

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ के पीजीआई थाना क्षेत्र स्थित एल्डिको कालोनी में एक दुखद घटना सामने आई। रविवार की रात डी फार्मा कर रहे 24 वर्षीय छात्र तारीख सिद्दीकी ने फांसी लगाकर जान दे दी। तारीख रायबरेली रोड की एल्डिको कालोनी के उद्यान दो में अपने परिवार के साथ रहते थे। वह सईद अनवर के दो बेटों में बड़े थे। उन्होंने छत के पंखे में चादर का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र कुमार सिंह के अनुसार, घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। जानकारी के मुताबिक, मृतक की छह महीने पहले सगाई हुई थी। उन्होंने अपनी मंगेतर से बात करने के बाद यह कदम उठाया है।

जोन दो के पार्षद संग नगर आयुक्त की विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। नगर निगम मुख्यालय में सोमवार को नगर आयुक्त गौरव कुमार की अध्यक्षता में जोन-2 के सभी माननीय पार्षदों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में नगर निगम के अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार गुप्त, जोन 2 की जोनल अधिकारी सुश्री शिल्पा कुमारी, जोनल सेनेटरी ऑफिसर, अधिशासी अभियंता और जलकल के अधिशासी अभियंता मौजूद रहे।इस बैठक में जोन-2 के अंतर्गत आने वाले वार्डों के पार्षद, जिनमें सुभाष चन्द्र (अम्बेडकर नगर वार्ड), ममता चौधरी (मालवीय नगर वार्ड), संदीप शर्मा (ऐशबाग वार्ड), गौरी सांवरिया (कुँवर ज्योति प्रसाद वार्ड), राजू गांधी (पार्षद प्रतिनिधि) (मोतीलाल नेहरू-चन्द्रभानु गुप्त वार्ड), राजीव (तिलक नगर-कुंडरी रकाबगंज वार्ड), कौमुद त्रिपाठी (राजाजीपुरम वार्ड), राजेश कुमार दीक्षित (राजेन्द्र नगर वार्ड), नरेन्द्र शर्मा (याहियागंज नेताजी सुभाष चन्द्र बोस वार्ड) एवं राहुल मिश्रा (राजा-बाजार वार्ड) मौजूद रहे। बैठक के दौरान पार्षदगणों ने अपने-अपने क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों, जल निकासी की समस्याओं और सफाई व्यवस्था पर नगर आयुक्त से विस्तृत चर्चा की। विशेष रूप से नालों और नालियों की नियमित सफाई और मानसून पूर्व तैयारियों पर जोर दिया गया। पार्षदों ने बताया कि कई इलाकों में जलभराव की समस्या अभी भी बनी रहती है, जिसे प्राथमिकता से हल करने की आवश्यकता है।नगर आयुक्त श्री गौरव कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए और आगामी बरसात से पहले आवश्यक कार्य पूर्ण कर लिए जाएं। उन्होंने पार्षदों को आश्वासन दिया कि निगम प्रशासन उनके साथ मिलकर क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान हेतु प्रतिबद्ध है। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई और सभी जनप्रतिनिधियों ने नगर निगम की सक्रियता और संवाद को सराहा। यह बैठक नगर निगम और जनप्रतिनिधियों के बीच तालमेल को मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक पहल रही।

पार्षद ने खा लिया हाउस टैक्स का रुपया, नगर निगम अधिकारी का आरोप : लखनऊ नगर निगम जोन- 5 के पंडित खेड़ा में लगे हाउस एसेसमेंट कैंप में पार्षद प्रतिनिधि और नगर निगम के अधिकारी आमने-सामने आ गए। निगम अधिकारियों ने कहा पार्षद ने हाउस टैक्स के मद में आए रुपए को खा लिया है। इस पर पार्षद प्रतिनिधि ने कैंप बंद करा दिया। स्थानीय पार्षद प्रतिनिधि संजय गुप्ता का आरोप है कि नगर निगम के अधिकारियों ने बिना सूचना दिए क्षेत्र में कैंप लगाया।

फाइल बढ़ाने के लिए रिश्वत पर अनुभाग अधिकारी निलम्बित

लखनऊ, चसं। योगी आदित्यनाथ सरकार ने रिश्वतखोरी के मामले में सचिवालय के एक अधिकारी को आज निलंबित कर दिया। सचिवालय प्रशासन विभाग-नौ (विविध) के अनुभाग अधिकारी संतोष कुमार उपाध्याय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। संतोष उपाध्याय पर चिकित्सा प्रतिपूर्ति की फाइल आगे बढ़ाने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग में तैनात सहायक समीक्षा अधिकारी से 20 हजार रुपये लेने के साथ और पांच हजार रुपये मांगने का आरोप है। शिकायतकर्ता ने फोन पर हुई बातचीत का साक्ष्य भी प्रस्तुत किया है। इनके खिलाफ अनुशासनिक कार्यवाही भी की जा रही है।बेसिक शिक्षा विभा मंत्री के साथ तैनात सहायक समीक्षा अधिकारी जयशंकर यादव ने साक्ष्यों सहित लिखित शिकायत सचिवालय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव के रविंद्र नायक से की थी। शासकीय कार्य के लिए रुपये की मांग करने के मामले को प्रमुख सचिव ने गंभीरता से लेते हुए निलंबन का आदेश जारी किया है।

देश-विदेश डायरी

फीनिक्स के रेस्तरां में 9 लोगों को मारी गोली

फीनिक्स, एजेंसी। अमेरिका के एरिजोना राज्य की राजधानी और सबसे अधिक आबादी वाले शहर फीनिक्स के एक रेस्तरां में रविवार रात नौ लोगों को गोली मार दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। ग्लेनडेल पुलिस के अधिकारी मोरोनी मेंडेज ने घटनास्थल पर बताया कि पुलिस को लगभग 7 बजकर 45 मिनट पर एल कैमरोन गिगांटे मैरिसकोस एंड स्टीकहाउस में गोलीबारी की सूचना मिली। मेंडेज ने कहा कि प्रारंभिक जांच के दौरान पीड़ितों की संख्या तत्काल स्पष्ट नहीं हो पाई, लेकिन माना जा रहा है कि नौ लोगों को गोली मारी गई। पीड़ितों की चिकित्सा स्थिति के बारे में तत्काल जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी। मेंडेज के अनुसार, पुलिस का मानना छ्है कि इस घटना में एक से ज्यादा 'शूटर शामिल थे। जांचकर्ताओं ने किसी संदिग्ध को हिरासत में नहीं लिया है, लेकिन कई लोगों से पूछताछ की जा रही है।

इजराइल ने नए प्लान को दी मंजूरी गाजा में स्थायी कब्जे का किया ऐलान

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल ने सोमवार को गाजा पट्टी के पूरे हिस्से पर कब्जा करने और अनिश्चित समय तक वहां बने रहने की योजना को मंजूरी दे दी। इजराइल के दो अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अगर इस योजना को अंजाम दिया गया तो फिलीस्तीनी क्षेत्र में इजराइल के अभियान का विस्तार होगा और इस पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक विरोध सामने आ सकता है। इजराइल के कैबिनेट मंत्रियों ने तड़के हुए मतदान में इस योजना को मंजूरी दी। इससे कुछ घंटे पहले ही इजराइल के सेना प्रमुख ने कहा था कि सेना हजारों सैनिकों को तैयार रहने के लिए कह रही है। अधिकारियों के अनुसार इस नयी योजना का मकसद इजराइल को हमास को हराने और गाजा में बंधक बनाए गए लोगों को मुक्त कराने के लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करना है। यह योजना हजारों फिलीस्तीनियों को दक्षिण गाजा की ओर धकेलने में मददगार हो सकती है। इससे पहले से ही मौजूद मानवीय संकट और गहरा हो सकता है। मार्च के मध्य में इजराइल और हमास के बीच युद्ध विराम टूटने के बाद इजराइल ने इस क्षेत्र पर भयंकर हमले किए हैं, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए हैं। उसने कई इलाकों पर कब्जा कर लिया है और अब गाजा के लगभग 50 प्रतिशत हिस्से पर इसका नियंत्रण है। युद्ध विराम समाप्त होने से पहले, इजराइल ने गाजा में भोजन, ईंधन और पानी सहित सभी मानवीय सहायता रोक दी थी, जिससे लगभग 19 महीनों के युद्ध में सबसे खराब मानवीय संकट पैदा हो गया है। सहायता प्रतिबंधित करने से भुखमरी की स्थिति बन गई और आवश्यक वस्तुओं की कमी होने से लूटपाट की आशंका भी पैदा हो गई। इजराइल धीरे-धीरे हमास पर दबाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। इजराइल के अधिकारियों ने कहा कि इस योजना में 'पट्टी पर कब्जा करना और क्षेत्रों को नियंत्रण में लेना शामिल है। इस योजना में चरमपंथी हमास समूह को मानवीय सहायता वितरित करने से रोकने की भी कोशिश की जाएगी, जिसके बारे में इजराइल का कहना है कि इससे गाजा में समूह का शासन मजबूत होगा। अधिकारियों ने कहा कि इस योजना में हमास के ठिकानों पर शक्तिशाली हमले करना भी शामिल है। अधिकारियों ने कहा कि इजराइल गाजा पर कब्जा करने और वहां के लोगों को स्थानांतरित करने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना को लेकर कई देशों के संपर्क में है, जिसे इजराइल ने 'स्वैच्छिक विस्थापन कहा है। यूरोप और अरब देशों में इजराइल के सहयोगियों ने इसकी निंदा की है। एक अधिकारी ने कहा कि इस योजना को धीरे-धीरे अमल में लाया जाएगा। दोनों अधिकारियों ने नाम जाहिर नहीं होने की शर्त पर ये दावे किए। इजराइल पिछले कई हफ्तों से हमास पर दबाव बढ़ाने और उस पर युद्ध विराम वार्ता में ज्यादा लचीलापन दिखाने के लिए दबाव डालने की कोशिश कर रहा है। लेकिन, दोनों पक्षों को एक नए समझौते की ओर लाने की कोशिश कर रहे अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों को काफी संघर्ष करना पड़ा है। सहायता समूहों के बीच प्रसारित और एसोसिएटेड प्रेस को प्राप्त हुए एक आंतरिक ज्ञापन के अनुसार, इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र को बताया कि वह गाजा में सहायता वितरण को नियंत्रित करने के लिए निजी सुरक्षा कंपनियों का उपयोग करेगा। संयुक्त राष्ट्र ने रविवार को एक बयान में कहा कि वह प्रस्तुत की गई योजना में भाग नहीं लेगा, क्योंकि यह उसके मूल सिद्धांतों का उल्लंघन करता है।

पाकिस्तान ने 3 दिन में दूसरी बार दागी मिसाइल, भारत की सख्ती से बौखलाया पड़ोसी

इस्लामाबाद, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बीते 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने साफकर दिया है कि अब आतंकवाद किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस हमले में 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई और कई घायल हुए। भारत ने पाकिस्तान को इसका सीधा जिम्मेदार ठहराया है। तभी से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा हुआ है और पाकिस्तान लगातार मिसाइल परीक्षण कर रहा है। पाकिस्तान ने सोमवार 5 मई को सतह से सतह पर मार करने वाली 'फतह' मिसाइल का सफल परीक्षण करने का दावा किया है। इस मिसाइल की मारक क्षमता 120 किलोमीटर बताई गई है। पाकिस्तान की सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने यह जानकारी दी है। यह परीक्षण एक्स इंडयूज अभ्यास के हिस्से के रूप में किया गया। इससे ठीक तीन दिन पहले, शनिवार को पाकिस्तान ने 'अब्दाली' मिसाइल का भी परीक्षण किया था, जिसकी मारक क्षमता 450 किलोमीटर है।

वाराणसी पहुंचे धर्मपाल, चुनावी रणनीति पर किया मंथन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- अम्बेडकर द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण कर रहे पीएम नरेन्द्र मोदी, बीजेपी : धर्मपाल

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने वाराणसी में क्षेत्रीय कार्यालय पर बैठको के माध्यम से संवाद करते हुए आगामी चुनाव की रणनीति पर चर्चा की। वाराणसी जिला व महानगर के अनुसूचित वर्ग के जिला व मंडल पदाधिकारियों के साथ अनुसूचित जाति संवाद कार्यक्रम में मंत्रणा की तथा काशी क्षेत्र के 16 जिलो के 337 मंडल अध्यक्षों की बैठक में प्रभावी मंडल कार्यसमितियों के गठन का मंत्र दिया।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि भाजपा ने हमेशा अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग के आर्थिक, सामाजिक उत्थान तथा राजनैतिक भागीदारी के लिए काम किया। देश के सर्वोच्च पदों पर अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति वर्ग का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया। भाजपा ने अनुसूचित वर्ग के आरक्षण सहित बाबा साहेब डा. भीमराव आम्बेडकर द्वारा प्रदत्त संवैधानिक अधिकारों को सदैव मजबूती देने का काम किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बाबा साहेब डा. भीमराव आम्बेडकर द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण कर रहे है। मोदी ने सफाई कर्मियों के पैर धुलाकर उनका अभिनंदन किया और विश्व को यह संदेश दिया कि भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों में कोई व्यक्ति और कोई भी कार्य छोटा नहीं है। अटल जी ने देश में सर्व शिक्षा अभियान की शुरुआत करके सभी को अनिवार्य शिक्षा सुनिश्चित करते हुए बाबा साहेब के स्वप्न को साकार करने का काम किया। कोरोना काल में कोई भी गरीब, वंचित व्यक्ति भूखा ना रहे इसलिए सभी को निःशुल्क राशन की व्यवस्था की गई। मुस्लिम तुष्टिकरण और हिन्दुओं का जातिगत विभाजन ही विपक्ष का एक मात्र एजेंडा है। अखिलेश यादव तथा राहुल गांधी अपने परिवार की राजनैतिक विरासत को बचाने के लिए लगातार देश में जातिगत आधार पर टकराव पैदा करके देश को कमजोर करने का काम कर रहे है। भाजपा का विरोध करते हुए विपक्ष के नेता देश के विरोध में इतना आगे बढ़ जाते है कि उनके वक्तव्यों को देश के शत्रु अपने हित में प्रयोग कर लेते है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सदैव बाबा साहेब का विरोध किया और अनुसूचित वर्ग का वोट बैंक के रूप में उपयोग किया। कांग्रेस ने बाबा साहेब का अन्तिम संस्कार भी दिल्ली में नहीं होने दिया। अपने स्वार्थ में सबसे अधिक संविधान का संशोधन करने वाली कांग्रेस ने अनुसूचित वर्ग के अधिकारो को प्रभावित करने का काम किया। कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 का प्रयोग करके अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग के आरक्षण सहित सभी संवैधानिक अधिकारों को समाप्त करने का काम किया। अखिलेश यादव के शासन काल में उत्तर प्रदेश दलित उत्पीड़न का केन्द्र बन गया था। दलितों के घर, खेत, खलिहान पर कब्जे किये गए और उनके खिलाफ झूठे मुकदमें लगवाकर उन्हें प्रताड़ित किया गया। आज बाबा साहेब के चेहरे पर अपना चेहरा जोड़कर उनकी बराबरी करने की कोशिश करके बाबा साहेब का अपमान करने का काम अखिलेश यादव ने किया है। सपा सरकार में मुस्लिम तुष्टिकरण, सत्ता संरक्षित अपराध, भ्रष्टाचार, तथा जातिवादी राजनीति से सबसे अधिक अनुसूचित वर्ग प्रभावित भी हुआ और प्रताड़ित हुआ। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने बाबा साहेब से जुड़ेघ् स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित कर कृतज्ञ श्रद्धांजलि अर्पित की है। डाक टिकट जारी किया गया। बाबा साहेब के नाम से भीम ऐप लांच किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा के द्वारा बाबा साहेब के सम्मान तथा अनुसूचित जाति व जनजाति के हित में किये गए कार्यो को लेकर जनसंपर्क करना है।

विपक्ष के द्वारा देश में फैलाए जा रहे भ्रम और झूठ को समाप्त करने का काम भाजपा के परिश्रमी व निष्ठावान कार्यकर्ताओं को करना है। एक-एक घर और एक-एक व्यक्ति से संपर्क करके विपक्ष के काले कारनामे और खतरनाक मंसूबे जनता के दरबार में लेकर जाना है। जन-जन को पार्टी से जोड़ना है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत का संकल्प पूरा करना है। मंडल अध्यक्षों से संवाद करते हुए धर्मपाल सिंह ने कहा कि मंडल कार्यसमिति गठन का कार्य करना है। आदर्श मंडल कार्यसमिति गठन के लिए सभी जाति वर्गों का प्रतिनिधित्व कार्यसमिति में होना चाहिए। प्रभावी मंडलों की संरचना से ही मजबूत शक्ति केंद्रों का निर्माण होगा जो मजबूत बूथों के निर्माण का माध्यम बनेंगे।